राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 2011 विश्व कप के दौरान सचिन ने दी थी टीम को सलाह.....

एचपीएससी में पर्चा और खर्चा यानि खर्चा करो और पर्चा आउट कराओ..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 139 | नई दिल्ली, शनिवार, 30 सितम्बर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

दानिश अली ने प्रधानमंत्री से बिधूड़ी की टिप्पणी पर दंड, अपने लिए सुरक्षा का आग्रह किया

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सदस्य रमेश बिधूड़ी द्वारा उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के मामले में जवाबदेही और दंड सुनिश्चित किया जाए ताकि आगे सदन में ऐसी घटनाएं नहीं हों। अली ने खुद को मिली ह्यधमकियोंह्ल का हवाला देते हुए अपने लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की मांग भी की। उन्होंने प्रधानमंत्री से यह आग्रह भी किया कि वह सदन के भीतर मयार्दा और आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व की याद दिलाने से जुड़ी अपील करें। 'चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां' विषय पर लोकसभा में चर्चा के दौरान गत 21 सितंबर को बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। बसपा सांसद ने पत्र में कहा, "जैसा कि आप जानते होंगे कि 21 सितंबर, 2023 के बाद से स्थिति काफी खराब हो गई है और इसने हमारे सम्मानित सदन की संसदीय मयार्दा और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली पर ग्रहण लगा दिया है। आप सदन के नेता और हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं। ऐसे में मुझे विश्वास है कि आपको यह बात गहराई से पता चलेगी कि सांसद रमेश बिधूड़ी ने असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।" उन्होंने कहा, "आप उस दिन सदन में मौजूद नहीं थे, फिर भी बिधूड़ी ने अपने संबोधन के दौरान आपका जिक्र करते हुए अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। मैंने प्रधानमंत्री के संबंध में ऐसी भाषा के उपयोग पर आपत्ति जताईह्ल सदन की कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि सत्ता पक्ष के किसी भी सदस्य ने आपके प्रति असंसदीय भाषा के उपयोग के खिलाफ मेरे रुख पर आपत्ति नहीं जताई। जब मैंने बिधूड़ी का ध्यान आपके प्रति असंसदीय भाषा के इस्तेमाल की ओर दिलाया, तो वे भड़क गये और उन्होंने मुझे आतंकवादी और उग्रवादी कहा।" दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भाजपा सांसदों निशिकांत दुबे और रवि किशन द्वारा लिखे गए पत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने उनके खिलाफ झूठ फैलाया और उन बातों का दावा किया जो उन्होंने किसी भी सत्र में नहीं कही। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया, "मैं आपसे सभी संसद सदस्यों को सदन के भीतर मयार्दा और आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व की याद दिलाने का आग्रह करता हूं क्योंकि पूरी दुनिया हमें संसदीय लोकतंत्र के पथप्रदर्शक के रूप में देखती है। ऐसी अशोभनीय घटनाओं का हमारे लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।" उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा, "मेरा अनुरोध है कि बिधूड़ी के निंदनीय आचरण पर जल्द से जल्द जवाबदेही तय की जानी चाहिए और उन्हें उचित दंड दिया जाना चाहिए ताकि कोई भी सदन में इस तरह का कृत्य दोबारा न कर सके।" अली ने यह आग्रह भी किया, "बिधूड़ी द्वारा सदन में दी गई धमकियों और उसके बाद विभिन्न जगहों से मिल रही धमकियों को देखते हुए, मैं आपसे अपनी सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने का आग्रह करता हूं। यह आवश्यक है कि मैं, और अन्य सांसद बिना किसी संदेह के अपने कर्तव्यों का पालन करने में सक्षम रहें।" बसपा के लोकसभा सदस्य ने कहा कि विशेष सत्र के दौरान हुई हालिया घटना एक व्यक्ति के रूप में "सिर्फ मुझ पर ही हमला नहीं है, बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूल पर हमला है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,140
चांदी	73,500
सेंसेक्स	67,597
निफ्टी	20,133

मोदी शनिवार को पिछड़े प्रखंडों के लिए 'संकल्प सप्ताह' का शुभारंभ करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को सुबह 10 बजे यहां भारत मंडपम में देश में आकांक्षी ब्लॉकों के लिए सप्ताह भर चलने वाले विशिष्ट कार्यक्रम 'संकल्प सप्ताह' का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'संकल्प सप्ताह' आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के प्रभावी कार्यान्वयन से जुड़ा है। राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम इसी वर्ष सात जनवरी को श्री मोदी द्वारा शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए ब्लॉक स्तर पर संचालन व्यवस्था में सुधार करना है। इसे देश के 329 जिलों के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू किया जा रहा है। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम को लागू करने तथा एक प्रभावी ब्लॉक विकास रणनीति तैयार करने के लिए देश भर में गांव और ब्लॉक स्तर पर चिंतन शिविर आयोजित किए गए। 'संकल्प सप्ताह' इन्हीं चिंतन शिविरों की परिणति है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि 'संकल्प सप्ताह' सभी 500 आकांक्षी ब्लॉकों में मनाया जाएगा। 3 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 9 अक्टूबर तक मनाए जाने वाले 'संकल्प सप्ताह' में प्रत्येक दिन एक विशिष्ट विकास थीम को समर्पित है, जिस पर सभी आकांक्षी ब्लॉक काम करेंगे। पहले छह दिनों की थीम में 'संपूर्ण स्वास्थ्य', 'सुपोषित परिवार', 'स्वच्छता', 'कृषि', 'शिक्षा' और 'समृद्धि दिवस' शामिल हैं। सप्ताह के अंतिम दिन पूरे सप्ताह के दौरान किए गए कार्यों का 'संकल्प सप्ताह - समावेश समारोह' उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में भारत मंडपम में देश भर से लगभग 3,000 पंचायत और ब्लॉक स्तर के जन प्रतिनिधि और पदाधिकारी भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, ब्लॉक और पंचायत स्तर के पदाधिकारियों, किसानों और अन्य क्षेत्रों के व्यक्तियों सहित लगभग दो लाख लोग कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे।

लंदन में हुए 12 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश:धामी

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि जी-20 सम्मेलन के बाद भारत के प्रति दुनिया के रुख में बड़ा बदलावा आया है और इसी बदले नजरिए का ही असर रहा कि ब्रिटेन में उत्तराखंड राज्य के लिए उन्हें 12 हजार 500 करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रस्ताव मिले हैं। श्री धामी ने लंदन से लौटने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ब्रिटेन में भारत में निवेश के प्रति लोगों का बहुत सकारात्मक रुख है और इसी का परिणाम है कि अपनी लंदन यात्रा के दौरान उन्होंने निवेश के कई करारों पर हस्ताक्षर किए हैं। उनका कहना था कि उत्तराखंड में दिसम्बर में ग्लोबल समिट हो रहा है इसकी जिन लोगों को जानकारी भी नहीं थी वे लोग भी वहां उनसे मिलने आ रहे थे और निवेश को लेकर चर्चा कर रहे थे। विदेशों में जी-20 के बाद भारत के प्रति दुनिया का भाव बदला है और इसका एहसास उन्हें लंदन में हुआ है। उन्होंने कहा कि लंदन यात्रा के दौरान उन्होंने 12 हजार 500 के निवेश पर हस्ताक्षर किए हैं और उनहें उम्मीद है कि दो लाख रुपए से ज्यादा के प्रस्ताव उत्तराखंड तक उनके पास आएंगे। अब तक उन्हें 20 हजार करोड से ज्यादा के प्रस्ताव मिल चुके हैं। लंदन में भारत के प्रति सकारात्मक माहौल है और वहां के लोग सिर्फ उत्तराखंड ही नहीं देश में भी निवेश करना चाहते हैं। भारत में निवेश के प्रति लोगों का रुझान जी-20 के बाद ज्यादा बढा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान उन्हें उत्तराखंड के लिए ज्यादातर प्रस्ताव शिक्षा, पर्यटन तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में मिले हैं। इसमें राफ्टिंग, होटल, एडवेंचर जैसे क्षेत्र में निवेश किया जाएगा। इस दौरान ब्रिटेन के पर्यटन मंत्रालय के साथ मसौदे पर हस्ताक्षर हुए हैं जिसके तहत उत्तराखंड घूमना आने वाले पर्यटकों की जरूरत के हिसाब से व्यवस्था करने के बारे में चर्चा हुई और राज्य सरकार इस पर खर्च करेगी ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक आएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विदेशी निवेशकों और पर्यटकों को दिक्कत नहीं हो इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में सबसे उत्तरखंड मुख्यमंत्री आवास में एक प्रवासी सेल की स्थापना की जाएगी और जो विदेशी पर्यटक तथा निवेशकों के लिए सुविधा उपलब्ध कराएंगे। इसमें एकल खिड़की की व्यवस्था की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छ भारत साझा जिम्मेदारी : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों से एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे, हमें एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आना है। स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है। एक स्वच्छ भविष्य की शुरूआत करने के लिए इस महान प्रयास में शामिल हों। यह अभियान महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर शुरू किया जाएगा। राष्ट्रपिता ने जीवन भर स्वच्छता पर जोर दिया था।

भाजपा सरकार की लापरवाही से हुई बच्ची से दरिंदगी:कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म के लिए राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि उज्जैन की इस घटना को दबाने के लिए शिवराज सरकार ने कई तरह के प्रयास किए हैं और इस मामले में राज्य सरकार की भूमिका से साबित हो गया है कि यह प्रदेश महिलाओं और बच्चियों के लिए असुरक्षित है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार का जंगलराज चल रहा है जहां महिला होना अपराध बन चुका है। राज्य में कुछ साल में 13 लाख महिलाएं लापता हुई हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के राज में महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के लिए नर्क बन चुका है और वहां हर दो घंटे में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म होता है। नाबालिग दुष्कर्म के मामले में मध्य प्रदेश पहले स्थान पर आ चुका है। उन्होंने कहा उज्जैन की जिस बच्ची के साथ दरिंदगी हुई है उसके साथ घटी इस घटना को छिपाने का प्रयास किया गया और बच्ची को भीख मांगने वाली तथा उत्तर प्रदेश की रहने वाली बताकर मामले की कोशिश हुई है। यह 12 साल की बच्ची मध्य प्रदेश के सतना की रहने वाली है और एक दलित परिवार से आती है। इस बच्ची को साजिशन लीपापोती कर उत्तर प्रदेश की मानसिक विक्षिप्त भिखारी बताया जा रहा था। जब वह बच्ची स्कूल से घर नहीं लौटी तो उसके परिवार वाले सतना पुलिस स्टेशन गए। वहां बच्ची के परिवार वालों से कहा गया कि आप यहां से जाइए और अपनी बेटी को खुद ढूंढिए। हम प्राथमिकी दर्ज नहीं करेंगे। प्रवक्ता ने कहा बड़ा सवाल यह है कि यह बच्ची सतना से उज्जैन कैसे आई और उसके मामले में पुलिस ने तत्परता क्यों नहीं दिखाई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से क्यों इनकार किया। अखबारों में इस बारे में खबरें आती रहीं तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उज्जैन पुलिस ने क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम को क्यों नहीं खंगाला। बच्ची की बोली बघेलखंड थी, तो उज्जैन पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश का क्यों बताया। आठ किलोमीटर पैदल चलने के बाद अपना, अपने पिता, दादा और गांव का नाम सही बताने वाली बच्ची को मानसिक रुप से विक्षिप्त और भिखारी क्यों बताया गया। आखिर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री चुप क्यों हैं। उन्होंने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि घटना को कई दिन बीत गए हैं लेकिन बच्ची का हाल पूछने भाजपा का एक भी नेता अब तक नहीं गया है। एक दलित बच्ची का दुष्कर्म हुआ, उसे विक्षिप्त और भिखारी बताने की कोशिश की गई... लेकिन देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। इस मामले पर महिला बाल विकास मंत्री, महिला आयोग, बाल संरक्षण आयोग सब चुप हैं।

देश के लिए यह समय हर क्षेत्र में प्रथम बनने के लिए अनुकूल : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश हर क्षेत्र में लगातार विकास कर रहा है। यह समय हमारे लिए हर क्षेत्र में प्रथम बनने के लिए अनुकूल है। शाह ने विज्ञान भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मोदी सरकार ने देश के अर्थतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। जो वादे वर्ष 2014 में किए सभी को पूरा किया। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2014 में हम विश्व की 11वीं नंबर की अर्थव्यवस्था थे और वर्ष 2023 में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं। वर्ष 2027 तक हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में देश में 04 यूनिकॉर्न स्टार्टअप थे, आज 115 यूनिकॉर्न के साथ भारत दुनिया के प्रमुख देशों में से एक है। वहीं 2013-14 में देश में 350 स्टार्टअप थे और आज 01 लाख से अधिक स्टार्टअप अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। मोदी सरकार ने पिछले 09 साल के अंदर हर क्षेत्र में भारत को बदलने का प्रयास किया है और सफल भी रहे हैं। सरकार के प्रयास से देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि हमारा देश सबसे युवा है और यहां सबसे ज्यादा इंजीनियर, डॉक्टर और टेक्नोक्रैट्स भी हमारे पास हैं। यहां लोकतंत्र भी है, टीम वर्क भी है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नीति निर्धारण भी स्पष्ट है। इसलिए अब भारत को अमृतकाल में हर क्षेत्र में अपने आपको सबसे पहले स्थान पर स्थापित होने से कोई नहीं रोक सकता। विदेशी मुद्रा भंडार हमारा बढ़ा है। पहले विदेशी मुद्रा भंडार हमारा 309 अरब डॉलर का था। अब बढ़कर 583 अरब डालर के पास पहुंच गया है। देश में जीएसटी कलेक्शन बढ़ा है। राज्यों को समय पर उनकी राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

विधि आयोग 2029 से लोकसभा, विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के फॉमूर्ला पर काम कर रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी

विधि आयोग मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर 2029 से लोकसभा चुनाव के साथ सभी के चुनाव एक साथ कराने के फॉमूर्ले पर काम कर रहा है। आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार पहले ही लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के वास्ते एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है, इसलिए विधि आयोग को राष्ट्रीय और राज्यों के लिए अपनी वर्तमान सिफारिश के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनावों को भी शामिल करने को कहा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि विधि आयोग लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के वास्ते एक आम मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत कम हो सके और जनशक्ति का इस्तेमाल लगभग एक समान कवायद के लिए किया जा सके जो अभी निर्वाचन आयोग और विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोगों द्वारा की जाती है। सूत्रों ने हालांकि बताया कि एक साथ चुनाव पर विधि आयोग की रिपोर्ट तैयार नहीं है क्योंकि कुछ मुद्दों का निपटारा होना बाकी है। वर्ष 2029 से राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा, दोनों चुनाव एक साथ कराना सुनिश्चित करने के लिए न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी के तहत आयोग विधानसभाओं के कार्यकाल को कम करने या बढ़ाने का सुझाव दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार किया जा रहा है कि एक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था हो जाए, तो मतदाता दोनों चुनावों के लिए मतदान करने के वास्ते केवल एक बार मतदान केंद्र पर जाएं। सूत्रों ने बताया कि क्योंकि विधानसभा और संसदीय चुनाव विभिन्न चरणों में होते हैं, इसलिए आयोग इस बात पर भी गौर कर रहा है कि मतदाता दो चुनावों के लिए मतदान करने के वास्ते एक से अधिक बार मतदान केंद्रों पर न जाएं। उन्होंने कहा कि आयोग का विचार है कि विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं और वह केवल व्यापक लोकतांत्रिक कवायद के सुचारू संचालन के लिए तौर-तरीकों पर काम कर रहा है। फिलहाल आयोग का काम विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराने के तरीके सुझाना है। लेकिन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति को यह सिफारिश करने का काम सौंपा गया है कि लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत, नगरपालिका, जिला परिषद) एक साथ कैसे आयोजित किए जा सकते हैं। विधि आयोग एक सुझाव यह दे सकता है कि त्रिस्तरीय चुनाव एक साल में दो चरणों में कराए जाएं। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं और दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह देश में विभिन्न जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण है। कानून मंत्रालय ने अप्रैल 2018 में विधि आयोग से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे की जांच करने को कहा था।

मनरेगा को सुनियोजित ढंग से 'इच्छामृत्यु' दे रही सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से संबंधित सोशल ऑडिट समय पर नहीं कराने का आरोप लगाया और दावा किया कि सरकार सुनियोजित ढंग से अपने चक्रव्यूह में फंसाकर इस योजना को 'इच्छामृत्यु' दे रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस खबर का हवाला भी दिया, जिसमें कहा गया है कि कई राज्यों में मनरेगा से संबंधित सोशल ऑडिट इकाइयां निष्क्रीय हो गई हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ग्राम सभा द्वारा किया जाने वाला सोशल ऑडिट महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का एक अनिवार्य हिस्सा है।

यह जवाबदेही सुनिश्चित करने और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए है। मूल रूप से इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार पर रोक लगाना है। रमेश ने कहा, ह्यप्रत्येक राज्य में एक स्वतंत्र सोशल ऑडिट होता है, जिसे केंद्र द्वारा सीधे धन दिया जाता है, ताकि उसकी स्वायत्तता बरकरार रखी जा सके।

अब इसकी फंडिंग में अत्यधिक देरी की बात सामने आ रही है। इसका नतीजा यह है कि सोशल ऑडिट समय पर नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑडिट की इस पूरी प्रक्रिया से समझौता किया जाता है और फिर मोदी सरकार इस स्थिति का इस्तेमाल राज्यों को फंड देने से इनकार करने के लिए एक बहाने के रूप में करती है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पैसा नहीं मिलने के कारण मजदूरी का भुगतान आदि प्रभावित होता है। उन्होंने दावा किया, यह और कुछ नहीं, बल्कि मनरेगा को सुनियोजित ढंग से चक्रव्यूह में फंसाकर इच्छामृत्यु देने जैसा है।

मोदी ने महिला और पुरुष निशानेबाजी टीम को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एशियाई खेलों में निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करने वाली महिला और पुरुष टीम को बधाई दी है। श्री मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, एक शानदार जीत, प्रतिष्ठित स्वर्ण और एक विश्व रिकॉर्ड। एशियाई खेलों में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी टीम स्पर्धा में विजयी होने के लिए कुसाले स्वप्निल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और अखिल श्योरेन को बधाई। उन्होंने असाधारण दृढ़ संकल्प और टीम वर्क दिखाया है। एक अन्य एक्स में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, एशियाई खेलों में निशानेबाजी में एक और पदक। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर दिव्या थडिगोल, ईशा सिंह और पलक को बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। उनकी सफलता कई आगामी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। उल्लेखनीय है कि चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों में आज शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते है।

समुद्री दोस्ती रॉयल थाई नेवी बैंड ने गर्मजोशी के साथ भारतीय जहाजों का स्वागत किया.....

भारत के चार जहाजों ने किया थाईलैंड का दौरा, समुद्री दोस्ती हुई और मजबूत

- मैरीटाइम ट्रेनिंग पार्टनरशिप हिस्से के रूप में युद्धाभ्यास आयोजित किए गए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना की पहली प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के तीन जहाजों ने लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में फुकेत (थाईलैंड) का दौरा किया। इस प्रशिक्षण दौरे में तटरक्षक बल का जहाज आईसीजीएस सारथी भी शामिल था। रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) के बैंड ने धूमधाम से गर्मजोशी के साथ भारतीय जहाजों का स्वागत किया। इस यात्रा में दोनों नौसेनाओं के कर्मी क्रॉस ट्रेनिंग दौरों, पेशेवर बातचीत, खेल कार्यक्रमों और संयुक्त योग सत्रों में शामिल हुए। भारतीय नौसेना ने अपनी पहली प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के तीन जहाजों आईएनएस तिर, आईएनएस सुजाता और आईएनएस सुदर्शनी को लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में फुकेत भेजा था। इनके साथ तटरक्षक बल के जहाज आईसीजीएस सारथी ने भी फुकेत का दौरा किया। यह चारों भारतीय जहाज 25-28 सितंबर तक विदेशी तैनाती पर रहे और रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) बैंड की ओर से जहाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन सर्वप्रीत सिंह ने जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों के साथ थाई नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल पुचोंग रोडनिक्रोन से मुलाकात की। आईएनएस तिर पर आरटीएन अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ तीसरे नौसेना क्षेत्र कमान के चीफ ऑफ स्टाफ के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। जहाजों को आगंतुकों के लिए खुला रखा गया और विभिन्न स्कूलों के बच्चों को जहाजों पर ले जाया गया। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के प्रशिक्षुओं ने फांग नगा नौसेना बेस पर नौसेना अकादमी का दौरा किया। इस यात्रा में दोनों नौसेनाओं के कर्मी क्रॉस ट्रेनिंग दौरों, पेशेवर बातचीत, खेल कार्यक्रमों और संयुक्त योग सत्रों में शामिल हुए। रॉयल थाई नेवल शिप क्लेंग के साथ मैरीटाइम ट्रेनिंग पार्टनरशिप एक्सरसाइज के हिस्से के रूप में प्रशिक्षुओं की क्रॉस एम्बार्केशन, युद्धाभ्यास आयोजित किए गए। नौसेना के मुताबिक भारतीय जहाजों की यह थाईलैंड यात्रा दोनों देशों के बीच समुद्री संबंधों और दोनों नौसेनाओं के बीच दोस्ती के बंधन को और मजबूत करती है।

जोशीमठ में भूधंसाव से ही आई थीं घरों में दरारें, सीबीआरआई के वैज्ञानिकों की रिपोर्ट में खुलासा

रुड़की, एजेंसी।
यही नहीं जोशीमठ में जिस जगह जमीनों में लंबी दरारें आई हैं, वहीं ज्यादातर कमजोर इमारतें बनाई गई थीं।

सीबीआरआई रुड़की की रिपोर्ट ने यह साबित कर दिया है कि जोशीमठ में सैकड़ों भवनों में आई दरारों के पीछे मूल कारण जमीन का धंसना था। यही नहीं जोशीमठ में जिस जगह जमीनों में लंबी दरारें आई हैं, वहीं ज्यादातर कमजोर इमारतें बनाई गई थीं। यही नहीं भूमि धंसने के बाद जोशीमठ की पहाड़ियों पर संवेदनशीलता और भी बढ़ गई है। अतिसंवेदनशील भवनों में दरारों की चौड़ाई पांच मिलीमीटर से अधिक

थी। जबकि मध्यम रूप से संवेदनशील भवनों में आई दरारें दो से पांच मिलीमीटर तक चौड़ी थीं।

सर्वे में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जो बताते हैं कि जनवरी में भूधंसाव के दौरान 300 मिलीमीटर तक चौड़ाई और तीन से चार मीटर गहराई की करीब 40 दरारें आई हैं। नुकसान इन्हीं दरारों के आसपास बने भवनों को हुआ है। सीबीआरआई के वैज्ञानिक डॉ. अजय चौरसिया का कहना है कि रिपोर्ट में प्रत्येक तथ्य को बारीकी से अध्ययन में शामिल किया गया है। इस रिपोर्ट के आधार पर उपाय किए जाने जरूरी हैं। सबसे जरूरी है जोशीमठ की पहाड़ी में इमारतों की मैपिंग, खतरनाक क्षेत्रों के आकलन और उनके कारणों की पहचान करना, हिमालयी क्षेत्र में निर्माण कार्यों का मैनुअल तैयार करना और सख्ती से पालन कराना, पहाड़ों पर भूवैज्ञानिक आधार पर सुरक्षित भूमि का मानचित्र तैयार करना, पूर्व चेतावनी प्रणाली के जरिए सतत निगरानी और आपदा का पूर्वानुमान जारी करना आदि। उन्होंने कहा कि भविष्य के खतरे और चुनौतियों को देखते हुए सभी वैज्ञानिक पहलुओं पर काम जरूरी है। वैज्ञानिक डॉ.अजय चौरसिया के अनुसार जोशीमठ हिमालय में 890 मीटर की ऊंचाई पर अलकनंदा नदी के बाएं किनारे पर उत्तरी ऊपरी-मध्य ढलान पर मे सेंट्रल थ्रस्ट (एमसीटी) पर स्थित है। जोशीमठ में उत्तर की ओर झुकने वाली चट्टानों के चलते ढलान बना है। पुराने भूस्खलन मोटे दाने वाले मलबे की सामग्री के जमा होने से बनी विशाल चट्टानें और उस पर निर्माण कार्यों का भारी दबाव भवनों में दरार का बड़ा कारण है। इसके अलावा समय-समय पर पानी की सही निकासी नहीं होने और हिमनदी के कटाव के कारण पुराने भूस्खलन फिर से सक्रिय हो गए।

एक और दो अक्तूबर को कॉर्बेट में बंद रहेगी जिप्सी सफारी

रामनगर, एजेंसी। कॉर्बेट पार्क सहित प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में सफारी समेत ठहरने के शुल्क में बढ़ोतरी के खिलाफ कॉर्बेट जिप्सी वेलफेयर एसोसिएशन ने एक व दो अक्तूबर को जिप्सी संचालन बंद करने का निर्णय लिया है। इस फैसले के कारण कॉर्बेट पार्क आने वाले लोग दो दिन जिप्सी सफारी नहीं कर पाएंगे। बुधवार को कॉर्बेट जिप्सी वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि परमिट शुल्क में वृद्धि के खिलाफ एक और दो अक्तूबर को सर्वसम्मति से जिप्सी संचालन नहीं करने का निर्णय लिया है। कहा कि इस मुद्दे पर वार्ता के लिए अधिकारियों की ओर से मिलने का समय नहीं दिया जा रहा है। कार्य बहिष्कार से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि की जिम्मेदारी कॉर्बेट प्रशासन की होगी। कहा कि उत्तराखंड के स्थानीय व्यक्तियों को पार्क भ्रमण के किराये में विशेष छूट दी जानी चाहिए। बैठक में कॉर्बेट जिप्सी वेलफेयर के अध्यक्ष प्रेम सिंह मेहरा, गिरीश धस्माना, सचिव ललित नेगी, कोषाध्यक्ष नूर मोहम्मद, उपाध्यक्ष संतोष पपनै, उमेद सिंह नेगी, फरीद अहमद, इकबाल, जयपाल नेगी, संदीप मेहरा, महेश बिष्ट, जीवन रौतेला आदि थे।

कार्यालय खुलने के बाद पहुंचा छुट्टी का आदेश

हल्द्वानी, एजेंसी। शासन की ओर से बुधवार सुबह नैनीताल जनपद में अवकाश घोषित किया गया, लेकिन छुट्टी का आदेश अधिकारियों, कर्मचारियों को कार्यालय खुलने के बाद मिला। सूचना मिलने के बाद दफ्तर और स्कूल तो बंद कर दिए गए लेकिन फरियादियों को फजीहत का सामना करना पड़ा। पूर्व मंत्री पूरन चंद्र शर्मा के निधन पर राजकीय शोक के तौर पर जनपद में अवकाश घोषित किया गया था, लेकिन जब तक यह सूचना मिलती स्कूल और सरकारी कार्यालय खुल चुके थे। नगर निगम, तहसील कार्यालय, आरटीओ और एसडीएम कार्यालयों में पहुंचने वाले फरियादियों को बैरंग लौटना पड़ा। कई स्कूलों में भी बाद में अवकाश कर दिया गया जिससे बच्चों और अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आय प्रमाण पत्र की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

काशीपुर, एजेंसी। दिव्यांगों ने पेंशन के लिए आय प्रमाण की अनिवार्यता

को समाप्त करने की मांग की। उत्तराखंड मूक बधिर विकलांग समिति प्रदेश अध्यक्ष एमए राहुल के नेतृत्व में दिव्यांगों ने बुधवार को एसडीएम के पेशकार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों, मूक बधिरों को विकलांग पेंशन के लिए ऑनलाइन फार्म भरने में खासी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन फार्म भरने में यूपीआई नंबर के साथ आय प्रमाण पत्र मांगा जाता है, जबकि दिव्यांग कोई काम नहीं करते हैं। ऐसे में पेंशन के लिए आय प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। साथ ही एडीओ समाज कल्याण को सप्ताह में एक दिन काशीपुर तहसील में बैठाया जाए, ताकि दिव्यांगों की समस्या उन्हें बताई जा सके। समिति अध्यक्ष एमए राहुल ने दिव्यांगों की पेंशन तीन हजार रुपये महीना करने की मांग की। वहां पर रामबाबू, जाकिर हुसैन, नरगिस, प्रभा, मुन्नू सिंह, आशिफ, कादिर, राशिद आदि थे। ग्राम जंगल जोगीठेर नगरा में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान विषय पर कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर सचिन कुमार पाठक ने बुजुर्गों के अधिकार की कानूनी जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा का अधिकार, नशे की प्रवृत्ति आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। किसान आयोग अध्यक्ष राजपाल सिंह ने थारू जनजाति के इतिहास के बारे में बताया। वहां कमला गोस्वामी, जितेंद्र गौतम, प्रभु दयाल, लाल सिंह, गीता शर्मा, ठग्गू देवी, प्रीति राना आदि थे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साले की मौत

रूड़की, एजेंसी। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साले की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शवों का पोस्टमार्टम करवाया है। साथ ही ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। विकास (24) निवासी गांव बराड़ा, जिला अंबाला हरियाणा और सुमित (35) निवासी डेरा कलाल नसीरपुर उर्फ नसरतपुर सुभाषगढ़, एथल जिला हरिद्वार रिश्तेदार हैं। विकास कई महीनों से सुमित के घर पर ही रहकर खेतीबाड़ी कर रहा था। बुधवार शाम दोनों बाइक से किसी काम से लक्सर आए थे। रात करीब साढ़े नौ बजे दोनों घर लौट रहे थे। लक्सर स्थित बसेड़ी तिराहे पर एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से विकास की मौके पर ही मौत हो गई। सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा होता देख राहगीर घटनास्थल की तरफ दौड़े। राहगीरों को आता देख चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराकर सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टर ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए एम्स रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान जीजा सुमित की भी मौत हो गई।

एयरफोर्स में सेवारत रवि की डेंगू के इलाज के दौरान हुई मौत

खटीमा, एजेंसी। क्षेत्र के वार्ड आठ मयूर विहार अमाउं निवासी रवि बोरा पुत्र देव सिंह बोरा की डेंगू के इलाज के दौरान कानपुर एयर फोर्स अस्पताल में मौत हो गई। बुधवार को उनका राष्ट्रीय सम्मान के साथ बनबसा शारदा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पूर्व रवि के बच्चों को खांसी और बुखार की शिकायत हुई थी। इसके बाद उन्हें बुखार हुआ तो वह दवा लेने लगे। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में डेंगू की पुष्टि हुई। परिजनों ने बताया कि रवि 15 साल से एयरफोर्स में सेवा दे रहे थे। वह अपने पीछे अपने माता-पिता, छोटे भाई, पत्नी, दो बेटियां और एक छह महीने के बेटे को रोता बिलखता छोड़कर चले गए हैं।

रुद्रपुर। जिले में बुधवार को डेंगू के दो नए मरीज मिले। इसमें एक मरीज रुद्रपुर और दूसरा खटीमा में मिला। इसके साथ ही जिले में अब तक मिले डेंगू मरीजों की कुल संख्या 71 हो चुकी है।

अधूरे कार्य से जीआईसी विद्यालय सभागार हुआ खस्ताहाल

नैनीताल, एजेंसी। बलियानाला के संवेदनशील क्षेत्र से लगे शहीद मेजर राजेश अधिकारी जीआईसी के समक्ष विस्थापन की तलवार लटकी हुई है। बलियानाला सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए वित्तीय स्वीकृति के बाद विस्थापन होना भी लगभग तय है। इधर. विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय भवन के सभागार का अधूरा कार्य पूरा हो जाए तो यहां भी विस्थापन किया जा सकता है। शासन व प्रशासन के निर्देश पर बलियानाला के कार्य के साथ ही जीआईसी का विस्थापन होना है। उक्त कार्य में विद्यालय के निचले हिस्से के भवनों को ध्वस्त किया जाना है।

शीतकालीन फल पौधारोपण की तैयारी में जुटा उद्यान विभाग, 37 हेक्टेयर क्षेत्रफल में लगाए जाएंगे पौधे

अल्मोड़ा, एजेंसी।
वर्षाकालीन फल पौधा रोपण अभियान के पूरा होने के बाद अब उद्यान विभाग शीतकालीन पौधारोपण की तैयारी में जुट गया है। दिसंबर-जनवरी में 37 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सेब, आड़ू व कीवी के पौधे रोपित किए जाएंगे।

बागवानी मिशन योजना के तहत यह पौधे रोपित किए जाएंगे। इसके लिए विभाग की ओर से कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। काश्तकारों को 50 प्रतिशत राजसहायता पर पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे बागवानी का रकबा बढ़ेगा, वहीं काश्तकारों की भी आर्थिकी भी बढ़ सकेगी। जिले के विकासखंडों हवालबाग, ताड़ीखेत, ताकुला, भिकियासैंण, चौखुटिया, भैसियाछाना, सल्ट, धौलादेवी, द्वाराहाट, लमगड़ा व स्याल्दे में फलों की खेती की जाती है। इन विकास खंडों में से ताड़ीखेत, लमगड़ा, भैसियाछाना, ताकुला व धौलादेवी क्षेत्रों में फलोत्पादन ज्यादा मात्रा में होता है। वर्तमान में जिले के विभिन्न विकास खंडों में सेब, आड़ू व कीवी का फल उत्पादन क्षेत्रफल क्रमशः 189.40 हेक्टेयर, 495.26 तथा 24.19 हेक्टेयर है। वहीं इन फलों का उत्पादन क्रमशः 320.14 मिट्रिक टन ,1448.30 तथा 24.19 मिट्रिक टन होता है। इस बार शीतकालीन पौधारोपण के तहत विभाग ने कीवी का रकबा ज्यादा बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका लाभ बागवानों को निकट भविष्य में मिल सकेगा। अल्मोड़ा के मुख्य उद्यान अधिकारी एसके शर्मा के अनुसार, बागवानी मिशन योजना के तहत दिसंबर-जनवरी में फल प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाएगा।

आंगन में खेल रही ढाई साल की बच्ची को उठा ले गया गुलदार, लोग पीछे भागे तो झाड़ियों में छोड़ा, मौत

रुद्र प्रयाग, एजेंसी। यह देखकर बच्ची की मां और ग्रामीण गुलदार के पीछे दौड़ पड़े। इसके बाद गुलदार बच्ची को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया, लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। अगस्त्यमुनि विकासखंड के ग्राम पंचायत गहड़ में घर के आंगन में खेल रही ढाई साल की बच्ची को गुलदार उठा ले गया। यह देखकर बच्ची की मां और ग्रामीण गुलदार के पीछे दौड़ पड़े। इसके बाद गुलदार बच्ची को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया, लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

घटना बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे की है। बताया जा रहा है कि गांव में रहने वाले विनोद कुमार की ढाई साल की बेटी मिष्ठी अपने घर के आंगन में खेल रही थी। उसकी दादी कुछ दूरी पर बैठी थी, जबकि मां अपने चार माह के बेटे के साथ कमरे में थी। इसी दौरान घात लगाकर बैठे गुलदार ने मिष्ठी पर हमला कर दिया और उसे जबड़े में दबाकर वहां से भागने लगा।

रुद्रनाथ धाम के कपाट 18 अक्टूबर को शीतकाल के लिए हो जाएंगे बंद, पुजारियों ने बैठक में तय की तिथि

चमोली, एजेंसी।
उच्च हिमालय में स्थित श्री चर्तुथ केदार रुद्रनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए 18 अक्टूबर 2023 को ब्रह्म मुहूर्त में विधि-विधान पूजा उपरान्त बन्द कर दिए जायेंगे। छह माह शीतकाल में भगवान की पूजा देव ऋषि, वन देवताओं द्वारा की जायेगी।

भगवान की चल विग्रह, डोली मन्दिर से प्रस्थान कर रात्रि प्रवास हेतु मौलीखर्क पहुंचेगी। 19 अक्टूबर को सुबह के समय डोली प्रस्थान कर पुत्रं कुग्याल, चन्द्राकोटी से गुजर कर राजभोग ज्वाला देवी मन्दिर सगर में लगाया जायेगा।

ग्रामवासियों द्वारा फूल-मालाओं से डोली का भव्य स्वागत कर पूजा अर्चना की जायेगी। उसके बाद गांव से विदा होकर डोली रात्रि प्रवास के लिए नन्दा देवी मन्दिर गंगोल गांव में पहुंचेगी। 20 अक्टूबर को राजभोग के बाद डोली गांव से विदा होकर पेट्रोल पम्प, गणेश मन्दिर, बस स्टैण्ड से होते हुए गोपीनाथ मन्दिर पहुंचेगी। इसके बाद डोली का स्वागत सत्कार होगा और यह गोपीनाथ मन्दिर गर्भगृह में विराजमान हो जायेगी।

भगवान श्री रुद्रनाथ मन्दिर के पुजारी जनदिन प्रसाद तिवाड़ी व हक हककु धारी सत्येन्द्र रावत ने अवगत किया कि इस पुण्य कार्य में सहभागी बनकर पुण्य भगवान के दर्शनाधि अधिक लोग सम्मिलित होंगे।

संदिग्ध हालत में स्टेनो की मौत

खटीमा, एजेंसी। क्षेत्र के न्यायालय में स्टेनो के पद पर कार्यरत एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मूल रूप से नजरौंदा, देहरादून निवासी रजनीश भट्ट (35) खटीमा न्यायालय में स्टेनो के पद पर तैनात थे। वह सितारगंज रोड स्थित द्वारका कॉलोनी में किराये पर रहते थे। बताया गया कि उनकी पत्नी घर पर नहीं थी। छुट्टी होने पर मंगलवार शाम वह न्यायालय से घर की ओर निकल गए। देर शाम करीब सात बजे आसपास के लोगों ने उन्हें घर में बेहोशी की हालत में पड़ा देख तुरंत उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया लेकिन हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार कर चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

रजनीश के साथ गए लोगों ने बताया कि सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी ले जाते समय रजनीश की रास्ते में ही मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना रजनीश के परिजनों को दी गई। स्वजनों के हल्द्वानी पहुंचने पर बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। स्वजन शव लेकर अपने मूल निवास देहरादून चले गए। रजनीश की शादी इसी साल फरवरी में चंपावत निवासी युवती से हुई थी। पुलिस ने जहर खाने की आशंका जताई है।

नगरवासी वाहन चालक मदन गोपाल शर्मा (58) की मंगलवार को अपने घर में छत के मलबे की चपेट में आकर मौत हो गई थी। सीओ भूपेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद थाना पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। बुधवार दोपहर बाद केलाखेड़ा के श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। आरएसआई खुशाल सिंह ने भी मौका मुआयना किया।

कुत्तों के आतंक पर हाईकोर्ट की फटकार के बाद एक्शन में पालिका, पंजीकरण व लाइसेंस न होने पर होगी कानूनी कार्रवाई

नैनीताल, एजेंसी।
सरोवर नगरी में आवारा कुत्तों, बंदर के बढ़ते आतंक से हर गली मोहल्ला त्रस्त है। माल रोड से लेकर हर सड़क के चुनिंदा स्थानों पर आवारा कुत्तों के झुंड आराम फरमाते, वाहनों के पीछे भागते, लोगों पर झपटते देखे जा सकते हैं। स्कूली बच्चों के लिए पैदल रास्तों पर अकेले गुजरना खतरे से खाली नहीं है। महिलाएं इस आतंक के कारण घर से बाजार पैदल जाने से डरती हैं।

लोगों की मांग के बाद भी पालिका हरकत में नहीं आई तो अब हाई कोर्ट ने पालिका प्रशासन को आतंक से निजात दिलाने को जारी निर्देश का अनुपालन न करने पर अधिशासी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में तलब किया है। कोर्ट के सख्त रुख के बाद पालिका एक्शन में आ गई और सार्वजनिक नोटिस जारी कर दिया।

अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने जारी नोटिस में बताया है कि पालिका ने (एचएसआई) ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल संस्था के माध्यम से बेसहारा व पालतू श्वान के टीकाकरण व बधियाकरण का अभियान चलाया जा रहा है। नगर के अधिकांश बेसहारा कुत्तों का बधियाकरण किया जा चुका है।

उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अनुपालन में आवारा, पालतू श्वान (कुत्ता) पशुओं के प्रजनन पर रोक लगाते हुए पालतू कुत्तों का टीकाकरण, बधियाकरण करवाना तथा पंजीकरण, लाइसेंस बनवाना आवश्यक है। श्वान स्वामियों को चेतावनी दी है कि अगर बिना पंजीकरण या लाइसेंस के कोई पालतू कुत्ता पाए जाने की दशा में पशु स्वामी के विरुद्ध वैधानिक व चालानी कार्रवाई की जाएगी। टोल फ्री नंबर जारी पालिका ने पशु स्वामियों से अनुरोध किया है कि पालतू श्वानों का नगर पालिका के लाइसेंस अनुभाग में संपर्क कर निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद पंजीकरण कर लाइसेंस बनवाएं। साथ ही अपने पालतू श्वान का टीकाकरण व बधियाकरण एबीसी सेंटर अंडा मार्केट नैनीताल की पशु हेल्पलाइन नंबर 9027849063 पर कार्य दिवसों में समय सुबह 10 बजे से अपराह्न दो बजे तथा अपराह्न तीन बजे से शाम सात बजे तक संपर्क कर सकते हैं। सख्ती के बाद पालिका ने भी कदम तेज किए तो अब तक 130 पालतू कुत्तों के लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम ने ग्राहक व आरोपित प्रेमी जोड़े को रंगेहाथ दबोचा

हरिद्वार, एजेंसी।
दिल्ली से हरिद्वार आकर जिस्मफरोशी का धंधा चला रहे एक प्रेमी जोड़े को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल व ज्वालापुर कोतवाली की पुलिस टीम ने रंगेहाथ पकड़ लिया। उनके साथ एक ग्राहक को भी दबोच लिया गया। युवती मूल रूप से नेपाल की निवासी हैं और दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहते आ रहे हैं।

पड़ताल में सामने आया है कि आनलाइन बुकिंग के बाद प्रेमिका ही ग्राहकों के साथ जाती थी। दिल्ली की कई काल गर्ल भी उनके संपर्क में थी। आरोपित प्रेमी जोड़े और ग्राहक को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि शहरी क्षेत्र में पिछले कुछ समय से अनैतिक देह व्यापार की सूचना मिल रही थी। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल की टीम को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। मुखबिर से अहम सूचना मिलने पर धरपकड़ के लिए जाल बिछाया गया।

सीओ ज्वालापुर निहारिका सेमवाल के नेतृत्व में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल प्रभारी राकेंद्र कठैत व ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा की टीम ने पुराना रानीपुर मोड से चंद कदम की दूरी पर टिबड़ी अंडरपास के निकट ग्राहक से डील कर रहे युगल को पकड़ लिया। कोतवाली लाकर की गई पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम अमन राय निवासी महिला कालोनी गांधीनगर, नई दिल्ली बताया। उसकी प्रेमिका मूल रूप से नेपाल मूल की निवासी है और दिल्ली में चोर मार्किट आनंद विहार, पुरानी दिल्ली में रहती है।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि दोनों लिव इन रिलेशनशिप में हैं और काफी दिन से ज्वालापुर क्षेत्र में किराये का मकान लेकर रहते आ रहे थे। जबकि पकड़े गए ग्राहक की पहचान आदिल मलिक निवासी किशन कुंज लक्ष्मी नगर, दिल्ली के रूप में हुई। पूछताछ में सामने आया है कि अमन राय ही अपनी प्रेमिका से जिस्मफरोशी कराता था। आरोपितों के खिलाफ देह व्यापार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सीओ ज्वालापुर निहारिका सेमवाल ने बताया कि प्रेमी युगल जस्ट डायल के माध्यम से ग्राहक से संपर्क साधते थे। युवती के संपर्क में दिल्ली एनसीआर की कई अन्य युवतियां भी थी, जिनके फोटोग्राफ उसके मोबाइल फोन में मिले हैं। जबकि हरिद्वार के आसपास के कई ग्राहकों का भी पता चला है। पूछताछ में युगल ने कबूला कि कम समय में अधिक रकम कमाने के लालच में इस धंधे में उतर गए थे।

पिछले दिनों मानव तस्करी निरोधक दस्ते ने प्रयागराज की दो सगी बहनों को मुक्त कराते हुए कई आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में मास्टरमाइंड की पत्नी पूजा की तलाश में पुलिस टीम अभी भी जुटी हुई है।

दहेज में पांच लाख और कार न देने पर पीटा

रूड़की, एजेंसी। डीजीपी के आदेश पर पुलिस ने दहेज के लिए विवाहिता से मारपीट और घर से निकालने के मामले में पति समेत पांच पर केस दर्ज कर लिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

मंगलौर के मोहल्ला लालबाड़ी निवासी खुशनसीब ने डीजीपी से शिकायत कर बताया था कि उसकी शादी पिछले साल उस्मान निवासी मोहल्ला इमामबाड़ा, ज्वालापुर के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए परेशान करने लगे थे। साथ ही मायके से दहेज में पांच लाख की नकदी और एक ऑल्टो कार लाने का दबाव बनाने लगा।

आरोप है कि विरोध करने पर ससुराल वाले आए दिन मारपीट करने लगे। विवाहिता ने मामले की शिकायत मंगलौर पुलिस से की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब डीजीपी ने पुलिस को मामले में केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। विवाहिता के पति उसमान समेत महमूद, उसमानी निवासी मोहल्ला इमामबाडा सराय, ज्वालापुर, सारीन और नौशाद निवासी ग्राम टांडा भनेड़ा, मंगलौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पत्ती लपेटक रोग ने बढ़ाई चिंता; उत्तराखंड में किसानों की सैकड़ों बीघा धान की फसल बर्बाद

डोईवाला, एजेंसी।
डोईवाला विधानसभा के अंतर्गत रायपुर प्रखंड के विभिन्न गांव में धान की सैकड़ो बीघा धान की फसल पत्ती लपेटक रोग व झुलसा रोग के चलते बर्बाद हो गई। परंतु जिम्मेदार कृषि विभाग के अधिकारी अपने कार्यालय से बाहर नहीं आ पा रहे।

जिससे कि समय रहते किसानों को फसल बचाने का ना ही समुचित उपचार मिल पाया और ना ही किसी प्रकार की सरकारी मदद किसानों को मिल पाई है। जिससे किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है।

सरकार लगातार किसानो की आय दोगुनी करने की बात तो करती है। परंतु उसके जिम्मेदार अधिकारी सरकार की साख पर बट्टा लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। यदि समय से किसानों को इस बीमारी के प्रति जागरूक कर दिया जाता और समुचित दवाइयां उन्हें उपलब्ध कराई जाती तो किसानों की मेहनत की कमाई बच जाती।

सामाजिक कार्यकर्ता रमेश सोलंकी ने बताया कि कृषि विभाग अपने कार्यालय से बाहर आने को तैयार नहीं है। किसानों को समुचित जानकारी यदि समय से दी जाती तो किसानों की फसले बच सकती थी। गुदियावाला के किसान रघुवीर पवार, रामनगर डांडा के किसान दीपक राठौर ने बताया कि पत्ती लपेटक रोग के चलते उनकी धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है।

वायु प्रदूषण के खिलाफ जंग में दिल्ली तैयार, केजरीवाल ने किया 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान का एलान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केजरीवाल ने सर्दी के मौसम में दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए शुक्रवार को 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की। दिल्ली सरकार सख्ती से इसे लागू करेगी, ताकि ठंड के मौसम में दिल्लीवालों को प्रदूषण की समस्या से बचाया जा सके। सीएम ने कहा कि पिछले कुछ सालों में दिल्लीवासियों की मेहनत से प्रदूषण के स्तर में करीब 30 फीसद की कमी आई है। प्रदूषण के खिलाफ इस जंग में इस बार फिर से दिल्ली तैयार है और दिल्ली सरकार का विंटर एक्शन प्लान भी तैयार है। सीएम ने बताया कि विंटर एक्शन प्लान के तहत दिल्ली में चिंहित 13 हॉटस्पॉट के लिए अलग-अलग एक्शन प्लान बनाया गया है। इस बार दिल्ली के 5 हजार एकड़ से अधिक खेतों में बॉयो डी-कंपोजर का निःशुल्क छिड़काव किया जाएगा। निर्माण साइटों पर कड़ी नजर रहेगी, एंटी डस्ट मशीनों का इस्तेमाल करेंगे और वाहन प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ खुले में कूड़ा जलाने पर रोक रहेगी। वहीं, प्रदूषण बढ़ने पर सख्ती से ग्रैप को लागू किया जाएगा और पडोसी राज्यों के साथ मिलकर काम करेंगे। दूसरे राज्यों में विकास की गतिविधियां बढ़ने के साथ प्रदूषण भी बढ़ा है, लेकिन दिल्ली में कमी आई है केजरीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता कर दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद दिल्ली के दो करोड़ लोगों, अलग-अलग सरकारी एजेंसी और केंद्र सरकार के साथ मिलकर बहुत सारे कदम उठाए गए हैं, जिसकी वजह से दिल्ली में पिछले 8 सालों में प्रदूषण में काफी कमी आई है। मैं ये नहीं कहूंगा कि आज की स्थिति आदर्श स्थिति है लेकिन यह ये दिखाता है कि हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, वो रास्ता सही है। 2014 के मुकाबले आज 2023 में प्रदूषण में 30 फीसद कमी आई है। अमूमन देखने में आया है कि अन्य राज्यों या शहरों में विकास की गतिविधियों के साथ प्रदूषण बढ़ा है। लेकिन दिल्ली में 30 फीसद प्रदूषण की कमी आई है।

2016 में अच्छी हवा 109 दिन थी, अब यह 163 दिन हो गई है और सीवियर पॉल्यूशन 26 दिन होते थे, जो घटकर 6 दिन रह गए हैं- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने आंकड़ों के जरिए बताया कि 2014 में दिल्ली में पीएम-2.5 149 होता था, जबकि आज ये 103 है। इसी तरह 2014 में पीएम-10 324 होता था, आज ये 223 है। 2016 में प्रदूषण के हिसाब से 365 दिनों में 109 दिन अच्छी हवा होती थी, आज यह संख्या बढ़कर 163 हो गई है। अब साल में 136 दिन अच्छी हवा होती है। 2016 में सीवियर प्रदूषण के दिनों की संख्या 26 होते थे, अब ये घटकर केवल 6 दिन रह गए हैं। अब पूरे साल में केवल 6 दिन ही बहुत खराब होते हैं। इसी दिशा में हमने पिछले कई सालों से युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध कैंपेन चलाया। सर्दियों में प्रदूषण को कम करने की दिशा में काम करने के लिए हमने 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान बनाया है।

15 साल तक बसों की खरीद न होने से लोग निजी वाहनों पर शिफ्ट होने लगे थे, हमने बड़े स्तर पर बसें खरीदी है- अरविंद केजरीवाल

इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने पिछले 8 सालों में दिल्ली सरकार द्वारा प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी, जिनकी वजह से दिल्ली में 30 फीसद तक प्रदूषण को कम करने में मदद मिली। सीएम ने कहा कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से बसों की खरीद नहीं हुई थी। लगभग 15 साल तक दिल्ली में बसें नहीं खरीदी गई थी। इसकी वजह से दिल्ली में बसों की काफी कमी हो गई और पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम काफी खराब हो गया और लोग अपने निजी साधनों पर शिफ्ट करने लगे थे। पिछले दो-तीन सालों में हम लोगों ने बहुत बड़े स्तर पर बसें खरीदी हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक बसें भी हैं। वर्तमान में दिल्ली में आजतक के इतिहास में सबसे ज्यादा 7135 बसें सड़कों पर हैं। पहले कभी भी दिल्ली में इतनी बसें नहीं थीं। इसमें से 800 इलेक्ट्रिक बसें हैं।

दिल्ली में 2013 में 20 फीसद हरित क्षेत्र था, जो अब बढ़कर 23 फीसद हो गया है- अरविंद केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि 2020 में हमने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पॉलिसी लांच की थी। यह पॉलिसी सरकारी के साथ प्राइवेक्ट सेक्टर के लिए भी है। इस पॉलिसी की देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। आज दिल्ली के अंदर बहुत बड़े स्तर पर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स खरीदे जा रहे हैं, जो शायद पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। वर्तमान में दिल्ली में जितने नए वाहन खरीदे जाते हैं, उसमें से 17 फीसद इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे जाते हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसे-जैसे विकास होता है, वैसे-वैसे पेड़ कटते हैं, सड़कें और बिल्डिंग बनती हैं। अलग-अलग शहरों में देखा गया है कि जैसे-जैसे विकास होता है, वहां हरित क्षेत्र में कमी आती है, लेकिन दिल्ली में उल्टा हो रहा है। दिल्ली में 2013 में 20 फीसद हरित क्षेत्र था, जो अब बढ़कर 23 फीसद हो गया हैं। हरित क्षेत्र कम होने की बजाय 3 फीसद तक बढ़ा है। देश के बड़े शहरों में आज सबसे ज्यादा ग्रीन कवर दिल्ली में हैं।

दिल्ली देश का अकेला शहर है, जहां कोयला आधारित कोई थर्मल पावर प्लांट नहीं है- अरविंद केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि हमने ट्री ट्रांसप्लांटेंशन पॉलिसी बनाई थी। कई बार हमें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए पेड़ काटने की अनुमति देनी पड़ती है। कई पेड़ 100-200 साल पुराने होते हैं, ऐसे पेड़ों को अगर काट दिया जाए तो बहुत गलत है। हमने पॉलिसी के अंदर यह अनिवार्य कर दिया कि ऐसे पेड़ों को काटा नहीं जाएगा, बल्कि उन्हें जड़ों के साथ निकाल कर कहीं और ले जाकर लगा दिया जाएगा। इस पॉलिसी का भी बहुत अच्छा असर हुआ है। इसी तरह दिल्ली में स्थित दोनों थर्मल पावर प्लांट को बंद कर दिया गया। आज दिल्ली देश का अकेला शहर है, जहां पर कोयला आधारित कोई थर्मल पावर प्लांट नहीं है।

दिल्ली सरकार का 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान

1- 13 हॉटस्पॉट के लिए अलग-अलग विशेष एक्शन प्लान

सीएम अरविंद केजरीवाल ने 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान की जानकारी देते हुए कहा कि हमने दिल्ली के अंदर 13 हॉटस्पॉट चिंहित किए हैं, जहां ज्यादा प्रदूषण होता है। हर हॉटस्पॉट के लिए अलग-अलग एक्शन प्लान बनाया गया है। इसके लिए एक वॉर रूम बनाया गया है। 13 विशेष टीमें बनाई गई हैं। इन सभी हॉट स्पाट की सघन निगरानी ग्रीन वार रूम से की जाएगी।

2- पराली

सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से हमने दिल्ली के खेतों में पराली गलाने के लिए पूसा बायो-डी-कंपोजर का मुफ्त में सफलता पूर्वक छिड़काव किया है। जिसके नतीजे काफी अच्छे आए हैं। पिछले साल हमने 4400 एकड़ खेत में बायो डीकंपोजर का छिड़काव किया था। इस साल 5000 एकड़ से अधिक बासमती और गैर-बासमती कृषि भूमि पर मुफ्त में बायो-डीकंपोजर का छिड़काव किया जाएगा।

3- धूल प्रदूषण

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि धूल प्रदूषण को कम करने के लिए कई सारे कदम उठाए गए हैं। निर्माण साइट्स पर निगरानी रखने के लिए कई टीमें बनाइ गई हैं। 500 वर्गमीटर से ज्यादा वाले निर्माण साइट को डस्ट कंट्रोल करने के लिए वेब पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। वहीं, 5 हजार वर्ग मीटर से ज्यादा वाले निर्माण साइट पर एंटी स्मॉग गन लगाना अनिवार्य होगा। सड़कों पर सफाई के दौरान उड़ने वाली धूल को रोकने के लिए 82 मैकेनिकल रोड स्पीपिंग मशीन लगाई गई हैं। इसके अलावा 530 वाटर स्प्रिंक्लिंग मशीनें और 258 मोबाइल एंटी स्मॉग गन सड़कों पर पानी छिड़काव के लिए लगाई जाएंगी।

4- वाहन प्रदूषण

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वाहन से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए पीयूसी सर्टिफिकेट की जांच की जाएगी। साथ ही 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन के प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए 385 टीमें गठित की गई हैं। दिल्ली में अत्यधिक ट्रैफिक वाली 90 सड़कों की पहचान की गई है। इन सड़कों पर ट्रैफिक कम करने के लिए वैकल्पिक रूट उपलब्ध कराए जाएंगे। वैकल्पिक रूटों का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

5- खुले में कूड़ा जलाने पर रोक

दिल्ली के अंदर खुले में कूड़ा जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। इसकी निगरानी के लिए 611 टीमों टीमों का गठन किया गया है।

6- औद्योगिक प्रदूषण

सीएम ने बताया कि दिल्ली में स्थित सभी 1727 औद्योगिक इंडस्ट्रीज अब पीएनजी से संचालित होती हैं। इसकी निगरानी के लिए 66 टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें सुनिश्चित करेंगी कि ये ईकाइयां किसी भी अनधिकृत और प्रदूषणकारी ईंधन का उपयोग तो नहीं कर रही हैं। साथ ही, अवैध रूप से चल रही औद्योगिक ईकाइयों पर भी कार्रवाई करेगी।

7- ग्रीन वॉर रूम

सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक ग्रीन वॉर रूम बनाया गया है, जिसके जरिए 24 घंटे निगरानी की जाएगी। यहां सभी एजेंसियों द्वारा हर दिन की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी और अगले दिन की योजना बनाएगी।

8- ग्रीन दिल्ली एप

सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि 3 साल पहले लॉन्च किया गया ग्रीन दिल्ली एप जनता के बीच काफी लाकप्रिय रहा है। एप पर अभी तक 70,470 से अधिक शिकायतें आईं। इसमें से 63,344 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जो कि 90 फीसद है। दिल्ली के सभी लोगों से हमारी अपील है कि वे अपने मोबाइल में ग्रीन दिल्ली एप डाउनलोड करें और दिल्ली में कहीं भी प्रदूषण करने वाली गतिविधि को देखें तो ग्रीन दिल्ली एप पर सूचना अवश्य दें। हम उसपर कार्रवाई करेंगे।

ऑपरेशन विघात के तहत पुलिस ने अवैध हथियार के साथ बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

थाना सदर बाजार पुलिस ने आंख और कान योजना के सदस्य की सूचना पर, देशी पिस्तौल और दो कारतूस के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है।

पकड़ा गया आरोपी रवि उर्फ डाला है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। उत्तरी जिला एडिशनल डीसीपी मनोज कुमार मीणा ने बताया कि थाना अध्यक्ष कन्हैया लाल यादव और राहुल रोशन, (इंस्पेक्टर लॉ एंड ऑर्डर) की देखरेख में गठित टीम एएसआई जोगेंदर, एचसी महेश 27 सितम्बर को रात्रि के समय जब कुतुब चौक सदर बाजार चौक के पास पहुंची, इसी बीच, थाना सदर बाजार के एक आई एंड ईयर स्कीम के सदस्य उनसे मिले, जिन्होंने बताया कि कई आपराधिक मामलों में शामिल एक व्यक्ति क्षेत्र में घूम रहा है। अपराध करने के लिए यदि छापेमारी की जाए तो वह अवैध हथियार के साथ पकड़ा जा सकता है। टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को लाहौरी गेट कुतुब पुल से कुतुब चौक, सदर बाजार की ओर आते देखा। जिसने पुलिस टीम को देखकर यू-टर्न लेकर तेज कदमों से मौके से भागने की कोशिश की। हालांकि, संदिग्ध का पीछा किया गया और कुछ दूरी के बाद उसे पकड़ लिया गया। पकड़ा गया संदिग्ध पुलिस टीम को इलाके में अपनी मौजूदगी के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसकी निशानदेही पर उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल सहित दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

केंद्र व आप सरकार स्वास्थ्य कल्याण योजनाओं के तहत सुविधाएं पाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उच्च न्यायालय ने केंद्र और आप सरकार से कहा है कि वे स्वास्थ्य कल्याण योजनाओं के तहत सुविधाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करें। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लोगों द्वारा इस तरह की सुविधाओं को हासिल करने की राह में आ रही अड़चनों पर गौर करने के दौरान अदालत ने यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने मौजूदा व्यवस्था की खामियों को दूर करने के लिए दिल्ली के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया है।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने कहा, ह्यह्लमुफ्त चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाना चाहिए, जिसमें विभिन्न सर्जरी के साथ-साथ प्रत्यारोपण/उपकरण से जुड़ी सर्जरी भी शामिल है। दिल्ली के प्रत्येक अस्पताल मं नामित नोडल अधिकारियों के साथ एकल-खिड़की तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली आरोग्य कोष और दिल्ली आरोग्य निधि योजनाएं बनाई हैं और इन पहलों को शहर के निवासियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से सहायक कार्यक्रमों द्वारा पूरक बनाया गया है।

इसी तरह, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आरोग्य निधि और स्वास्थ्य मंत्री विवेकाधीन अनुदान जैसी योजनाएं शुरू की हैं। पीठ ने कहा, ह्यह्लइसके बावजूद, हमें उन बाधाओं से अवगत कराया गया है जिनका सामना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को योजना का लाभ लेने के प्रयास के समय करना पड़ रहा है। ये बाधाएं कई स्तरों- इलाज के दौरान, वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करने में, प्रत्यारोपण से संबंधित खरीदारी में, राशि वितरण की प्रक्रिया में और जारी चिकित्सा प्रक्रिया (जिसमें सर्जरी भी शामिल है) के दौरान दिखती हैं। इस मामले में अदालत की सहायता के लिए न्यायमित्र नियुक्त किये गये अधिवक्ता टी सिंहदेव ने एक ज्ञापन सौंपा है जिसमें उन समस्यों का जिक्र किया गया है जिनका सामना वित्तीय सहायता प्राप्त करने का प्रयास कर रहे गरीब मरीजों को करना पड़ता है। प्रक्रियात्मक बाधाओं को ध्यान में रखते हुए अदालत ने कहा कि इन योजनाओं के तहत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया को काफी सुव्यवस्थित और आसानी से सुलभ बनाया जाना चाहिए। समिति में मुख्य सचिव के अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव, दिल्ली नगर निगम के आयुक्त और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा नामित सदस्य शामिल होंगे। अदालत ने कहा कि समिति विशिष्ट पद्धति का सुझाव दे सकती है जिसके तहत ईडब्ल्यूएस श्रेणी के रोगियों को वित्तीय सहायता वितरित होने तक उपचार/दवाओं का लाभ मिलता रहेगा और इसमें अंतिम उपचार या सर्जरी होने तक दर्द और पीड़ा को कम करने के लिए विभिन्न अस्पतालों में ह्यस्टॉप-गैप व्यवस्थाह्ल भी शामिल हो सकती है। शुरू में, एकल न्यायाधीश की पीठ के समक्ष उस व्यक्ति ने याचिका दाखिल की थी जिसके घुटने और कूल्हे का प्रत्यारोपण सर्जरी करने से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने यह कहकर इनकार कर दिया था कि वह इलाज का खर्च उठाने में अक्षम है। हालांकि, अस्पताल बाद में सर्जरी करने पर राजी हो गया और उस व्यक्ति ने अपनी याचिका वापस ले ली। लेकिन एकल न्यायाधीश वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने भले ही याचिका वापस लेने की इच्छा व्यक्त की है, लेकिन इस मामले के तथ्य समाज में हाशिये पर रह रहे मरीजों के लिए गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय देखभाल की उपलब्धता को लेकर अहम मुद्दे सामने लाती है। एकल पीठ ने इस याचिका को जनहित याचिका के रूप में पुनवर्गीकृत करते हुए कहा कि इस पर एक खंडपीठ फैसला करेगी।

डेंगू से निपटने में नाकाम साबित हो रही है नगर निगम और सरकार : संदीप कपूर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में डेंगू के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। नगर निगम और सरकार के पास पूरे आंकड़े भीं नही है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ निगम पार्षद संदीप कपूर का। संदीप कपूर कहते हैं इसे दिल्ली सरकार तथा दिल्ली नगर की लापरवाही ही कहा जाएगा। संदीप कपूर कहते हैं सरकारी आंकड़ो के मुताबिक ही इस समय डेंगू के करीब तीन हजार मामले है और संदिग्ध मामलो की संख्या पांच हजार से अधिक है। दूसरी और नगर निगम की ओर से घरों में दवा डालने तथा गलियों में नालियों में दवा डालने के साथ-साथ मच्छर प्रजनन रोकने के ठोस उपाय भी पर्याप्त मात्रा में नहीं किये जा रहे। संदीप कपूर कहते हैं इस समय सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं है वो चाहे अस्पतालों में मरीजों की दवा मिलने की हो या मच्छरों की दवा छिड़काव की कुछ भी नियमित तथा सुचारू रूप से नहीं किया जा रहा है।

घर बैठे कमाई की दिखाई लालच, दिल्ली में एक युवक से ठग लिए 14 लाख रुपये

नई दिल्ली। छतरपुर इलाके में ऑनलाइन टास्क पूरा करने से लाभ कमाने के नाम पर एक युवक के साथ 14 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने पीड़ित को प्रीपेड टास्क पूरा करने के नाम पर धीरे-धीरे उसके साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

पैसा वापस मांगने पर ठगों ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पीड़ित द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर व बैंक खातों की जानकारी जुटाने में लगी है। मिली जानकारी के मुताबिक, विजय झा, छतरपुर इलाके में स्वजन के साथ रहते हैं। विजय के पास मोबाइल पर एक कॉल आया।

कॉलर ने उन्हें बताया कि वह ऑनलाइन घर से काम कर अच्छे पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए ठगों ने उन्हें कई टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ने के लिंक भेजे और विजय उन ग्रुप से जुड़ गए। इसके बाद उन्हें ऑनलाइन टास्क पूरे करने के लिए दिए जाने लगे। कुछ दिन काम करने के बाद उन्हें बताया गया कि उनके क्रेडिट अकाउंट में काफी पैसे जमा हो गया है।

पैसों को क्रेडिट कराने के लिए ठगों ने उन्हें एक लिंक भेजकर अपना अकाउंट खोलने के लिए कहा। विजय ने लिंक पर क्लिक कर अपने अकाउंट की डिटेल डाल दी। इसके बाद उनके अकाउंट से 14 लाख रुपए कट गए। विजय ने ठगों को फोन कर पैसे वापस मांगे तो ठगों ने पैसे अकाउंट में वापस आने की बात कही। साथ ही उनकी कमाई हुई राशि भी उनके खाते में भेजने की बात कही।इसके बाद भी कई दिनों तक अकाउंट में पैसे वापस नहीं आए। उन्होंने ठगों को कॉल किया तो ठगों ने अपना फोन बंद कर लिया। ठगी का एहसास होने पर विजय ने मामले की सूचना साइबर थाना पुलिस को दी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बाल कलाकारों द्वारा धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता आयोजित : अशोक जैन

नई दिल्ली। वर्तमान समय में देश की कला एवं संस्कृति पर पश्चिमी सभ्यता हावी होती जा रही है अतः कला एवं संस्कृति को संजोए रखने के उद्देश्य से अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद द्वारा बाल कलाकार धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि निगम पार्षदा अलका राघव ने कहा कि जैन धर्म में क्षमावाणी का बहुत महत्व है इससे मन के सभी विकारों को दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन ने की। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, लक्ष्मी नगर में आयोजित 21वीं वार्षिक भव्य नृत्य प्रतियोगिता में 21 बाल कलाकारों ने अपनी परंपरागत वेशभूषा में अपनी अनूठी कला का प्रदर्शन कर सभी उपस्थित कला प्रेमियों का मन मोह लिया तथा नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों को अपनी कला निखारने का सुअवसर मिला। दिगम्बर जैन नैतिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित पाठशाला की अध्यापिका नन्दिनी जैन व दीपा जैन स्वीटी के कुशल निर्देशन में आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में नीता, दीपा व मीनाक्षी जैन ने डिम्पल, अद्रिका व दिक्षिता जैन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय घोषित किया। सभी विजेताओं को विशेष व अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार परिषद के पदाधिकारी रविन्द्र जैन, रजत जैन फाइल वाले व परिषद की संरक्षिका सुधा गुप्ता की ओर से भेंट किए गए। मंच संचालन शुभम जैन ने किया। इस अवसर पर परिषद के सहसचिव आलोक जैन, संगठन सचिव राकेश जैन, रविन्द्र कुमार जैन, मंदिर अध्यक्ष संजय जैन, मंत्री प्रवीन जैन, राजेन्द्र प्रसाद जैन व भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित निगम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सांस्कृतिक संबंध दिलों को जोड़ने वाला होता है : अनूप लाठर

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद के सहयोग से श्री अरबिंदो कॉलेज द्वारा जी 20 के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय भारत-चीन के परस्पर मजबूत सम्बंधो की भूमिका को आधार बनाया जाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष अनूप लाठर के साथ-साथ प्रो. रविन्द्र कुमार, प्रो. निरंजन कुमार एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व पीवीसी प्रो. चिंतामणि महापात्रा वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अनूप लाठर ने अपने वक्तव्य में कहा कि चीन से हमारे सम्बन्ध बहुत पुराने हैं। पारंपरिक और व्यापारिक दोनो ही रूपों में उनसे हमारा सम्बंध हृदय, मन और आत्मा का हैं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। स्वागत वक्तव्य में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विपिन कुमार अग्रवाल ने भारत और चीन को एक साथ आने और उसके माध्यम से विश्व प्रगति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. निरंजन कुमार ने इंडस वैली सभ्यता के प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि सन्धि-पत्र स्वार्थो से प्रबल नहीं होना चाहिए, भारत-चीन का संबंध भविष्य को गति देने वाला है। प्रो. रविन्द्र कुमार ने भारत की गौरवशाली परंपरा से सीखने की बात कही। उन्होंने ज्ञान के साथ-साथ अनुभव की महत्वत्ता पर भी बल दिया। उन्होंने महाभारत के दो प्रसंगो के माध्यम से शब्दों के चयन के महत्व पर भी जोर दिया। मुख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने कहा कि चीन की शैक्षणिक संस्थाओं के पास अनेकों विचार है, परंतु प्राचीन भारतीय पौराणिक ग्रंथों में ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की वह सूचनाएँ पहले से विद्यमान हैं। कार्यक्रम का समापन भारत और चीन के लोकनृत्य इव गायन के साथ संपन्न हुआ।

कुलदीप भाटी ने समर्थकों के साथ की घर वापसी

नई दिल्ली। रोहताश नगर विधानसभा के जमीनी नेता कुलदीप भाटी नें अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी से नाता तोड़ते हुए कांग्रेस की सदस्यता ले ली। कुलदीप भाटी कुछ साल पहले कांग्रेस छोड़ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे। नगर निगम की टिकिट नहीं मिलने से वे आप पार्टी से नाराज चल रहे थे। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दो दर्जन से भी अधिक आम आदमी पार्टी के नेताओं व पदाधिकारियों ने कुलदीप भाटी के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली की मौजूदगी में आज सैंकड़ों समर्थकों ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। आप छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए प्रमुख लोगो में दिवेश पारस, महेंद्र कुमार, सलीम भी शामिल हैं। इस मौके पर राजीव भवन में आयोजित एक सभा में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, भीष्म शर्मा, विपिन शर्मा, निगम में सदन के पूर्व नेता जितेन्द्र कुमार कोचर व पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित मलिक आदि भी मौजूद थे। ज्ञातव्य है कि श्री लवली ने दिल्ली के पार्टी छोड़ कर गए तमाम नेताओं से अपील की थी कि वो पुनः कांग्रेस परिवार में शामिल हों। उसी कड़ी में आज यह कार्यक्रम हुआ, जो लगातार जारी रहेगा। मंच का संचालन कांग्रेस नेता दीपक वशिष्ठ ने किया। इस मौके पर ठाकुर जगतपाल, गुजर समाज के अध्यक्ष जगबीर चौधरी, सतपाल पहलवान, सुशील तिवारी आदि भी शामिल थे। श्री लवली ने इस मौके पर आम आदमी पार्टी से आए कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दोनो ही दलों ने दिल्ली को न केवल ठगा है बल्कि दिल्ली के विकास में दोनो दलों की रुचि नही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आए दिन भाजपा व आप पार्टी के झगड़े से दिल्ली के विकास में न केवल रुकावट आई है बल्कि बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट भी रुके हुए है। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा का एजेंडा केवल समाज में नफरत फैलाना है, वहीं दूसरी ओर दिल्ली सरकार विकास कार्य न होने का ठीकरा भाजपा पर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है, जिसको दिल्ली की जनता सहन नही करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस कार्यकताओं में नया जोश है और कार्यकर्ता आम जनता के बीच पहुंच रहे हैं। श्री लवली ने शामिल होने वाले सभी नेताओं व कार्यकताओं को तिरंगे पटके पहना कर फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक मुकेश शर्मा ने इस मौके पर कहा कि समस्त दिल्ली से 100 से ज्यादा दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़े व मौजूदा दोनो दलों के पदाधिकारी, पूर्व पार्षद व कुछ मौजूदा चुने हुए प्रतिनिधि कांग्रेस पार्टी में शामिल होना चाहते है, जिनसे लगातार उस क्षेत्र के सम्मानित नेता उनके सम्पर्क में है। पार्टी जल्दबाजी में कोई कदम नही उठा रही है। पार्टी कार्यालय में आए दिन ऐसे लोगों व कार्यकताओं का तांता लगा हुआ है, जो दल में शामिल होना चाहते है। भीष्म शर्मा व विपिन शर्मा, दीपक वशिष्ठ, सतपाल पहलवान व सुशील तिवारी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर पूर्वी व पूर्वी दिल्ली कांग्रेसमय होनी शुरू हो गई है। कांग्रेस कार्यकताओं की एकजुटता भाजपा व आप पार्टी के खतरे की घंटी है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जुबेर अहमद ने हृदय से सभी आगंतुकों का पार्टी में आने पर स्वागत करते हुए कहा कि इनके आने से पार्टी मजबूत होगी।

25 करोड़ की चोरी मामले में पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता, छत्तीसगढ़ से 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के जंगपुर इलाके में स्थित ज्लेवरी शोरूम से करीब 25 करोड़ रुपये के गहने चोरी करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस ने बताया कि भोगल ज्वेलरी दुकान में चोरी मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। जानकारी के अनुसार, दुर्ग पुलिस ने शातिर चोर लोकेश को 25 किलो सोना के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को लोकेश के पास से 25 किलो सोना के अलावा नगद और अन्य जेवरात भी बरामद हुए हैं। दुर्ग पुलिस ने लोकेश को कोहका से हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरी का यह संपूर्ण माल दिल्ली में हुई चोरी का बताया जा रहा है। लोकेश की बिलासपुर एवं राजनांद गांव पुलिस को भी तलाश थी। इसके पूर्व भी लोकेश को दुर्ग पुलिस ने आकाशगंगा मे पारख ज्वेलर्स में हुई चोरी के मामले में शत प्रतिशत माल के साथ गिरफ्तार किया था। दुर्ग पुलिस आरोपित से मामले की पूछताछ कर रही है।

आरोपित से 18.5 किलो सोना बरामदः पुलिस दिल्ली के जंगपुरा के ज्लेवरी शोरूम से 25 करोड़ की चोरी करने वाला आरोपित लोकेश गिरफ्तार कर दिल्ली पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपित के पास से साढ़े 18 किलो सोना भी बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

बिलासपुर पुलिस ने इस शातिर चोर को दुर्ग पुलिस की सहयोग से स्मृति नगर के एक मकान से उसे गिरफ्तार किया, जहां वह किराए से रह रहा था। शुरूआती जांच में पता चला है कि लोकेश ने भिलाई में आखिरी बार फरवरी 2020 में आकाश गंगा स्थित पारख ज्वेलर्स में चोरी की थी।

एमपी भी भेजी गई थी टीम

जिला पुलिस से पहले क्राइम ब्रांच ने टेक्निकल जांच यानी उस इलाके के डंप डाटा से कुछ नंबर का पता लगाया जो वारदात वाली रात भोगल इलाके में पहली ब

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 30 सितंबर, 2023

जीतो अमृतकाल महोत्सव बड़ी सफलता के साथ संपन्न हुआ

- राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक भागीदारी देखी गई
- स्टार्टअप वीक में 60 से अधिक स्टार्टअप्स ने अपने विचारों का प्रदर्शन किया।
- स्किलथॉन ने 63000 से अधिक युवाओं को कौशल बढ़ाने में मदद की।
- वृक्षारोपण पहल - 1.5 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन ने 2023 में JITO अमृतकाल महोत्सव के सफल समापन के साथ भारत की आजादी का 75वां वर्ष मनाया।

उत्सव के दौरान, JITO चैप्टर, JITO लेडीज विंग और JITO यूथ विंग सामंजस्यपूर्ण सहयोग में एकजुट हुए, जो देशभक्ति की भावना और राष्ट्र-निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। जीतो के आयोजित कार्यक्रमों को निर्देशित करने वाले विविध विषयों में राष्ट्रीय योग दिवस, स्टार्टअप सप्ताह, स्किलथॉन के माध्यम से कौशल विकास, वृक्षारोपण, महिला सशक्तिकरण, रक्तदान और देशभक्ति शामिल हैं।

जीतो एपेक्स के अध्यक्ष श्री सुखराज नाहर ने कहा, जीतो अमृतकाल महोत्सव एक बड़ी सफलता रही है। गौरवशाली शताब्दी वर्ष की ओर भारत की प्रगति का छह सप्ताह तक चलने वाला उत्सव राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। यह पहल जीतो अमृतकाल महोत्सव के दौरान समग्र विकास और सामाजिक उत्थान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण दिया गया है।

नई दिल्ली में जीतो अमृतकाल महोत्सव कॉन्क्लेव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था; यह देशभक्ति से धड़कते दिलों, विचारों से भरे दिमाग और आशा से भरी आत्माओं का जमावड़ा था।

जीतो शीर्ष महासचिव, मनोज मेहता ने कहा कि जीतो अमृतकाल महोत्सव की एक प्रमुख उपलब्धि वृक्षारोपण सप्ताह था, और हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अब तक लगभग 1.5 लाख पेड़ लगाए गए हैं।

देश भर में जीतो के सभी नौ जोन, 68 चैप्टर के कुल 15,345 सदस्यों के साथ-साथ यूथ विंग और लेडीज विंग के 19000 से अधिक अतिरिक्त सदस्य जीतो अमृतकाल महोत्सव के उत्सव में योगदान देने के लिए एक साथ आए। आजादी का अमृत महोत्सव है भारत सरकार की एक पहल का उद्देश्य स्वतंत्रता के 75 वर्षों के साथ-साथ अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाना और स्मरण करना है।

जीतो के बारे में

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) दूरदर्शी जैन उद्योगपतियों, व्यापारियों और पेशेवरों का एक अद्वितीय, बहु-हितधारक समुदाय है जो बड़े पैमाने पर समुदाय और समाज के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्धता साझा करता है। संगठन का दृष्टिकोण उच्च आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने, वंचितों की देखभाल करने और हिंसा मुक्त, गरीबी मुक्त और बीमारी मुक्त दुनिया के साथ मानवता को समृद्ध करने के लिए एक विश्व स्तरीय संगठन बनना है।

25 करोड़ की चोरी मामले में पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता, छत्तीसगढ़ से 2 आरोपी गिरफ्तार

- प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ पीए केप मिश्र ने जी.20 शिखर सम्मेलन के बाद नतीजों के फॉलो अप की समीक्षा की

दिल्ली के जंगपुर इलाके में स्थित ज्वेलरी शोरूम से करीब 25 करोड़ रुपये के गहने चोरी करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस ने बताया कि भोगल ज्वेलरी दुकान में चोरी मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। जानकारी के अनुसार, दुर्ग पुलिस ने शातिर चोर लोकेश को 25 किलो सोना के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को लोकेश के पास से 25 किलो सोना के अलावा नगद और अन्य जेवरात भी बरामद हुए हैं। दुर्ग पुलिस ने लोकेश को कोहका से हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरी का यह संपूर्ण माल दिल्ली में हुई चोरी का बताया जा रहा है। लोकेश की बिलासपुर एवं राजनांद गांव पुलिस को भी तलाश थी। इसके पूर्व भी लोकेश को दुर्ग पुलिस ने आकाशगंगा मे पारख ज्वेलर्स में हुई चोरी के मामले में शत प्रतिशत माल के साथ गिरफ्तार किया था। दुर्ग पुलिस आरोपित से मामले की पूछताछ कर रही है।

आरोपित से 18.5 किलो सोना बरामदः पुलिस

दिल्ली के जंगपुरा के ज्लेवरी शोरूम से 25 करोड़ की चोरी करने वाला आरोपित लोकेश गिरफ्तार कर दिल्ली पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपित के पास से साढ़े 18 किलो सोना भी बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

बिलासपुर पुलिस ने इस शातिर चोर को दुर्ग पुलिस की सहयोग से स्मृति नगर के एक मकान से उसे गिरफ्तार किया, जहां वह किराए से रह रहा था। शुरूआती जांच में पता चला है कि लोकेश ने भिलाई में आखिरी बार फरवरी 2020 में आकाश गंगा स्थित पारख ज्वेलर्स में चोरी की थी।

एमपी भी भेजी गई थी टीम

जिला पुलिस से पहले क्राइम ब्रांच ने टेक्निकल जांच यानी उस इलाके के डंप डाटा से कुछ नंबर का पता लगाया जो वारदात वाली रात भोगल इलाके में पहली बार इस्तेमाल हुआ था। उस नंबर के आधार पर क्राइम ब्रांच की तीन टीम की तीन जगहों पर भेजा गया।

ऐसा इसलिए की ये लोग बार-बार जगह बदल रहे थे। एक टीम को सागर एमपी भेजा गया था। दूसरे को कवारदा

दिल्ली आभूषण की दुकान में डकैतीः छत्तीसगढ़ से दो लोग गिरफ्तार, 18.5 किलोग्राम आभूषण बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी के भोगल इलाके में आभूषण की एक दुकान से 20 करोड़ रुपये की डकैती के मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने बिलासपुर से दो लोगों को हिरासत में लिया है और उनके पास से सोने और हीरों के करीब 18.5 किलोग्राम आभूषण बरामद किए गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि अपराध निरोधक तथा साइबर इकाई और बिलासपुर जिले में सिविल लाइन पुलिस थाने के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने बिलासपुर शहर में चोरी की कई घटनाओं की जांच के दौरान यह अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लोकेश श्रीवास और शिवा चंद्रवंशी के तौर पर की गई है। लोकेश बिलासपुर में कथित तौर पर चोरी के सात मामलों में संलिप्त है। उन्होंने बताया कि श्रीवास के, छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कवर्धा शहर में मौजूद होने की गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने बुधवार को वहां छापा मारा और चंद्रवंशी को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 23 लाख रुपये कीमत के आभूषण बरामद किए। सिंह ने कहा कि इस बीच श्रीवास फरार हो गया।

उन्होंने बताया कि टीम ने इसके बाद श्रीवास को दुर्ग जिले के स्मृतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक घर में पकड़ा और उसके पास से 18.5 किलोग्राम सोने और हीरे के आभूषण तथा 12.5 लाख रुपये नकद बरामद किए। उन्होंने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि आभूषण नई दिल्ली में एक दुकान से चुराए गए थे। दिल्ली पुलिस की एक टीम भी छत्तीसगढ़ पहुंची और आगे की जांच चल रही है। दिल्ली में आभूषण की दुकान के मालिक महावीर प्रसाद जैन ने संवाददाताओं को बताया, हम पुलिस के शुक्रगुजार हैं। हमने बरामद की गई वस्तुओं की तस्वीरें देखी हैं और आभूषण में लगे टैग से उनकी पहचान की है। हम गिरफ्तार किए गए लोगों को नहीं जानते।दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दिल्ली में डकैती की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक इस वारदात में कम से कम तीन अज्ञात लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि आरोपी इस सप्ताह की शुरूआत में दुकान में घुसे, स्ट्रॉन्ग रूम में छेद किया और 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आभूषणों के साथ-साथ पांच लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार दक्षिण दिल्ली के भोगल में उमराव सिंह ज्वैलर्स नाम की दुकान में कई सीसीटीवी कैमरे लगे थे, लेकिन रविवार आधी रात के आसपास उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। पुलिस ने बताया कि दुकान के मालिक ने रविवार रात करीब आठ बजे दुकान बंद की थी और मंगलवार सुबह करीब 10.30 बजे फिर से दुकान खोली तो उसे घटना की जानकारी हुई। यह दुकान सोमवार को बंद रहती है।

पॉलीकैब इंडिया की अब एक नई ब्रांड पहचान - आइडियाज.कनैक्टेड

- कंपनी ने अपनाया एक नया लोगो, एक नवीनीकृत ब्रांड परिभाषा और लॉन्च किया एक नया टीवी कमर्शियल, जो ब्रांड की नई पहचान को दशार्ता है

नोएडा - भारत की सबसे बड़ी वायर और केबल निमार्ता और सबसे तेजी से बढ़ती एफएमईजी कंपनियों में से एक पॉलीकैब इंडिया ने अपनी एकदम नई ब्रांड पहचान को लॉन्च किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी नई फिलॉस्फी का भी खुलासा किया है। नई ब्रांड पहचान और नई फिलॉस्फी में कंपनी का भविष्य का बिजनेस रोडमैप झलकता है। प्रोजेक्ट लीप के तहत पॉलीकैब एक उल्लेखनीय परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। तारों और केबलों के निर्माण में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध होने के बावजूद, पॉलीकैब आधुनिक जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और सस्टेनेबल बनाने के लिए बेहतर इलेक्ट्रिक सॉल्यूशंस की एक व्यापक रेंज पेश करने का प्रयास कर रही है। खास बात यह है कि इस दिशा में कंपनी लगातार अपने क्षितिज का विस्तार करने की दिशा में जुटी हुई है।

कंपनी की रीब्रांडिंग सिर्फ विजुअल आइडेंटिटी या ब्रांड आर्किटेक्चर में बदलाव नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी फिलॉस्फी है, जो इनोवेशन, टैक्नोलॉजी, सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी के प्रति पॉलीकैब की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इन सबसे ऊपर है ब्रांड का उद्देश्य यानी ह्यसभी को एक उज्जवल भविष्य से जोड़ना। ब्रांड की यह नई विचारधारा दरअसल इलेक्ट्रिक सॉल्यूशंस मार्केट में ग्राहकों की पसंद का अग्रणी ब्रांड बनने के पॉलीकैब के विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ब्रांड रिफ्रेश की कल्पना और डिजाइन इंटरब्रांड ने की है। नई विजुअल पहचान भोर के रंगों को दशार्ती है, जो नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए पॉलीकैब की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। साथ ही इसमें उगते सूरज की झलक नजर आती है और कंपनी के अभिनव दृश्य प्रतीक में पॉलीकैब नाम में एक प्रमुख ध्वनि ह्यओह्न अक्षर को शामिल करके एक उज्जवल भविष्य की ओर सभी को एकजुट करने के विजन को दशार्या गया है। तीन रंग लाल, नीला और बैंगनी क्रमशः तारों और केबलों में कंपनी की अग्रणी स्थिति, एफएमईजी श्रेणी के माध्यम से ग्राहकों के साथ कनेक्शन और इसकी भविष्य की तैयारी का प्रतीक हैं। इस नई पहचान को अपनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य संगठन के मूल मूल्यों को बनाए रखते हुए ब्रांड को अधिक आधुनिक, समकालीन और ग्राहकों के लिए भरोसेमंद बनाना है।

हर किसी को उज्जवल भविष्य से जुड़ने में मदद करने के लिए इनोवेशन की शक्ति का इस्तेमाल करने के अपने ब्रांड विजन के अनुरूप, पॉलीकैब ने एक दूरंदेशी ब्रांड लाइन पेश की है, जो कंपनी की मौजूदा टैगलाइन ह्यकनेक्शन जिंदगी का के अनुरूप आगे बढ़ते हुए ह्यआइडियाज. कनैक्टेडह्न के रूप में कंपनी के विकास को दशार्ती है।

कंपनी की नई ब्रांड पहचान को लॉन्च करते हुए, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री इंदर जयसिंघानी ने कहा, हमारी अब तक की शानदार यात्रा को देखकर हमें गर्व का अहसास होता है। हमारी यह यात्रा अनेक उतार-चढ़ाव से गुजरी है और एकल इलेक्ट्रिकल स्टोर के रूप में शुरूआत करते हुए आज हम वायर्स और केबल्स मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी बन गए हैं। हमने हमेशा माना है कि बाजार में कायम रहने के लिए विकास बहुत जरूरी है और इसलिए हम अपने ग्राहकों को भविष्य के समाधान पेश करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। हम इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी के साथ ग्राहकों को केंद्र में रखते हैं और इसी आधार पर यहां तक पहुंचे हैं। और अब, यह नई ब्रांड पहचान हमारे इन्हीं मूल स्तंभों को दशार्ती है।

नोएडा पुलिसकर्मियों की दिलेरी ; भारी भरकम अजगर को किया काबू

नोएडा, 29 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर शुक्रवार को तड़के उस समय हड़कंप मच गया जब वहां खड़े एक ट्रक के केबिन से करीब 60 किलोग्राम वजनी भारी भरकम अजगर निकला। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अजगर को देखकर ट्रक के चालक रामबाबू और खलासी रवि ट्रक से कूद कर भाग गए। यह ट्रक दिल्ली के नरेला से प्लास्टिक का दाना भरकर ग्रेटर नोएडा के कासाना स्थित एक फैक्ट्री में जा रहा था।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने अजगर को रस्सी के सहारे किसी तरह से ट्रक के केबिन से बाहर निकला। पुलिस अजगर को एक बोरे में भरने की कोशिश कर रही थी, लेकिन ट्रक के केबिन से निकलते ही अजगर सड़क पर खड़ी एक मोटरसाइकिल में जा घुसा।

परी चौक के चौकी प्रभारी देवेंद्र राठी ने बताया कि वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने अजगर के पिछले हिस्से पर रस्सी बांधी तथा उसे खींच कर मोटरसाइकिल से बाहर निकालने का प्रयास किया ,लेकिन रस्सी बार-बार फिसल रही थी।

उन्होंने बताया कि अजगर पूरी तरह मोटरसाइकिल पर लपेटा लगाते हुए उसके हैंडल पर जा पहुंचा तथा उसने अपना फन फैला दिया। चौकी प्रभारी देवेंद्र राठी ने बताया कि पुलिस टीम ने हिम्मत नहीं हारी तथा उन्होंने अजगर के ऊपर तोलिया फेंककर यह भांपने का प्रयास किया कि वह कितनी गति से उनके ऊपर वार करता है। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने अजगर के फन पर तौलिया फेंक कर उसके मुंह को पकड़ लिया, तथा वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों की सहायता से उसे बोरे में डाल दिया गया। उन्होंने बताया कि अजगर करीब 50 से 60 किलो वजन का है।

राठी ने बताया कि यह ट्रक दिल्ली के नरेला से प्लास्टिक का दाना भरकर ग्रेटर नोएडा के कासाना स्थित एक फैक्ट्री में जा रहा था। थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने बाद में अजगर को वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया।इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ भी जमा हो गई थी।

इंडिया गठबंधन के लिए प्रतिबद्ध है आप, इससे अलग नहीं होगीः केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के लिए प्रतिबद्ध है और वह उससे अलग नहीं होगी। कांग्रेस की पंजाब इकाई ने मादक पदार्थों की तस्करी के 2015 के मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा की गिरफ्तारी के बाद, राज्य की आप सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध लेने का आरोप लगाया है। आप ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि भुलथ से विधायक के खिलाफ कार्रवाई कानून के अनुसार की गई है। इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में केजरीवाल का यह बयान मायने रखता है। केजरीवाल ने कहा, आप इंडिया गठबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। हम गठबंधन से अलग नहीं होंगे। हम गठबंधन के धर्म का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केजरीवाल ने खैरा के मामले पर कहा, मैंने इस बारे में सुना है, लेकिन मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। आपको पंजाब पुलिस से बात करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा, (पंजाब के मुख्यमंत्री) भगवंत मान की सरकार राज्य में नशीले पदार्थों की समस्या को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि इसने युवाओं को बर्बाद कर दिया है। चाहे कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो या कोई मामूली व्यक्ति हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। मैं किसी विशेष घटना पर टिप्पणी नहीं कर रहा हूं क्योंकि मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। इंडिया गठबंधन द्वारा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में किसी को पेश नहीं करने को लेकर सवाल किए जाने पर केजरीवाल ने कहा, हमें एक ऐसी प्रणाली तैयार करनी होगी ताकि 140 करोड़ भारतीयों को लगे कि वे प्रधानमंत्री हैं। हमें किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि लोगों को सशक्त करना होगा। कांग्रेस की पंजाब इकाई 2024 के आम चुनावों के लिए राज्य में सत्तारूढ़ आप के साथ किसी भी गठबंधन का पहले ही विरोध कर चुकी है।

जीएसटी घोटाले में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। देश के अलग-अलग हिस्से में 2660 फर्जी कंपनी बनाकर इन कंपनियों के नाम पर इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त कर करीब 15,000 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाला मामले में सेक्टर-20 पुलिस ने एक वांछित बदमाश को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस अब तक 24 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरीश चंदर ने बताया कि नोएडा पुलिस ने करीब तीन माह पूर्व इस मामले का पदार्फाश किया था। जांच में करीब 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का फजीर्वाड़ा सामने आया। उन्होंने बताया कि इस मामले के वांछित प्रवीन को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम था। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली के उद्यान में पेड़ से लटकता मिला व्यक्ति का शव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के द्वारका मोड़ के पास स्थित एक उद्यान में शुक्रवार को 45 वर्ष के एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं और इस संबंध में हत्या का एक मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम. हर्षवर्धन ने कहा, हमें द्वारका मोड़ के पास एक उद्यान में एक पेड़ से एक शव लटके होने की सूचना मिली। जांच से पता चला कि शरीर पर चोट के निशान हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि किसी ने व्यक्ति की हत्या करके उसके शव को पेड़ से लटका दिया। हम इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत एक मामला दर्ज कर लिया गया है।

उच्च न्यायालय ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के अनधिकृत प्रसारण पर रोक लगाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑनलाइन मंचों को आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का अनधिकृत प्रसारण करने से रोकने का आदेश दिया है। अदालत ने डिज्नी प्लस हॉटस्टार का संचालन करने वाले स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और ह्यनोवी डिजिटल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मुकदमे की सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया।

वादी ने कहा कि उनके पास विशेष वैश्विक मीडिया अधिकार हैं, जिनमें पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले विश्व कप जैसे आईसीसी के विभिन्न आयोजनों के टेलीविजन और डिजिटल अधिकार शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल आयोजनों में से एक होने के कारण इस बात की आशंका है कि बड़ी संख्या में वेबसाइट विश्व कप से जुड़ी सामग्री का अनधिकृत प्रसारण करेंगी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह ने कहा कि विश्व कप क्रिकेट मैच खासकर भारतीय उपमहाद्वीप में, निस्संदेह बेहद लोकप्रिय है और आशंका है कि अतीत में भी चोरी की सामग्री दिखा चुकीं वेबसाइट अनधिकृत स्ट्रीमिंग कर सकती हैं।

अदालत ने एक हालिया आदेश में कहा, इन उल्लंघनकर्ता वेबसाइट को वादी पक्ष की अनुमति या लाइसेंस के बिना क्रिकेट मैच कार्यक्रमों के किसी भी हिस्से का सार्वजनिक प्रसारण करने से रोकने की आवश्यकता है।

उसने कहा, इसी के अनुसार, बचाव संख्या प्रतिवादी संख्या एक से नौ (मुख्य रूप से अवैध और चोरी की सामग्री प्रसारित करने वाली वेबसाइट) को आईसीसी विश्व कप क्रिकेट मैचों के किसी भी हिस्से को इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल मंचों पर किसी भी तरह से प्रसारित करने, उसकी स्क्रीनिंग करने या उसे उपलब्ध कराने से अंतरिम आदेश के जरिए रोका जाता है। अदालत ने कहा कि यदि इस स्तर पर रोक नहीं लगाई जाती है तो इससे वादी पक्ष को अपूरणीय क्षति होगी। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को इन वेबसाइट को ब्लॉक करने एवं निलंबित करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि यदि किसी और उल्लंघनकर्ता वेबसाइट का पता चलता है, तो वादी पक्ष दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिकी मंत्रालय और इंटरनेट सेवा प्रदाता को उसकी जानकारी मुहैया करा सकता है, ताकि उसे ब्लॉक करने के आदेश दिए जा सकें।

केजरीवाल के उच्च शिक्षण संस्थानों में भी युवाओं के लिए जल्द शुरू होगा बिजनेस ब्लॉस्टर्स प्रोग्राम

कार्यक्रम के लिए इनोवेटीव सुझाव और एक्सपट्र्स से बातचीत के लिए आतिशी ने किया आईआईटी मद्रास के रिसर्च पार्क का दौरा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में एंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इस दिशा में उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के रिसर्च पार्क का दौरा किया। आईआईटीएम रिसर्च पार्क एक पारिस्थितिकी तंत्र है जहां फैकल्टी, छात्र और इंडस्ट्री एक्सपट्र्स रिसर्च व डेवलपमेंट के माध्यम से टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन और एंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने की दिशा में काम करते है।

अपने विजिट के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने रिसर्च पार्क में विभिन्न स्पेशलाइज्ड इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर्स का दौरा किया और एक्सपट्र्स के साथ चर्चा की, कि कैसे आवश्यक बदलावों के साथ दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के बीच एंत्रप्रेन्योरशिप की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, ह्लमुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार अपने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में एंत्रप्रेन्योरशिप को लेकर सकारात्मक वातावरण तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। ऐसे में आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क का आज का दौरा यह समझने का प्रयास है कि हम एंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को कैसे और बेहतर बना सकते हैं।उन्होंने कहा कि, आईआईटी मद्रास का रिसर्च पार्क मॉडल कंपनियों, संगठनों और इच्छुक उद्यमियों को विभिन्न क्षेत्रों में रिसर्च व डेवलपमेंट की दिशा में सपोर्ट करने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक बड़ी प्रेरणा के रूप में काम कर सकता है, जहां हम छात्रों के बीच एंत्रप्रेन्योरशिप की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि, ह्लकेजरीवाल सरकार का विजन दिल्ली के प्रत्येक युवा को जॉब सीकर के बजाय आत्मनिर्भर व जॉब प्रोवाइडर बनाना है ताकि वो देश से बेरोजगारी की महामारी को खत्म कर सके। ऐसे में हमने बिजनेस ब्लास्टर्स जैसे कार्यक्रमों के साथ, अपने स्कूली बच्चों को एंत्रप्रेन्योर बनने के लिए एक मंच प्रदान किया, और अब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों की बारी है। इस बाबत उच्च शिक्षा मंत्री ने विभिन्न एक्सपट्र्स से चर्चा कर यह जानने का प्रयास किया कि कैसे अपने संस्थानों में इनोवेटिव इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर सकते हैं और उन्हें सफल बना सकते हैं। आईआईटीएम रिसर्च पार्क की अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क इनक्यूबेशन सेल, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर, बैटरी इंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर,एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर, प्रवर्तक - सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन सेंसर्स, नेटवर्किंग एक्चुएटर्स, कंट्रोल सिस्टम, स्पेशलाइज्ड सेंटर ऑफ वायरलेस टेक्नोलॉजी , 5जी लैब, और नेशनल सेंटर फॉर असिस्टेंट हेल्थ टेक्नोलॉजीज का भी दौरा किया। और इन क्षेत्रों में अपने स्टार्टअप्स पर काम कर रहे एंत्रप्रेन्योर्स के साथ लंबी बातचीत की। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, 80 से अधिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट कंपनियां/संगठन आईआईटीएम रिसर्च पार्क में काम कर रहे हैं, जो ऑटो और ऑटोमोटिव एनर्जी, कम्युनिकेशन और नेटवर्क, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और डिजाइन, पावर और ऊर्जा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे है।

हार्ट रोग को लेकर बरते सावधानी : डॉ. राहुल चंदोला

नई दिल्ली। विश्व ह्रदय दिवस के अवसर पर पीएसआरआई अस्पताल के हार्ट एवं लंग रोग विशेषज्ञ व आईएचएलडी के चेयरमैन ड़ॉ राहुल चंदोला ने मोटापा, तनाव, व्यायाम का अभाव और खान पान में अनियमितता के साथ साथ मधुमेह और उच्च रक्त चाप से पीड़ित मरीजों की स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण बच्चे युवा और बुजुर्गो में हार्ट रोग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हार्ट रोगियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना चाहिए। साथ ही हार्ट रोग न हो इसके लिए समय-समय पर हार्ट की जांच जरुर कराएं। ड़ॉ राहुल चंदोला ने बताया कि इसी तरह लंग रोग के मामले ज्यादा बढ़ रहे हैं उसकी मुख्य वजह बढता वायु प्रदूषण और अत्याधिक सिगरेट के सेवन से लंग रोग के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से योग करना चाहिए। आने वाले समय में लंग रोग के मामलों में और भी इजाफा हो सकता है। इसकी वजह ये है कि बढ़ता वायु प्रदूषण। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया पीएसआरआई अस्पताल में एक ही छत के नीचे हार्ट एवं लंग के सफलता पूर्वक ट्रांसप्लांट किये जाते हैं। लंग रोग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगर सांस चलने फिरने में सांस फूलता हो उसे नजरअंदाज न करे। और छाती में दर्द के साथ वाये हाथ मे खिचाव के साथ दर्द हो और साथ ही जबड़े में दर्द हो तो उसे नजरअंदाज न करे क्योंकि ये हार्ट रोग के लक्षण हो सकते हैं।

दिल्ली के सभी गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स को खत्म करने के मिशन पर आप शासित एमसीडी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि एमसीडी, दिल्ली के सभी गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स को खत्म करने के मिशन पर है। दिल्ली की साफ-सफाई की बात करें तो सबसे महत्वपूर्ण बात यह निकलकर आई है कि लोग एक जगह पर बार-बार कूड़ा फेंकते हैं जिससे वहां कूड़े का ढेर लग जाता है। अगर हम इन गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स को खत्म करने में कामयाब हो जाते हैं तो दिल्ली से 50-60% गंदगी खत्म हो जाएगी। साफ की गई जगह का सौंदर्यीकरण करने और वहां की लगातार मॉनिटरिंग करने से वहां फिर से कूड़े का ढेर लगने से रोका जा सकता है। स्थानीय लोगों को जागरुक भी किया जाएगा कि सफाई के बाद वहां कूड़ा ना फेंका जाए। एमसीडी ने जोन के आधार पर पहले ही एक लिस्ट बना ली है, जिसमें और गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स जुड़ते रहेंगे। इस मिशन में दिल्लीवालों का सहयोग बहुत जरूरी है इसलिए आपसे अपील है कि दिल्ली को साफ करने की इस मुहिम में हमारा साथ दें। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर के विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय कुंवर सेना की एक आपात बैठक

आरा। राजद के वरिष्ठ नेता एवम राज्य सभा सांसद मनोज झा जी द्वारा दिए गए ब्यान किसी जाती विशेष को अपमानित करना एवम ठेस पहुंचाना नहीं है। कुछ नेताओं द्वारा उन्मादी ब्यान देकर समाज को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। सांसद मनोज झा द्वारा दिए गए राज्य सभा में ठाकुर जी के संबंध में दिए गए ब्यान को समाज को गलत ढंग दिग्भर्मित कर समाजिक उन्माद पैदा कर रहे हैं जो समाजाहित में नही है। सांसद मनोज झा ने कहा कि ठाकुर जी हम सभी में विराजमान है, जो ईश्वर का रूप है। क्षत्रिय समाज सामानित एवं बुद्धिजीवी समाज है, जो ब्यान बहादुरों से निवेदन है कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के ब्यान से परहेज करें। क्षत्रिय समाज को दिग्भर्मित करने की आवश्यकता नहीं है समाज के लोग सब समझ रहे है। मनोज झा ने कवि द्वारा लिखित कविता को राज्य सभा सिर्फ पढ़ने का काम किया है जो किसी जाती विशेष को अमर्यादित एवम अपमानित नही है।

सुपरिंटेंडेंट ने किया निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला को देखते हुए प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व मध्य रेलवे अनुमंडल अस्पताल,गया द्वारा अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ संदीप कुमार ने फीता काटकर निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर रेलवे अनुमंडल अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट संदीप कुमार ने बताया कि तीर्थ यात्रियों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया साथ ही जांच के उपरांत उन्हें निशुल्क दवाइयां भी दी जाएगी। इस मौके पर रेलवे अनुमंडल अस्पताल के सुपरीटेंडेंट संदीप कुमार, डॉविकास कुमार, फार्मासिस्ट गणेश रजक, नर्स नर्मदा खंडेल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

फरार युवती को पुलिस ने किया बरामद कोर्ट में कराया गया पेश

शेरघाटी।अपने प्रेमी के संग फरार युवती को पुलिस ने शुक्रवार को बरामद कर लिया।हालांकि प्रेमी युवक अभी पुलिस के गिरफ्त से दूर है।युवती को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष 164 का बयान दर्ज करवाया।सब इंस्पेक्टर शिवानी कुमारी ने बताया कि न्यायालय के समक्ष युवती ने अपने प्रेमी के घर जान को कहा जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर युवती को उसके प्रेमी के घर (ससुराल) बाराचट्टी भेज दिया गया।बता दें कि थाना क्षेत्र के पत्थल कट्टी गांव से मार्च महीने में युवती बाराचट्टी के रहने वाले अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी।घटना के बाद परिजनों ने युवती के गायब हो जाने की शिकायत स्थानीय थाने में किया था।इसके बाद पुलिस उसे तलाश कर रही थी।

पुलिस ने 15 वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अरवल।जिले के अलग-अलग थाने से पुलिस ने विशेष अभियान चला कर 15 वारंटी को गिरफ्तार किया नगर थाने की पुलिस ने दूधेश्वर प्यारेचक बिंदा साव बलिदाद अशोक यादव तेजपुर भीम मांझी मानिकपुर कुटुन बिंद छतोई दीपक मांझी बाला बाजार रईस पासवान बबन बीघा चंदन कुमार मोगलापुर अशोक कुमार तितरा मधु कुमार सुखी बीघा नटवर मांझी जुनाठी जितेंद्र मांझी आजाद बीघा और जितेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है इन सभी आरोपियों पर कई महीने से माननीय न्यायालय में वारंट निर्गत किया गया था और अपने केस में फरार थे गुप्त सूचना के आधार पर कई थाने की पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया है।

अलविदा हरित क्रांति के महानायक डॉक्टर एम एस स्वामीनाथन

पटना।98 वर्ष की आयु में आज महान कृषि वैज्ञानिक डॉ एम एस स्वामीनाथन चेन्नई में अपनी अंतिम सांसें ली। हम लोगों को मर्माहत कर चुपचाप सदा के लिए अलविदा हो गए। उन्हें शत-शत नमन! देश में कृषि के विकास की बात बहुत हो रही थी।मगर किसानों के विकास की कोई चर्चा नहीं थी।कृषि का विकास तो हुआ मगर किसानो की दशा बद से बदतर होती चली जा रही है।पहली बार डॉ एम एस स्वामीनाथन की अध्यक्षता में कमीशन बनी। किसानों की बदहाल जिंदगी में खुशहाली कैसे हो? इस पर विचार करने हेतु स्वामीनाथन कमीशन ने अपने 2 वर्षों के अथक परिश्रम कर तीन खंडों मे 2351 पृष्ठो का एक रिपोर्ट तैयार किया और अपना अनुशंसा सरकार को समर्पित किया। जिसमें कई किसान पक्षी बेहतर सुझाव भी दिए गए। जो आज तक लागू नहीं हुआ।उनका एक बहुमूल्य सुझाव किसानो को फसल की कीमत के संबंध में सभी कृषि पैदावार का सी-2 के आधार पर लागत का डेढ़ गुना दाम की मांग आज भी किसानों के बीच सबसे चर्चित सवाल है और उसके लिए देश मे बड़े-बड़े ऐतिहासिक आंदोलन हो रहे हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुझाव अपने रिर्पोट मे दिया है। सत्ता में आने से पहले नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने भी देश के किसानों से वादा किया था कि हमारी सरकार बनेगी तो हम स्वामीनाथन कमीशन को लागू करेंगे।

लाखों नामी और करोड़ों बेनामी लोगों के कुर्बानी से स्वतंत्रता मिली है : जिलाधिकारी राजकुमार

कवि कैलाश के कुबार्नी से युआ पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव

प्रात : किरण संवाददाता

आरा।अमर शहीद कवि कैलाश स्मृति संस्थान भोजपुर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भोजपुर समाहरणालय परिसर स्मारक स्थल पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी श्री राजकुमार, विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री प्रमोद कुमार यादव,विशिष्ट अतिथि डीसीसी विक्रम वीरकर, मुख्य संरक्षक श्री बी सिंह, श्री संजय कुमार निर्देशक हेल्थ सोसायटी बिहार सरकार के प्रतिनिधि के रूप में सिविल सर्जन डा सुरेश प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाई परमेश्वर और संचालन प्रो रणविजय कुमार ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम अमर शहीद का कवि कैलाशपति सिंह के फोटोग्राफ्स पर माल्यार्पण से हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सम्मानित सदस्य सभागार में उपस्थित हुए ।कार्यक्रम का संचालन प्रो विजय कुमार ने किया। सभी अतिथियों को बुके साल देकर सम्मानित किया गया। स्वागत गीत छात्राओ से हुआ। मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए जिलाधिकारी श्री राजकुमार ने कहा की कवि कैलाशपति सिंह जी जिस जज्बे को,जिस भावना को लेकर गांव से चलकर आर कलेक्टरेट तक आए और तिरंगा को लहराते हुए अपनी शहादत दी।

वह जानते थे कि अंग्रेजी हुकूमत मुझे मार डाले लेकिन जो उनका संकल्प था उसे हर हालत में पूरा करना चाहते थे। यही कारण था कि क्रूर यातनाओं के बाद भारत माता की जय अंग्रेजों भारत छोड़ो महात्मा गांधी की जय अंतिम सांस तक नारा लगाते रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में लाखों नामी और करोड़ बेनामी लोग आंदोलन में लग रहे। तब जाकर हमें आजादी मिली। आज हम उन्हें कुर्बानियों के बदौलत जिलाधिकारी बने हैं।समस्या भी है लोगों की अपेक्षा भी रहती है। कार्य की अधिकता है लेकिन हम सभी मिलकर पूरा करेंगें। जो कुछ नाम छूट गया है, और कवि कैलाश की जीवन वृत्त को भी प्रकाशित करने के लिए वचनबद्ध हूं।यह सब करके जाऊंगा ताकि लोग मेरे कर्मों को सदा याद रखें। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि कभी कैलाशपति सिंह जी की कुबार्नी से युवा पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत है।

स्वागत भाषण करते हुए अध्यक्ष भाई परमेश्वर ने कभी जी से संबंधित पूरी जानकारी प्रशासन एवं उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों को दी। और कहां की ऐसे जिला पदाधिकारी के नेतृत्व में कवि कैलाश को उचित ऐतिहासिक स्थान और सम्मान देने का कार्य करेंगे। वही बी सिंह ने तमाम पदाधिकारी से लेकर गणमान्य अतिथियों का गर्म जोशी से स्वागत करते हुए कहा कि यह सब कवि जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है कि लोग एक आवाज पर उनके कार्यक्रमों में दिनभर बैठकर अतिथियों के विचारों से अवगत होते रहे मैं सबका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। अन्य सुधा सुमन अर्पित करने वालों में डॉ भीम सिंह भावेश पत्रकार शैलेंद्र जी डॉक्टर अर्चना सिंह डॉक्टर आदित्य विजय जैन प्रसाद प्रोफेसर आप राय किरण कुमारी बद्री विशाल जी अजीत कुमार सिंह अधिवक्ता अरुणेश जी डॉक्टर कुमार जितेंद्र डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिंहा मृत्युंजय भारद्वाज साहित्य लोग उपस्थित रहे।

भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद यादव के अध्यक्षता में बैठक किया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। उदवंतनगर प्रखंड के खलिसा में अखील भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद यादव के अध्यक्षता में बैठक हुआ संचालन चन्दन पासवान ने किया।बैठक में दिनांक30सितम्बर2023कोमौजूदा महिला आरक्षण विधेयक के विरोध श्री कृष्ण चेतना समिति सभागार में आयोजित बैठक में शामिल होने के निर्णय लिया गया।बैठक के मुख्य अतिथि यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी पिछड़ा वर्ग के जन्म लेकर पिछड़ा अनुसूचित जाति के लोगो को हक मारी कर रहे हैं।नरेंद मोदीने जो विगत दिनों33प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया है उसमें पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के महिलाओं को आरक्षण नही दिए है इसके लिए आरक्षण संघर्ष समिति आंदोलन के लिए जागरूकता अभियान चलाएगा।बैठक के अंत में हरित क्रांति के जनक प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एएम एस स्वामीनाथन के मृत्यु पर उनकी आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

बैठक में उपस्थित लोगों में अवधेश यादव जितेंद राम रंजन यादव सुनील यादव पप्पू पंडित चचैन कुमार राम राजू यादव २४१ल्लर्१ राम परमा नन्द राम हरेराम पंडित अवधेश यादव झलक यादव अजय राम सुदर्शन यादव सतेंद्र यादव ननक मुसहर रबिन्द्र रजक मोहन सिंह रामेश्वर यादव संतोष पाल राघवेंद्र यादव सुमेश्वर बैठा सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

लोगों को फाइलेरिया के प्रति जानकारी देंगे खुद फाइलेरिया के मरीज, बढ़ेगी जागरूकता

प्रात : किरण संवाददाता

आरा(भोजपुर) जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जो आगामी छह अगस्त तक जिले के सभी प्रखंडों में संचालित किया जाएगा। इस क्रम में देखा गया है कि जानकारी के अभाव में लोग कई बार दवाओं का सेवन करने से मना करते हैं।

ऐसे में रिफ्यूजल के मामलों को कम करने के लिए फाइलेरिया मरीजों की सहायता ली जाएगी। इसके लिए शुक्रवार को जिले के बिहिया प्रखंड अंतर्गत दोघरा पंचायत स्थित तेघरा गांव में फाइलेरिया पेशेंट प्लेटफॉर्म का गठन किया गया। जिसमें गांव के दर्जन भर फाइलेरिया मरीजों को पेशेंट प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में बैठक के दौरान फाइलेरिया मरीजों को पेशेंट प्लेटफॉर्म की जानकारी, उद्देश और महत्ता की जानकारी दी गई। बैठक में पिरामल इंडिया के प्रखंड समन्वयक रत्नेश कुमार ने बताया कि पेशेंट प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करते हुए एमडीए को सफल बनाना है। इसके लिए आशा कार्यकताओं या ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (डीए) टीम के साथ जाकर फाइलेरिया मरीज लोगों को जागरूक करेंगे। जिससे वो एमडीए व फाइलेरिया रोधी दवाओं की महत्ता को समझे और बिना आनाकानी के दवाओं का सेवन करें।

लोगों को दवाओं की अहमियत को समझाएं पेशेंट प्लेटफॉर्म के सदस्य : रत्नेश कुमार ने फाइलेरिया मरीजों को बताया कि फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जिसका समय पर इलाज नहीं होने से मरीज दिव्यांग हो सकता है। जिसके बाद मरीज को चलने और घुमने के साथ दैनिक क्रियाओं में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। जिससे आप अपने गांव को फाइलेरिया से मुक्त बना सकें। इसके लिए जरूरी है कि पेशेंट प्लेटफॉर्म के सदस्य अपने परिजनों, आसपास और मोहल्ले के लोगों को एमडीए के दौरान दवाओं का सेवन करने के लिए जागरूक और प्रेरित करें। वहीं, आशा कार्यकताएं और डीए टीम भी लोगों को फाइलेरिया के दुष्प्रभाव को समझाने के लिए प्लेटफॉर्म के सदस्यों का सहयोग ले सकते हैं।

पंचायत समिति का मिलेगा भरपुर सहयोग: बैठक के दौरान पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना पासवान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की यह पहल काफी सराहनीय है।

जिसमें पंचायत समिति का भरपुर सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि एमडीए के दौरान डीए टीम को यदि किसी प्रकार की बाधा का सामना करना पड़े तो तत्काल समिति के सदस्यों से संपर्क करें। जिसके बाद बाधा को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, लोगों को मच्छरों से बचाव को लेकर जागरूक भी किया जाएगा। ताकि, लोगों को मच्छरों के प्रकोप से बचाया जा सके। मौके पर आशा फैसिलिटेटर गुड़िया कुंअर, आशा कार्यकर्ता मीणा देवर, वीटी किरण देवी समेत गांव के फाइलेरिया मरीज उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने किया अपने पूर्वजों का पिंडदान,गार्ड आफ आनर दिया गया

गया।देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर बिहार के गया पहुंचे. उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थी. करीब सुबह नौ बजे गया इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. गया एयरपोर्ट पर महामहिम राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनका स्वागत किया गया है उपराष्ट्रपति का गया और नालंदा में कार्यक्रम निर्धारित है. पितृपक्ष मेला के दौरान उप राष्ट्रपति ने गया में अपने पूर्वजों की मोक्ष प्राप्ति के लिए पिंडदान किया है अपने पण्डा द्वारा।इसके बाद उन्होंने विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में विशेष पूजा अर्चना भी की।गया में पिंडदान श्राद्ध के बाद उनका नालंदा विश्वविद्यालय के भ्रमण का भी कार्यक्रम है। उपराष्ट्रति के दौरे को लेकर गया और नालंदा मे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं।

अतिथि देवो भवः के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने निशुल्क चाय सेवा का शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

गया। भारतीय जनता पार्टी गया जिला के द्वारा देश विदेश से आए हुए पिंडनियो को गया जंक्शन परिसर में निःशुल्क चाय एवं पानी का शिविर लगाया गया है। जिसका शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधान पार्षद कृष्ण कुमार सिंह के द्वारा किया गया है।इस शिविर के शुभारंभ के बाद कृष्ण कुमार सिंह ने इस शिविर को लगाने के लिए भाजपा परिवार को धन्यवाद दिया अतिथि देवो भवः के तहत सेवा करना महान कार्य है भाजपा के सभी लोग इस शिविर में अपना सहयोग कर तीर्थयात्रियों को सेवा दे।इस अवसर पर भाजपा नेता मनीष पंकज उर्फ मनीष मिश्रा ने कहा कि मुझे अपार खुशी हो रहा है कि शिविर में आए हुए पिंडनियों का अतिथि देवो भवः के तहत चाय एवं पानी पिलाकर सेवा करने का अवसर प्रदान होगा।आज के शिविर का शुभारंभ में जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, युगेश कुमार, धीरज रौनीयार,जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर के अलावे अन्य लोग शमील रहे।

थाईलैंड व श्रीलंका मे आयोजित सेस्टोबॉल भारत की प्रतिनिधित्व करेगी:अनन्या कुमारी

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। थाईलैंड और श्रीलंका में आयोजित होने वाली सेस्टोबॉल अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के बारे में जानकारी सेस्टोबॉल संगठन के ,सचिव एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल शारीरिक शिक्षक अविनाश कुमार, रोशन कुमार ने बताया कि 6 नवंबर से 11 नवंबर तक आयोजित होगी जिसमें अरवल जिले की अनन्या कुमारी भारत की तरफ से प्रतिनिधित्व करेगी वहीं स्थानीय विधायक महानंद सिंह ने अनन्या कुमारी को भारतीय टीम में चयनित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं और स्थानीय विधायक महान सिंह ने बताया कि हमारे छोटे से जिले से निकलकर आज अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अरवल जिला का मान सम्मान पूरे हिंदुस्तान में बढ़ाने के काम किए हैं मैं अपने तरफ से मैं उनको माता-पिता को जितना प्रशंसा करूंगा उतना ही मेरे लिए काम होगा अरवल जिले की बेटी चाहे पढ़ाई के क्षेत्र हो या खेल का क्षेत्र हो अरवल जिले के खिलाड़ी पूरे विश्व लेवल पर अरवल जिला का मान सम्मान बढ़ा रहे हैं जिस तरीका से अनन्या कुमारी भारतीय टीम में चयनित हुई है मुझे और खुशी होगी कि भारत के लिए गोल्ड मेडल लेकर आए।

मैं अरवल की तरफ से सेस्टोबॉल संगठन के महासचिव अखिलेश कुमार मणि को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं की अरवल जैसे छोटे से जिले में अरवल की अनन्या कुमारी को भारतीय टीम में चयनित हुई है मैं बिहार के तमाम पदाधिकारी को मेरे तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।सेस्टोबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने अनन्या कुमारी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं और उन्होंने बताया कि आज मुझे इतनी खुशी हो रही है कि जिस खेल के अध्यक्ष हैं उस जिले के खिलाड़ी जिले की लड़का लड़की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के लिए मेडल भी लेकर आए हैं और अनन्या कुमारी भारत के लिए जो 6 नवंबर से 11 नवंबर तक आयोजित होने वाली थाईलैंड और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगा उसमें अनन्या कुमारी भारत के तरफ से प्रतिनिधित्व करेंगे इसके लिए मैं जितना प्रशंसा करूंगा उतना ही मेरे लिए काम होगा

डीएम ने नाव पर बैठकर विभिन्न घाटों व पितृपक्ष मेला का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष मेला का गया के जिलाधिकारी डॉक्टर त्यागराजन एसएम और उपविकास आयुक्त ने सुबह सुबह ही नाव के माध्यम से विष्णुपद मंदिर, शमशान घाट, देव घाट, गजाधर घाट, गया जी डैम सहित अन्य घाटों पर जाकर भीड़ का जायजा लिए है। इस दौरान जिलाधिकारी ने पिंडदान कर रहे तीर्थ यात्रियों से व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त किया है।

पिंडदान करने आए पिंडदानियो ने बताया कि पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष काफी अच्छा व्यवस्था जिला प्रशासन के द्वारा की गई है।इस बार रबर डैम को देखने के बाद ही कुछ अलग ही गयाजी में नजारा देखने को मिला है।

इसके बारे और जानकारी जिलाधिकारी डॉक्टर त्यागराजन एसएम ने बताया कि पितृपक्ष मेला में देश के कोने-कोने एवं विदेशों से भी तीर्थ यात्री श्रद्धाभाव से अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने के लिए गयाजी आते हैं। पितृपक्ष मेला के महत्ता को देखते हुए बिहार सरकार और जिला प्रशासन के द्वारा व्यापक तैयारी की गई है।पिछले साल जो पिंडदानी आते थे उन्हें पानी की असुविधा होती थी लेकिन जब से रबर डैम बना है तब बिना किसी कठिनाई का घाट पर तीर्थ यात्री पिंडदान कर नदी में तर्पण कर रहे है।

विद्यालय के छात्रों द्वारा निकाला प्रभात फेरी

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी।शहर के जवाहर नवोदय विद्यालय शेरघाटी गया -2 के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एस के सिंहा के निर्देशन में प्रभात फेरी निकल गई। यह प्रभात फेरी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत किया गया। बच्चों के द्वारा यह प्रभात फेरी विद्यालय प्रांगण से लेकर जेपी चौक तक गया इसके बाद जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा में पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई, एवं देश के आजादी के लिए उनके दिए गए बलिदान के लिए उन्हें नमन किया गया। साथ ही साथ प्राचार्य डॉ एसके सिंह ने बताया कि कार्यक्रम भारत सरकार के द्वारा मेरी माटी मेरा देश के मुहिम के अंतर्गत की गई है, जिसमें विद्यालय में छात्र-छात्राओं के गांव एवं क्षेत्र से मिट्टी लाकर यहां इकट्ठा कर उनसे मिट्टी के दो अमृत कलश बनाने हैं। जिसमें से एक अमृत कलश विद्यालय में रखा जाएगा एवं दूसरा जिला प्रशासन गया को सौंपा जाएगा ताकि वह जो विभिन्न गांव से लाई हुई मिट्टी को मिलाकर जो या अमृत कलश बनाया गया है। उसकी यात्रा प्रारंभ हो सके इस कार्यक्रम के द्वारा देशवासियों को संदेश दिया जा रहा है, कि अपनी मिट्टी और अपने देश के लोगों से जुड़े और यह जो अमृत कल है,इसमें अपने आपको सुदृढ़ कर 2047 तक आत्मनिर्भर भारत एवं एक विकसित भारत का निर्माण करें।उन्होंने कहा कि इसके लिए अभिभावक व बच्चे हमारे विद्यालय में शिक्षारत हैं, वह जब भी विद्यालय आए इन 10 दिनों में तो वह अपने गांव एवं अपने क्षेत्र से थोड़ी सी मिट्टी लाकर विद्यालय में लेकर कर आये।और पात्र में जमा करें ताकि वह उसे मिट्टी को एकत्रित कर अमृत कलश का निर्माण किया जा सके। इस कार्यक्रम के आयोजक नेहा कुमारी चौधरी, मोनिका सिंह ,आरबी सिंह, एन के मिश्रा,एमके मिश्रा, रंजन कुमार, ओम प्रकाश सिंह, मनीषा देवी, एवं विधालय के अन्य शिक्षक भी शामिल रहे।

घेघटा में हुआ महफिले-मिलाद का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। प्रखण्ड अंतर्गत घेघटा गांव में जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर मुसलमान समाज के द्वारा वहाँ के नौजवान कमिटी के साथियों ने महफिले-मिलाद का आयोजन किया।जिसमें सैकड़ो की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुवे। मुस्लिम समाज के लोगों ने बताया कि ईद मिलाद-उन-नबी एक विशेष महत्व रखता है।जिसमें घेघटा स्तिथ मस्जिद के इमाम साहब व मौलाना अबुल कलाम आजाद मदरसा इस्लामियां के उलमा-ए-कराम ने बताया कि ईद-ए-मिलाद का यह जन्म उत्सव पैगम्बर मोहम्मद साहब के जीवन और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को याद दिलाता है। साथ ही यह भी बताया कि इस्लामी संवत का तीसरा महीना यानी रबी-उल-अव्वल का महीना मुस्लिम समाज के लिए विशेष महत्व का महीना है, क्योंकि इसी महीने में इस्लाम धर्म के आखिरी पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था।जो मानव इतिहास में सबसे आदर्श इंसान माने जाते हैं।गौरतलब है कि अमेरिकी इतिहासकार डॉ माइकल एच हार्ट 1978 में प्रकाशित अपनी किताब 'दुनिया के इतिहास में 100 सबसे प्रभावशाली लोग' में लिखा कि पैगम्बर मोहम्मद साहब (स.अ.व.) से ज्यादा प्रभावशाली व्यक्ति इस संसार में कोई हुआ ही नहीं। पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) इस्लामी दुनिया में दुनिया के मार्गदर्शक और ब्रह्मांड के निर्माण की वजह माने जाते है।खुदा ने इसी मुबारक महीने में हजरत मोहम्मद साहब को दुनिया को जाहिलियत के अंधेरे से बाहर निकालने के लिए भेजा था।पवित्र नबी (स.अ.व.) पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श बनकर आए, हर क्षेत्र में उनके पास ऐसी पूर्णता थी कि उनके जैसा कोई नहीं था और ना ही भविष्य में उनके जैसा कोई होगा।इस महिफले-मिलाद में उल्माए-कराम के द्वारा नात-ए-कलाम और नबी के नक्शे कदम पर चलने के बारे में तकरीर किया।जिसमें उपस्तिथ मस्जिद के इमाम मो. जुगनू साहब, मौलाना अबुल कलाम आजाद मदरसा इस्लामियां के हाफिज मो. तौकीर रजा, हाफिज तहसिर रजा, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इकबाल साहब, मो. ईशा, मो. मुस्तफा,समीर राज, मो. जावेद आलम, मो. शिब्बू, मो. दस्तगीर, मो. शाहरुख आदि थें।

एक अक्टूबर को जिले के प्रत्येक गंगा घाटों पर किया जाएगा स्वच्छता श्रमदान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला जल स्वच्छता समिति के कार्यालय 1 अक्तूबर को सुबह 10 बजे एक साथ 1 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करे कार्यक्रम को लेकर बैठक किया गया हैं। इस बैठक के की अध्यक्षता रंजन बैठा जिला जल एवम स्वच्छता के समन्वयक ने किया।मौके रोशन कुमार उइठकउ भोजपुर ,अमित कुमार सिंह जिला परियोजना पदाधिकारी जिला गंगा समिति भोजपुर , और कई प्रखंड के प्रखंड समन्वयक स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित रहे । स्मान्यक रंजन बैठने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरे भारत में यह कार्यक्रम एक अक्टूबर को 10:00 बजे 1 घंटे के लिए जन सहभागिता के साथ श्रमदान कार्यक्रम सुनिश्चित करना है। इसको लेकर जिले में और जिले के प्रत्येक प्रखंड में तैयारी पूरी कर ली गई हैं। ताकि इस कार्यक्रम को वृहद और सफल बनाने के लिए उप विकास आयुक्त भोजपुरी के द्वारा सभी सहयोगी संस्थाएं और कार्यालय को पत्राचार कर दिया गया है जिसमें युवा और स्वयंसेवक से जुड़े संस्था राष्ट्रीय सेवा योजना,राष्ट्रीय कैडेट कोर , नेहरू केंद्र और जीविका का दीदी का की सहभागिता महत्वपुण हैं । ओहि जिला परियोजना अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यह एक राष्ट्र व्यापी कार्यक्रम में जो पूरे भारतवर्ष में चलाया जा रहा है और इस कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा किनारे के प्रत्येक घाटों पर स्वच्छता पर्यवेक्षक और गंगा ग्राम के लोगों के द्वारा एक घंटा श्रमदान का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। साथी साथ इस कार्यक्रम में आमजन की सहभागिता अधिक से अधिक हो इसके लेकर एक अपील भी हैं की जिले के प्रत्येक व्यक्ति इस कार्यक्रम में सार्वजनिक स्थल,धार्मिक स्थल और सरकारी भवन की सफाई करे और 1 घंटे श्रमदान सहभागिता सुनिश्चित करे ।

कृषि लागत में C2+50 प्रतिशत पर देशव्यापी आन्दोलन ही डॉ स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि : उमेश सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय किसान महासभा (AIKM) के बिहार राज्य सचिव उमेश सिंह ने कहा कि हम भारत में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले कृषि वैज्ञानिक डॉ स्वामीनाथन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते है. एक कृषि वैज्ञानिक के रूप में उनके नेतृत्व में सन् 2004 में बने भारत के कृषि आयोग द्वारा कृषि लागत में C2 + 50 % जोड़कर किसानों की आय बढाने की सिफारिश करना उनका सबसे बड़ा योगदान है. यही कारण है कि बढ़ते कृषि संकट के दौर में आज भारत के किसानों की यह मुख्य मांग बन गयी है. यह सर्वविदित है कि 2014 में सत्ता में आने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के तहत एमएसपी देने का वायदा किया था. मगर साढ़े नौ वर्षों के शासन के बाद भी मोदी सरकार ने देश के किसानों से किया अपना वायदा पूरा नहीं किया है. इस लिए कृषि लागत में C2+50% जोड़ कर एमएसपी के लिए राष्ट्रव्यापी आन्दोलन तेज करना ही देश के किसानों की ओर से डॉ स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

यह भी याद रखना चाहिए कि सत्तर के दशक में अन्न के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डॉ स्वामीनाथन के नेतृत्व में जिस हरित क्रांति की नींव डाली गयी थी, उसने भारत की खेती में वित्तीय और कारपोरेट पूंजी की घुसपैठ को तेज किया. धीरे-धीरे भारत की खेती-किसानी इस वित्तीय पूंजी और कारपोरेट पूंजी के जाल में फंस गई. भारत में आज का गंभीर कृषि संकट और खेती, अन्न के भंडारण व खुदरा बाजार पर कारपोरेट कम्पनियों के एकाधिकार के प्रयास की जमीन यहीं से तैयार हुई. हालंकि हरित क्रांति से भारतीय ग्रामीण जीवन में पड़े सामाजिक व आर्थिक दुष्प्रभावों का कुछ आकलन सन् 2006 में जारी स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट में भी दिखाई देता है।

सम्पादकीय

एक और राष्ट्रीय शर्म

पिछड़े राज्यों से बच्चों की तस्करी कर उन्हें ऐसे राज्यों में बेच दिया जाता है, जहां उनका इस्तेमाल छोटे-मोटे उद्योगों या घरेलू काम के लिए किया जा सके। कई बार तस्कर बच्चों को ऐसे गैंग को भी बेच देते हैं जो भीख मांगने जैसे वाले रैकेट चलाते हैं।बात राष्ट्रीय राजधानी की है, जो देश की सत्ता का केंद्र है- जहां पक्ष-विपक्ष में रोज ही किसी ना किसी मुद्दे को लेकर तकरार छिड़ी रहती है। लेकिन इस बहस में देश की आम आबादी के असल मुद्दे किस तरह गायब रहते हैं, इस पर ध्यान देना हो, तो बाल तस्करी के बारे में जारी हुई एक ताजा रिपोर्ट पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि कोरोना महामारी के बाद कई राज्यों में बाल तस्करी के मामले बढ़े हैं। गेम्स24म7 और चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन (केएससीएफ) ने बाल तस्करी के बारे में उपलब्ध आंकड़ों को संकलित कर यह रिपोर्ट तैयार की है। केएससीएफ ने 2016 और 2022 के बीच भारत के 21 राज्यों के 262 जिलों में बाल तस्करी के मामलों में हस्तक्षेप किया। उन मामलों से प्राप्त आंकड़ों के आधार तैयार रिपोर्ट में बताया गया है कि कानूनन बाल मजदूरी पर रोक होने के बावजूद बड़ी संख्या में बाल मजदूर आज भी विभिन्न उद्योगों में काम कर रहे हैं। जिन उद्योगों में सबसे ज्यादा बाल मजदूरों को रोजगार मिलता है, वे होटल और ढाबे (15.6 फीसदी) हैं। इसके बाद एक परिवार के स्वामित्व वाली ऑटोमोबाइल या परिवहन उद्योग (13 प्रतिशत) और कपड़ा क्षेत्र (11.18 फीसदी) हैं। जाहिरा तौर पर ये समस्या गंभीर है। लेकिन बाल तस्करी सिर्फ चिंताजनक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शर्म का भी विषय है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछड़े राज्यों से बच्चों की तस्करी कर उन्हें ऐसे शहरों या राज्यों में बेच दिया जाता है, जिससे उनका इस्तेमाल छोटे-मोटे उद्योगों या घरेलू काम के लिए किया जा सके। कई बार तस्कर बच्चों को ऐसे गैंग को भी बेच देते हैं जो भीख मांगने जैसे वाले रैकेट चलाते हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2019 में देश में मानव तस्करी (बच्चों और वयस्कों समेत) के जितने भी मामले थे, उनमें से सबसे ज्यादा मामले जबरन श्रम, देह व्यापार, घरों में जबरन काम और जबरन शादी के थे। आजादी के 75 साल बाद भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। इसके लिए कौन जवाबदेह है?

नेता असभ्य क्यों होते जा रहे हैं?

रजनीश कपूर

असभ्य नेता जब सदन में होते हैं तो वो भूल जाते हैं कि उनके विपक्ष में बैठे नेता भी एक जनप्रतिनिधि हैं। वो भी उतने ही सम्मान के हकदार हैं जितने कि वे स्वयं को मानते हैं। परंतु सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों अपने विपक्षी नेताओं को आजकल आम जनता की तरह समझने लगे हैं। ङ्कोई मशहूर व्यक्ति न सिर्फ.राजनीति में बल्कि किसी भी अन्य क्षेत्र में क्यों न हो अगर शांत और शालीन स्वभाव के हैं तो उनका ज़िक्र हमेशा सम्मान के साथ ही होता है।

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोये। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए।।

कबीर दास जी का यह दोहा हमें बचपन से ही सिखाता आया है कि चाहे कुछ भी हो हमें ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को आनंदित करे। जहां मीठे वचन सुनने वालों को सुख देते हैं, वहीं हमारे मन को भी आनंदित करते हैं। परंतु क्या हमारे द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इसका अनुसरण कर रहे हैं? या सत्ता के अहंकार में आपा खो रहे हैं। भारत के नये संसद भवन के पहले सत्र में जो हुआ, वो अनहोनी बात थी। नई संसद के पहले सत्र में ऐसा होना देश के लोकतंत्र के लिए बहुत शर्मनाक है।

ऐसा नहीं है कि संसद या विधान सभा में हंगामा पहली बार हुआ है जब सदन की गरिमा को वहाँ बैठे नेताओं ने तार-तार किया। ऐसा भी नहीं है कि संसद में ऐसी असभ्यता केवल भारत में ही दिखती है। दुनिया के कई देशों में आजकल ऐसे दृश्य दिखाई देने लगे हैं। हम इसकी केवल निंदा करके छोड़ देते हैं। ऐसी घटनाओं से कोई भी सबक नहीं लेता। जब भी कभी, किसी भी दल के नेता द्वारा, सदन में या सदन के बाहर असभ्यता का परिचय दिया जाता है तो उसके आचरण से न सिर्फ.उस नेता के पारिवारिक संस्कार बल्कि उसके दल के संस्कारों का भी परिचय मिलता है। उनकी छवि पर इसका बुरा असर पड़ता है, अगर उन्हें अपनी छवि की चिंता हो तो।

कोई मशहूर व्यक्ति न सिर्फ.राजनीति में बल्कि किसी भी अन्य क्षेत्र में क्यों न हो अगर शांत और शालीन स्वभाव के हैं तो उनका ज़िक्र हमेशा सम्मान के साथ ही होता है। वहीं जब भी कभी कोई नेता अपने बुरे व्यवहार या कटु वचनों के कारण चर्चा का विषय बनते हैं तो वे इस बात से बेखबर होते हैं कि उनके ऐसे व्यवहार से उनके वोटरों पर कितना विपरीत असर पड़ता है। पर आजकल तो वोटर भी ऐसे होते जा रहे हैं जो अनेक अन्य कारणों से ऐसे ही नेताओं को पसंद करते हैं। राजनैतिक दलों की बात करें तो सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें भी अधिक वोट दिलाने वाली ऐसी दुधारू गायों की जरूरत पड़ती रहती है, जो हंगामा खड़ा करके ध्यान आकर्षित करें।

असभ्य नेता जब सदन में होते हैं तो वो भूल जाते हैं कि उनके विपक्ष में बैठे नेता भी एक जनप्रतिनिधि हैं। वो भी उतने ही सम्मान के हकदार हैं जितने कि वे स्वयं को मानते हैं। परंतु सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों अपने विपक्षी नेताओं को आजकल आम जनता की तरह समझने लगे हैं।

नेताओं द्वारा असभ्य व्यवहार किसी भी तरह का हो सकता है। फिर वो चाहे किसी धर्म विशेष के प्रति हो या किसी जाति या वर्ग के प्रति हो, ऐसे असभ्य नेता कभी भी कोई मौका नहीं छोड़ते। इन असभ्य नेताओं को, यदि वे सत्तारूढ़ दल के हों, उनके दल का समर्थन प्राप्त हो, तो वे किसी की भी परवाह नहीं करते।

ऐसे में कोई आम नागरिक यदि किसी सभा में इनसे इनकी असभ्यता पर सवाल भी उठाए तो वे घमंड के चलते उनके सवाल का उत्तर नहीं देते। वहीं यदि कोई पत्रकार इन नेताओं से सवाल पूछे तो उसे इस बात की गारंटी नहीं होती कि ऐसे नेताओं से सवाल पूछने पर उसकी नौकरी बरकरार रहेगी या जायेगी। इसलिए ऐसे असभ्य नेता हमारे समाज में बेखौफ घूमते हैं। यदि किसी एक दल के नेता को किसी अन्य दल के नेता के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ लोकसभा या राज्य सभा या विधान सभा के स्पीकर कारवाई कर सकते हैं। अन्यथा उन पर कानूनी करवाई की जा सकती है, अगर उन्होंने ऐसा व्यवहार सदन के बाहर किया हो। अदालत यदि ऐसे नेता को दोषी मानती है तो उसे कानून के हिसाब से सजा भी सुना सकती है। परंतु जब भी कभी सत्तापक्ष के किसी नेता द्वारा ऐसी गलती होती है तो विपक्षी दल के नेता की गलती पर कड़ी से कड़ी सजा की माँग करने वाले सत्तारूढ़ दल अपने ही दल के नेता को एक नोटिस दिलवाकर केवल औपचारिकता ही करवाता है। सरकारें आती जाती रहतीं हैं पर यह मानसिकता कायम रहती है।

मामला किसी धर्म विशेष के लोगों पर हमले का हो या किसी जाति या वर्ग के लोगों पर हमले का हो, ऐसे हमले रुकने चाहिए। भारत जैसे देश के लिए कहा जाता है कि चार कोस कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी यानी हमारे देश में विविधताओं का होना प्राचीन युगों से चला आ रहा है। भारत में अनेक धर्मों, जातियों, विचारों, संस्कृतियों और मान्यताओं से सम्बन्धित विभिन्नताएँ हैं।

किन्तु उनके मेल से एक खूबसूरत देश का जन्म हुआ है, जिसे हम भारत कहते हैं। भारत की ये विविधताएँ एकता में बदल गई हैं, जिसने इस देश को विश्व का एक सुन्दर और सबल राष्ट्र बना दिया है। शायद इसीलिए भारत के लिए कहा गया है कि ह्यअनेकता में एकता : मेरे देश की विशेषताह्न। इसलिए हमें सभी धर्मों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का सम्मान करना चाहिए।

हमारे द्वारा चुने गये नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, चुनाव जीतते ही यदि अपनी असभ्यता का परिचय देने लग जाएँ और उनके दल द्वारा उन्हें किसी भी तरह दंड न दिया जाए। तो अगली बार जब भी ऐसे नेता जनता के सामने याचक बन कर आएँ तो वोटरों द्वारा ऐसे नेताओं का बहिष्कार कर उन्हें आईना जरूर दिखाया जाए। ऐसा करने से इन असभ्य नेताओं में एक मजबूत संदेश जाएगा और वे ऐसी गलती करने से पहले कई बार सोचेंगे। तब शायद उन्हें कबीरदास जी का दोहा याद आएगा।

भारतीय परिवारों की भौतिक आस्तियों में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर

बचत दरअसल दो प्रकार की होती है, एक, वित्तीय बचत एवं द्वितीय, भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत के परिवारों में हाल ही के समय में वित्तीय बचत की दर कुछ कम होकर परिवारों द्वारा भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत जो केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं गैर वित्तीय संस्थानों के लिए आय का मुख्य साधन है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रह गई है। यह बचत दर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 11.5 प्रतिशत एवं कोरोना महामारी खंडकाल के पूर्व वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.6 प्रतिशत थी। ऐसा कहा जा रहा है कि परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत दर पिछले 50 वर्षों के खंडकाल में सबसे कम दर है। परंतु, यह तथ्य सही नहीं है, क्योंकि परिवारों की बचत दर को वित्तीय बचत एवं भौतिक आस्तियों की रूप में की गई बचत को मिलाकर देखा जाना चाहिए। वित्तीय बचत दर किसी वित्तीय वर्ष में कम इसलिए हो सकती है, क्योंकि परिवारों द्वारा उस वर्ष में भौतिक आस्तियों के रूप में अधिक मात्रा में बचत की गई हो। कोरोना महामारी के चलते एक तो कई परिवारों की आय में कमी दर्ज हुई एवं कई परिवारों को तो बैकों से ऋण लेकर अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करनी पड़ी थी।

प्रहलाद सबनानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

किसी भी देश के लिए शुद्ध वित्तीय बचत की दर अधिक होना अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा मापदंड माना जाता है क्योंकि वित्तीय बचत की राशि अंततः पूंजी निर्माण करते हुए देश के आर्थिक विकास को गति देने में मुख्य भूमिका निभाती है। बचत दरअसल दो प्रकार की होती है, एक, वित्तीय बचत एवं द्वितीय, भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत के परिवारों में हाल ही के समय में वित्तीय बचत की दर कुछ कम होकर परिवारों द्वारा भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत जो केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं गैर वित्तीय संस्थानों के लिए आय का मुख्य साधन है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रह गई है। यह बचत दर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 11.5 प्रतिशत एवं कोरोना महामारी खंडकाल के पूर्व वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.6 प्रतिशत थी। ऐसा कहा जा रहा है कि परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत दर पिछले 50 वर्षों के खंडकाल में सबसे कम दर है। परंतु, यह तथ्य सही नहीं है, क्योंकि परिवारों की बचत दर को वित्तीय बचत एवं भौतिक आस्तियों की रूप में की गई बचत को मिलाकर देखा जाना चाहिए। वित्तीय बचत दर किसी वित्तीय वर्ष में कम इसलिए हो सकती है, क्योंकि परिवारों द्वारा उस वर्ष में भौतिक आस्तियों के रूप में अधिक मात्रा में बचत की गई हो।

कोरोना महामारी के चलते एक तो कई परिवारों की आय में कमी दर्ज हुई एवं कई परिवारों को तो बैकों से ऋण लेकर अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करनी पड़ी थी। कोरोना महामारी खंडकाल के दौरान वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारतीय परिवारों का ऋण, सकल घरेलू उत्पाद का 40.7 प्रतिशत था, जो जून 2023 में घटकर 36.5 प्रतिशत रह गया है। इस प्रकार कोरोना महामारी के बाद के खंडकाल में भारतीय परिवारों द्वारा बैंकों से लिए गए ऋण की किश्तें भी समय पर चुकाई गई हैं जिससे वित्तीय बचत की वृद्धि दर पर विपरीत असर पड़ा है। वैसे भी, भारतीय परिवार बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में हिचकते हैं। जबकि अन्य देशों के नागरिक बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में बिलकुल नहीं हिचकते हैं जैसे चीन के परिवारों पर सकल घरेलू उत्पाद का 62 प्रतिशत ऋण है।

दूसरे, कोरोना महामारी के खंडकाल के दौरान भारत में जमाराशि पर ब्याज की दरें भी बहुत कम थी जिसके कारण भारतीय परिवार वित्तीय बचत न करते हुए किसी तरह अपने दैनंदिन खर्चों की पूर्ति कर पा रहे थे। साथ ही, कोरोना महामारी के तुरंत बाद के खंडकाल में जब देश में आर्थिक स्थिति तेजी से सुधारने लगी एवं जब बैकों से प्राप्त की जा रही ऋणराशि पर ब्याज की दर बहुत कम थी तब कई परिवारों द्वारा बैकों से ऋण प्राप्त कर इस राशि का उपयोग मकान का निर्माण करने पर, बच्चों की शिक्षा पर एवं वाहन खरीदने पर खर्च किया जाने लगा। यह तर्क वित्तीय क्षेत्र के बचत एवं बैकों के ऋण सम्बंधी आंकड़ो से भी सिद्ध होता है। इस दौरान बैकों की वित्तीय देयताओं में 8.2 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज हुई है (इसमें परिवारों द्वारा व्यावसायिक बैंकों से उधर ली गई 7.1 लाख करोड़ रुपए की ऋणराशि भी शामिल है), जो शुद्ध वित्तीय बचत की राशि 6.7 लाख करोड़ रुपए से कहीं अधिक है। इस कारण से शुद्ध वित्तीय बचत की राशि में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशि से कमी दर्ज हुई है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत है। जबकि इस दौरान बीमा, प्रॉविडेंट एवं पेंशन फंड में 4.1 लाख करोड़ रुपए की राशि की वृद्धि भी दर्ज हुई है। परिवारों द्वारा बैंकों से ली गई उक्त वर्णित ऋणराशि में से 55 प्रतिशत राशि भौतिक आस्तियों जैसे मकान निर्माण एवं वाहन आदि खरीदने हेतु उपयोग किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2012 में भारतीय परिवारों की कुल बचत में भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत का हिस्सा 66 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2021 में घटकर 48 प्रतिशत रह गया था। परंतु इस प्रवर्ती में एक बार पुनः परिवर्तन होता दिखाई दे रहा है और भौतिक आस्तियों के रूप में की जाने वाली बचत का कुल बचत में हिस्सा वित्तीय वर्ष 2023 में 70 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय परिवारों की कुल बचत (वित्तीय एवं भौतिक आस्तियों में वृद्धि मिलाकर) वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में कहीं अधिक रहने की सम्भावना है।

भारतीय परिवारों द्वारा गृह निर्माण एवं वाहन खरीदने पर अधिक खर्च करने के चलते एवं कम ब्याज दरों के कारण वित्तीय बचतें प्रभावित हुई हैं हालांकि इससे परिवारों की भौतिक आस्तियों में जरूर बहुत अच्छी वृद्धि दर अर्जित की गई है। इससे अर्थव्यवस्था को गति ही मिली है। उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जिससे कम्पनियों द्वारा अधिक उत्पादन किया जा रहा है। विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन क्षमता के उपयोग में वृद्धि दर्ज हुई है जो आज लगभग 77 प्रतिशत तक पहुंच गई है। विनिर्माण इकाईयों में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। अतः कुल मिलाकर यदि परिवारों के भौतिक आस्तियों में अधिक वृद्धि दर्ज की जाती है तो यह अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर की कही जानी चाहिए।

भारतीय परिवार आज अपनी बचत का अधिक हिस्सा पूंजी निर्माण हेतु खर्च कर रहे हैं। गृह निर्माण एवं वाहन आदि खरीदने की मद पर अधिक खर्च किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में परिवारों की शुद्ध बचत का 60 प्रतिशत हिस्सा पूंजी निर्माण पर खर्च किया गया है, जो वित्तीय वर्ष 2015-16 में 53.2 प्रतिशत था, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह 68 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। साथ ही, परिवारों द्वारा बैकों एवं वित्तीय संस्थानों से मकान निर्माण हेतु एवं वाहन आदि खरीदने हेतु लिए जाने वाले ऋणराशि में भी वृद्धि दिखाई दे रही है, जो कि एक अच्छा संकेत है। एक अध्ययन प्रतिवेदन के अनुसार, मकान निर्माण हेतु ऋण एवं भौतिक आस्तियों में वृद्धि के बीच सामंजस्य दिखाई देता है। यदि मकान निर्माण हेतु ऋण में एक रुपए की वृद्धि होती है तो भौतिक आस्तियों में 2.12 रुपए की वृद्धि दर्ज होती है। इस प्रकार, भारत में परिवारों द्वारा बैंकों से लिए जा ऋण का उपयोग उत्पादक कार्यों के लिए किया जा रहा है। यहां यह वर्णित करना आवश्यक होगा कि भारतीय परिवार की परिभाषा में व्यक्ति, गैर सरकारी, गैर निगमित संस्थान जैसे व्यक्तिगत संस्थान, साझेदारी संस्थान आदि शामिल हैं।

अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने की बढ़ती घटनाएं

उत्तरप्रदेश में कंडक्टर मोहित यादव ने बस थोड़ी देर के लिए रुकवा दी क्योंकि कुछ लोग लघुशंका निवारण करते चाहते थे और कुछ नमाज पढना चाहते थे . नमाज पढ़ते हुए यात्रियों का वीडियो बना लिया गया . यादव और बस के ड्राईवर के खिलाफ शिकायत हुई और दोनों को निलंबित कर दिया गया . कुछ दिन बाद यादव ने आत्महत्या कर ली . उत्तरप्रदेश में ही एक प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका तृप्त त्यागी ने होमवर्क न करने के कारण एक मुस्लिम बच्चे को क्लास में खड़ा किया और फिर दूसरे बच्चों से कहा कि वे सब उसे एक-एक तमाचा मारें . अध्यापिका ने यह भी कहा कि मुस्लिम लड़कों को स्कूल छोड़ देना चाहिए . एक अन्य अध्यापिका मंजुला देवी ने दो मुस्लिम विद्यार्थियों, जो आपस में लड़ रहे थे, से कहा कि यह उनका देश नहीं है . कुछ स्कूलों से ऐसी खबरें मिलीं हैं कि हिन्दू बच्चे अपने मुस्लिम सहपाठियों को अपने साथ नहीं खिलाते . प्रजातंत्र की जननी भारत की संसद में हाल में इससे भी ज्यादा घृणास्पद घटनाक्रम हुआभाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सदस्य दानिश अली को मुल्ला, आतंकवादी, राष्ट्रद्रोही, दलाल और कटुआ कहा . इस मुद्दे पर भाजपा ने केवल अनमने भाव से खेद जताया है और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिधूड़ी को चेतावनी दी है

राम पुनियानी
लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हामोर्नी एवार्ड से सम्मानित हैं

पिछले कुछ महीनों में देश में कई ऐसी घिनौनी घटनाएं हुईं हैं जिनसे यह पता चलता है कि हमारे समाज में नफरत का जहर किस हद तक घुल चुका है और यह भी कि यह नफरत दिन-दोगुनी रात-चौगुनी गति से बढ़ती जा रही है. उत्तरप्रदेश में कंडक्टर मोहित यादव ने बस थोड़ी देर के लिए रुकवा दी क्योंकि कुछ लोग लघुशंका निवारण करते चाहते थे और कुछ नमाज पढना चाहते थे. नमाज पढ़ते हुए यात्रियों का वीडियो बना लिया गया. यादव और बस के ड्राईवर के खिलाफ शिकायत हुई और दोनों को निलंबित कर दिया गया. कुछ दिन बाद यादव ने आत्महत्या कर ली.

उत्तरप्रदेश में ही एक प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका तृप्त त्यागी ने होमवर्क न करने के कारण एक मुस्लिम बच्चे को क्लास में खड़ा किया और फिर दूसरे बच्चों से कहा कि वे सब उसे एक-एक तमाचा मारें. अध्यापिका ने यह भी कहा कि मुस्लिम लड़कों को स्कूल छोड़ देना चाहिए. एक अन्य अध्यापिका मंजुला देवी ने दो मुस्लिम विद्यार्थियों, जो आपस में लड़ रहे थे, से कहा कि यह उनका देश नहीं है. कुछ स्कूलों से ऐसी खबरें मिलीं हैं कि हिन्दू बच्चे अपने मुस्लिम सहपाठियों को अपने साथ नहीं खिलाते.

प्रजातंत्र की जननी भारत की संसद में हाल में इससे भी ज्यादा घृणास्पद घटनाक्रम हुआ. भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सदस्य दानिश अली को मुल्ला, आतंकवादी, राष्ट्रद्रोही, दलाल और कटुआ कहा. इस मुद्दे पर भाजपा ने केवल अनमने भाव से खेद जताया है और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिधूड़ी को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने इस तरह की हेट स्पीच फिर दी तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी. दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर हेट स्पीच देने और उन्हें अपमानित करने के लिए बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की. वहीं कई भाजपा सांसद और नेता अपने साथी के बचाव में आगे आए हैं और उन्होंने दानिश अली पर बिधूड़ी को भड़काने का आरोप लगाया है. मुख़्तार अब्बास नकवी ने कहा कि दानिश अली ने कांग्रेस में शामिल होने के लिए यह सारा नाटक किया है. यह महत्वपूर्ण है कि जिस समय बिधूड़ी अपना जहरबुझा भाषण दे रहे थे, उस समय दो पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन और रविशंकर प्रसाद हंस रहे थे. संसद में जो हुआ वह नफरत की राजनीति का चरमोत्कर्ष था. इस प्रकृति की जितनी घटनाएँ हो रही हैं, उनमें से बहुत कम सामने आ रही हैं. कोई भी संवेदनशील नजर आसानी से पढ़ सकती हैं कि मुस्लिम समुदाय में किस कदर डर, असुरक्षा और रोष का भाव व्याप्त है. मुसलमान हाशिये पर ढकेल दिए गए हैं और वे कुंठित और असहाय महसूस कर रहे हैं. दलितों, महिलाओं और आदिवासियों की आर्थिक बदहाली, उनका दमन और अपमान और उनके खिलाफ हिंसा भी उतनी ही डरावनी है. और यह सब बहुसंख्यकवादी राजनीति के परवान चढ़ने का नतीजा है.

क्या नफरत हमारे समाज के लिए नई चीज है? बिलकुल नहीं. मुस्लिम और हिन्दू सांप्रदायिक धाराएं अपने जन्म के बाद से ही दूसरे समुदाय के खिलाफ नफरत को हवा देती आईं हैं. इसी से देश में सांप्रदायिक हिंसा शुरू हुई. औपनिवेशिक काल में जिस तरह की सांप्रदायिक हिंसा हुई, वह उसके पहले राजे-रजवाड़ों की काल में होनी वाली शिया-सुन्नी या शैव-वैष्णव पंथिक हिंसा से बहुत अलग थी. आज जहाँ पाकिस्तान, हिन्दुओं और ईसाईयों के खिलाफ सांप्रदायिक नफरत से उबल रहा है वहीं भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है.

धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत का आख्यान, सांप्रदायिक संगठनों ने गढ़ा और मीडिया ने उसे गहराई और व्यापकता दी. हमारे नेताओं को मीडिया की इस भूमिका का काफी पहले से अहसास था. स्वामी श्रद्धानन्द की अब्दुल रशीद द्वारा हत्या की खुलकर निंदा करते हुए महात्मा गाँधी ने अपने पाठकों का ध्यान अखबारों की भूमिका की ओर दिलाया. यंग इंडिया के 30 दिसंबर 1926 के अंक में श्रद्धानंदजी द मारटेयर शीर्षक से प्रकाशित अपने लेख में उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने और समाज में नफरत और हिंसा का प्रसार करने में अखबारों की भूमिका के बारे में लिखा.

हिंसा का जहर फैलाने में प्रमुख सांप्रदायिक संगठन आरएसएस की भूमिका का खुलासा करते हुए तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने आरएसएस के मुखिया गोलवलकर को लिखी एक चिट्ठी में कहा थाः उनके (आरएसएस) सभी भाषण सांप्रदायिक जहर से भरे रहते थे. हिन्दुओं को उत्साहित करने के लिए या उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए संगठित करने के लिए, यह जहर फैलाने की जरुरत नहीं थी. इसी जहर के अंतिम नतीजे में देश को गांधीजी की अमूल्य जिन्दगी का बलिदान देखना पड़ा.

आज भी नफरत का स्त्रोत वही संगठन है जिसकी सरदार पटेल बात कर रहे हैं. इस नफरत को आरएसएस के विभिन्न अनुषांगिक संगठन बढ़ा रहे हैं. इस काम में कॉपोरेट-नियंत्रित गोदी मीडिया की भूमिका कम नहीं है. गोदी मीडिया सरकार के आगे नतमस्तक है और विपक्ष और सत्ताधारी दल के आलोचकों पर हमलावर है. सभी प्रमुख टीवी नेटवर्क कॉपोरेट घरानों ने खरीद लिए हैं और ये घराने सत्ताधारी दल के नजदीक हैं. हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के लक्ष्य को लेकर चल रही भाजपा ने एक सोशल मीडिया सेल खोला है और नफरत के अपने सन्देश को फैलाने के लिए लाखों व्हाट्सएप ग्रुप बनाये हैं. आश्चर्य नहीं कि इन हालातों में इंडिया गठबंधन को मजबूर होकर यह निर्णय लेना पड़ा कि उसके प्रवक्ता अलग-अलग चैनलों के 14 एंकरों की मेजबानी वाले टॉक शो में हिस्सा नहीं लेंगे. अपने आकाओं को खुश करने की होड़ में ये एंकर विपक्षी पार्टियों और अल्पसंख्यक समुदायों पर कीचड़ उछालने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते. वे पत्रकारिता की इस मूल सिद्धांत को भूल चुके हैं कि पत्रकारों को निष्पक्ष होना चाहिए और उनमें यह साहस होना चाहिए कि वे शक्तिशाली सत्ताधारियों के मुंह पर बेबाकी से सच बोल सकें.

हमारा गणतंत्र एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है. प्रजातंत्र की उच्चतम संस्था से नफरत फैलाई जा रही है. इसका हमारे सामाजिक जीवन, हमारे संवैधानिक मूल्यों और देश के लोगों के बीच भाईचारे पर क्या असर पड़ेगा? जिस बेशर्मी से रमेश बिधूड़ी का बचाव किया जा रहा है उससे साफ है कि उन्हें उनके शीर्ष नेताओं का वरदहस्त हासिल है. हेट स्पीच को रोकने का कोई प्रयास नहीं हो रहा है और ना ही नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही हो रही है. धर्मसंसदों के आयोजक और यति नरसिंहानंद जैसे लोग नफरत की दुकानें चला रहे हैं.

नरसंहार से जुड़े मसलों के अध्येता प्रोफेसर ग्रेगोरी स्टेंटन ने रवांडा के रेडियो के प्रसारणों को सुन कर यह भविष्यवाणी की थी कि वहां नरसंहार होगा. और 1994 में वही हुआ. उनके अनुसार, भारत में नरसंहार होने की सम्भावना एक से दस के स्केल पर आठ है. देश में जिस तरह की भयावह घटनाएं हो रहीं हैं, क्या उनकी निंदा करना, उन पर टिपण्णी करना ही पर्याप्त है? क्या हम मूक दर्शक बने रह सकते हैं? क्या संपूर्ण विपक्ष एक स्वर में हेट स्पीच की खिलाफत नहीं कर सकता? क्या भारत के संविधान के मूल्यों में यकीन रखने वाले राजनैतिक दल, सामाजिक संगठन और मानवाधिकार समूह, देश में भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं कर सकते? यह सब जल्द से जल्द होना चाहिए. पहले ही बहुत देर हो चुकी है.

मध्य प्रदेश के प्रति आशंकित भाजपा....?

ओम प्रकाश मेहता

अगले महीने देश के जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होना है, उन राज्यों को भारतीय जनता पार्टी तथा कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दलों ने 200 दिन बाद होने वाले लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल मान लिया है, भारतीय जनता पार्टी जहां इन पांच राज्यों में से केवल दो राज्यों पर सत्तारूढ़ है, वहीं कांग्रेस राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में शासनारूढ़ है, कांग्रेस जहां चुनाव वाले सभी पांच राज्यों पर कब्जा करने की जुगत में है, वहीं भाजपा अपनी सरकारें बचाए रखने की जुगत में है, इन राज्यों में से मध्य प्रदेश को दोनों ही प्रमुख दलों ने अहम माना है, इसलिए भाजपा मतदाताओं को नित नई विधाओं से प्रभावित करने में जुट गई है और उसने अपने भावी मुख्यमंत्रियों की फौज को टिकटें देकर मैदान में उतार दिया है, वहीं कांग्रेस राज्य के डेढ़ दशक से अधिक के भाजपा शासन काल के मुद्दे एकत्र कर अपना अभियान शुरू करने जा रही है, जिसकी कमान प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने ही संभाल रखी है।

अब यदि भाजपा व कांग्रेस की चुनाव प्रचार को मूल्यांकन की दृष्टि से देखा जाए तो थोड़ी जल्दबाजी होगी, वैसे इस दृष्टि से प्रदेश पर पिछले साढ़े 16 सालों से राज कर रही भाजपा कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा गंभीर नजर आ रही है, उसने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची में जहां तीन मौजूदा केंद्रीय मंत्री, पांच सांसदों और एक राष्ट्रीय महासचिव को टिकट देने की घोषणा कर दी है, जो भावी मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हो सकते हैं, वहीं कांग्रेस ने अभी तक अपनी पहली सूची भी तैयार नहीं की है, यद्यपि विधानसभा की टिकट प्राप्त भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव जी चुनावी मैदान में उतरने के बिल्कुल भी उत्सुक नहीं है, उन्होंने तो विमान से पार्टी के चुनाव प्रचार के सपने संजो कर रखे थे, जिसे उन्होंने स्वयं इजहार भी किया लेकिन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा की टिकट देकर भाजपा ने अपने भावी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा जरूर कर दी है, इसी तरह केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को भी विधानसभा की टिकट दी गई है, जबकि राज्यों में पिछले डेढ़ दशक से भी अधिक समय से मुख्यमंत्री की कुर्सी को सुशोभित करने वाले शिवराज सिंह जी को अभी तक यह भी नहीं बताया गया कि वह विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी भी होंगे या नहीं? या उन्हें संगठन का काम सौंपा जाएगा, इसीलिए शिवराज इन दिनों कुछ अनमने से हैं और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें कांग्रेस में आ जाने का निमंत्रण भी दे दिया है।

अर्थात, कुल मिलाकर मध्य प्

संक्षिप्त खबरें

अदा करें ऋण व ब्याज, वरना सम्बंधित के खिलाफ होगी कार्यवाही

बदायूँ : । जिला अल्पसंख्यक अधिकारी मु0 खालिद ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि उ0प्र0 अल्पसंख्यक वित्तीय एवं विकास निगम लिमिटेड 746 जवाहर भवन लखनऊ द्वारा कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी बदायूँ के माध्यम से जिन अल्पसंख्यक लाभार्थियों द्वारा ऋण प्राप्त किया गया है उनके द्वारा बकाया मूलधन व ब्याज की अदायगी हेतु किश्त जमा नहीं किया जा रहा है जिससे सम्बन्धित देनदारी निरंतर बढ़ती जा रही है। फलस्वरूप आर0सी0 आदि विधिक कार्यवाही शीघ्र शुरू होने वाली है। उन्होंनें समस्त अल्पसंख्यक वर्ग के ऋण धारकों व सम्बन्धित गारंटरों को सूचित किया है कि कलैक्ट्रेट स्थित जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर समस्त बकाया ऋण व ब्याज की अदायगी कर रसीद प्राप्त करें। अन्यथा कि स्थिति में किसी भी विधिक कार्यवाही की जिम्मेदारी सम्बन्धित तथा गारंटर की होगी।

गांधी जयन्ती पर होगा दौड प्रतियोगिता का आयोजन

बदायूँ : । जिला क्रीडाधिकारी अमित रिछारिया ने अवगत कराया कि खेल निदेशालय, उ0प्र0 के निदेशी के अनुपालन मे जिला खेल कार्यालय, बदायूँ के द्वारा 02 अक्टूबर, 2023 गाँधी जयन्ती के उपलक्ष्य मे दो वर्ग ओपन पुरुष/महिलों की 05 कि0मी0 एवं 03 कि0मी0 दौड प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 8:00 बजे से स्पोर्टस स्टेडियम बदायूँ के खेल मैदान मे कारायी जायेगी। विजेता खिलाड़ी को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये जायेगें। अधिक जानकारी हेतु जिला खेल कार्यालय बदायूँ से कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

फिरोजाबाद जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई पुलिस ने शवो का पोस्टमार्टम शुक्रवार को जिला अस्पताल में कराया है। थाना टूंडला क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक प्रोढ की मौत हो गई। वह कार से उतर कर दूसरी तरफ सड़क पार कर जा रहा था। उसी दौरान हादसा हुआ। थाना जसराना के क्षेत्र के मचन निवासी 55 वर्षीय विनोद कुमार पुत्र जगत सिंह गुरुवार को अपने बड़े भाई के नाती के जन्मदिन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आगरा गये थे। शाम को वह पारिवारजनों के साथ कार से वापस घर लौट रहे थे। टूंडला के समीप गाड़ी से उतरकर विनोद कुमार दूसरी कार में बैठने जा रहे थे। इस दौरान तेज गति से आ रहे हैं किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही कार में सवार उनके परिजन उतर कर आए। पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं दूसरी घटना थाना मक्खनपुर के गांव नगरिया मे गुरुवार की रात दो बाईकों की भिड़ंत में 32 वर्षीय अमित कुमार पुत्र रामकिशन निवासी जाफराबाद थाना मक्खनपुर की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को दोनो शवों का पोस्टमार्टम करा कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना से मिलेगा स्वदेशी गौपालन को बढ़ावा

प्रदेश में बढ़ेगी प्रतिव्यक्ति दुग्ध उपलब्धता, 05 वर्षों में प्रदेश बनेगा दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य

- 25 अक्टूबर तक लाभार्थियों का करें चयन, 15 हजार तक प्रोत्साहन राशि

प्रात : किरण, संवाददाता

बदायूँ : । कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि स्वदेशी नस्ल की गायों को पालने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की है, इसके लिए जनपद को वार्षिक 107 व मासिक 27 का लक्ष्य है। उन्होंने 25 अक्टूबर तक लाभार्थियों को चयन करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत आगामी 05 वर्षों में प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाये रखने का संकल्प लिया गया है। स्वदेसी गायों यथा गिर, साहीवाल, हरियाणा, गंगातीरी तथा थारपारकर की नस्ल सुधार, उनकी बेहतर देखभाल, गुणवत्तायुक्त पोषण एवं स्वास्थ्य प्रतिरक्षा के प्रति प्रेरित करने, दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि कर पशुपालकों की आय में वृद्धि करने तथा प्रदेश में प्रतिव्यक्ति दुग्ध उपलब्धता बढ़ाकर राष्ट्रीय स्तर पर लाने के उद्देश्य को दृष्टिगत कार्य किए जा रहे हैं। उप दुग्धशाला विकास अधिकारी बीएस बघेल ने बताया कि राज्य सरकार के लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत आगामी 05 वर्षो में प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाये रखने हेतु ग्रामों में दुग्ध सहकारी समितियों गठित कर दुग्ध उत्पादकों को ग्रामों में ही उनके दुग्ध के उचित मूल्य पर विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराये जाने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश के संगठित क्षेत्र द्वारा मार्केटेबल सरप्लस दुग्ध का लगभग 10 प्रतिशत दुग्ध ही प्रसंस्कृत किया जा रहा है, जबकि भारत का औसत दुग्ध प्रसंस्करण 17 प्रतिशत है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत ग्रामों में दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर दुग्ध उत्पादकों को उनके ग्रामों में ही दुग्ध के उचित मूल्य पर विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराये जाने पर कार्य किया जा रहा है। जिला दुग्धशाला विकास अधिकारी डीपी सिंह ने बताया कि आवेदनकर्ता को आवेदन गाय की ब्याँल की तिथि से 45 दिन के अन्दर करना होगा। अधिकतम दो गायों के लिए एक बार प्रोत्साहन का लाभ देय होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन योजना अन्तर्गत 08 से 12 किलोग्राम तक 10 हजार रुपए तथा 12 किलोग्राम से अधिक पर 15 हजार रुपए प्रोत्साहन की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि दुग्ध मिशन के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन अथवा जनपद के मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, एडीएम ई वीके सिंह, महाप्रबंधक दुग्ध संघ बरेली मनीष सिंह, वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक सूरज पाल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विश्व हृदय दिवस पर श्री वेंक्टेश्वरा में राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। विश्व हृदय दिवस पर वेंक्टेश्वरा समूह मेरठ एवं विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल गजरौला के संयुक्त तत्वाधान में रोल ऑफ बैलेन्स लाईफ ईन कार्डियक हैल्थ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तो के एक दर्जन से अधिक वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञो एवं चिकित्सको ने प्रतिभाग किया। सेमीनार के पश्चात चिकित्सको ने संस्थान परिसर में हृदय स्वास्थय के प्रति लोगो को जागरुक करने के उददेश्य से जागरुकता रैली निकालकर लोगो को स्वस्थ हृदय के लिए संयमित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विश्व हृदय दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार का शुभारम्भ वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एम0एस0 राजू , डीन एकेडमिक डॉ0 संजीव भट्ट, मुख्य वक्ता विख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 डा0 वी0 के0 सक्सेना, डॉ0 एना ब्राउन ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि ने कहा कि मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग होने के नाते हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम योग/व्यायाम, संतुलित खानपान, धूम्रपान निषेध, आदि द्वारा इसकी सेहत का विशेष ख्याल रखे। अपने सम्बोधन में मुख्य वक्ता कार्डियोलोजिस्ट डॉ0 जी0एल0 जग्गी ने बताया कि बिगडती दिनचर्या एवं असंतुलित खानपान, जंक फूड, धूम्रपान, तनाव, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मदिरापान, प्रदूषण आदि हृदयघात के प्रमुख कारण है। नियमित दिनचर्या एवं संतुलित खानपान से लम्बे समय तक हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ0 मानिक त्यागी ने कहा कि आधुनिक समय में हृदय को स्वस्थ रखने के लिए योग एवं आध्यात्म का महत्वपूर्ण रोल है। नियमित योग एवं ध्यान से तनावमुक्ति के साथ-2 हृदय स्पन्दन अच्छा रहता है। इसके बाद सभी सम्मानित चिकित्सको को शॉल भेट कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान सलाहकार डॉ0 प्रो0 वी0पी0एस0 अरोरा, सी0ई0ओ0 अजय श्रीवास्तव, हॉस्पिटल मैनेजमेन्ट एम0ए0 चौधरी, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप, उप चिकित्साधिकारी डॉ0 मानिक त्यागी, डॉ0 इकराम ईलाही, डॉ0 शाहिद मीर, डॉ0 अवधेश शर्मा, डॉ0 वारिस बिलाल, डॉ0 बी0वी0 वोरा, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 दिव्या गिरधर, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 एना ब्राउन, अरूण गोस्वामी, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि मौजूद रहे।

यूनिसैफ द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लिए सभासदों का अभिमुखीकरण

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर= नगर पालिका परिषद रामपुर के सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु सभासदगण का अभिमुमुखीकरण किया गया जिसमें सभी सभासदों को संचारी रोगों के विषय में बताया गया जिसमें सभी सभासदों को संचारी रोगो के विषय में जानाकरी दी गई तथा संचारी रोगों से बचाव के विषय में बताया गया इस अवसर पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ० दशरथ सिंह, यूनिसेफ से डी.एम. सी संदीप सक्सेना, यूनिसेफ से डी. एम.सी सोबान राशिद खाँन जिला कॉर्डिनेटर अनादिल खान तथा डॉ प्रदीप उपस्थित रहे डी.एम.सी संदीप सक्सेना द्वारा समस्त सभासदों को संचारी रोगों के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 3 अक्टूबर से प्रारम्भ होर 31 अक्टूबर 2023 तक चलाया जाना प्रस्तावित है जिसमें संचारी रोगों जैसे मलेरिया, डेंगू, दिमागी बुखार तथा मच्छर प्रजनन को रोकने हेतु नालियों की सफाई जल जमाव का निस्तारण, फॉगिंग इत्यादि करानी आवश्यक है ।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ० दशरथ सिंह द्वारा समस्त सभासदों को निर्देशित किया गया कि संचारी रोगों से बचाव हेतु तथा इस अभियान को सफल बनाने हेतु प्रत्येक सभासद द्वारा अपने क्षेत्र में नालियों की सफाई, फॉगिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव, जल जमाव का निस्तारण आवश्यक कराया जाए।

रामपुर के विकास में कोई कमी आने नहीं दी जाएगी: लोक निर्माण मंत्री जतिन प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर। कैबिनेट मंत्री लोक निर्माण विभाग जितिन प्रसाद ने कहा कि रामपुर के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी सड़के पहुंचाई जाएगी । वह कोसी मंदिर रोड स्थित उत्सव पैलेस में सभा को संबोधित करने आए थे। सर्वप्रथम जितिन प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया भाजपा पदाधिकारियों ने बड़ी माला एवं बुके देकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। जितिन प्रसाद ने बड़ी संख्या में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों ने रामपुर का इतिहास बदला है अब रामपुर का विकास कर इसको बदल जाएगा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विकास की किरणें सभी तक पहुंचे। लेकिन आपकी भी जिम्मेदारी है की 2024 में विकास के लिए अपनी सहमति की मोहर लगाऐ। उन्होंने अवगत कराया कि लोकप्रिय सांसद घनश्याम सिंह लोधी ने कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने एवं नगर विधायक आकाश सक्सेना ने सड़क एवं सेतु निर्माण हेतु प्रस्ताव दिए हैं उन कार्यो को प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाएगा उन्होंने कहा कि रामपुर में जितने विकास कार्य किया जा रहे हैं वह अन्य जिलों की अपेक्षा अधिक प्राथमिकता पर किए जा रहे हैं मोदी जी और योगी जी का भी रामपुर की ओर विशेष ध्यान है उनके आश्वासन पर जन समुदाय ने हर्ष ध्वनी व तालिओ के साथ आभार प्रकट किया। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि इतने विकास कार्य इतनी सुगमता से नहीं होते हैं जितनी प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं उन्होंने लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर एवं सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर को मंच पर बुलाकर चल रहा है कराओके प्रगति के बारे में जानकारी की एवं नवीन कार्यों के लिए शीघ्र रिपोर्ट तैयार कर आतिशीघ्र निर्माण करने के निर्देश दिए साथ ही साथ यह भी चेताया कि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोई शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्यों के शिलापट्ट का अनावरण किया । सभा को संबोधित करते हुए कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने जितिन प्रसाद का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आपके रहते हैं रामपुर के विकास कार्यों को गति मिली है आपकी शीघ्र स्वीकृति भी मिल जाती है और शीघ्र ही कार्य भी पूर्ण किए जाते हैं उन्होंने बिलासपुर क्षेत्र की अनेक कुशल को एवं सेतु निर्माण हेतु प्रस्ताव भी मंत्रीजी को दिये। लोकप्रिय सांसद घनश्याम सिंह लोधी में संबोधित करते हुए कहा कि जनता ने मुझे चुना है एवं अपना समर्थन एवं सहयोग दिया है मेरा पूर्ण प्रयास है कि जनपद का सर्वांगीण विकास हो कुछ कार्य तो सांसद निधि से खो जाते हैं एवं बड़े कार्य हेतु नितिन प्रसाद जी का सहयोग चाहिए जो पहले भी मिलता रहा है और आगे भी मिलेगा उन्होंने कहा कि इस बार मुझे थोड़ा कम समय मिला है लेकिन जहां तक भी संभव हुआ है वहां विकास कार्य कराए जा रहे हैं बाकी विकास कार्य आगे जारी रहेंगे। नगर विधायक आकाश सक्सेना ने कहा कि रामपुर में पहले व्यक्ति विशेष का विकास होता था आप जन समुदाय का रामपुर का विकास हो रहा है। एक व्यक्ति के चलने के लिए सैकड़ो करोड रुपए का सेतु निर्माण कराया गया जिसके नीचे ना कोई नदी -- नाहीं कोई ट्रेन गुजर रही है। उन्होंने भी नगर के सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव दिया। जिलाध्यक्ष हंसराज पप्पू ने सभा को संबोधित करते हुए लोग कैबिनेट मिनिस्टर का अभिनंदन किया एवं उनका रामपुर के विकास में सहयोग करने एवं रामपुर आगमन पर उनका आभार प्रकट किया। सभा का संचालन अशोक बिश्नोई ने किया। जिला अध्यक्ष हंसराज पप्पू, सांसद घनश्याम सिंह लोधी,कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, विधायक आकाश सक्सेना, सूर्य प्रकाश पाल, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, जिला प्रभारी राजीव सिसोदिया , मोहनलाल सैनी, अभय गुप्ता, बीना भारद्वाज, शकुंतला लोधी, कुलवंत सिंह औलख, अर्चना गंगवार, मोहित सैनी, युसुफ अली युसूफ, रवि सिंह रवि, राजीव मांगलिक, प्रेम शंकर पांडे, सतनाम सिंह, मोहन लोधी, संजय पाठक, सुनीता सिंह सैनी, पारुल अग्रवाल , श्रीष गुप्ता, आदि उपस्थित थे। सभा के पश्चात जितिन प्रसाद ने मोहम्मद जौहर अली रोड स्थित सर्किट हाउस का निरीक्षण एवं अधिकारियों से मंत्रणा की उसके पश्चात कोसी नदी पर लालपुर /टांडा मार्ग सेतु का लोकार्पण किया।

रेडराड रोग से बचाव के लिए कार्यशाला एवं पहचान और निदान हेतु कृषक गोष्ठी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। गन्ने में रेडराड यानि कि गन्ने का लाल सड़न रोग का प्रकोप क्षेत्र में दिखाई देने लगा है जो एक बहुत ही चिन्ता का विषय है। यह रोग पोनग्रसित प्लॉट से पीसने के कारण बहुत अधिक मात्रा में फैलता हुआ दिख रहा है। इस समय बड़ी फसल में इसका निदान होना अत्यन्त आवश्यक है अन्यथा पूरा क्षेत्र गन्ने की लाल सड़न रोग से प्रभावित हो सकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए चीनी मिल चन्दनपुर के सभागार में गन्ने की फसल में फैल रही इस रेडरोट की भयंकर बीमारी के लिए जागरूकता एवं बचाव हेतु रेडरोंट कार्यशाला-पहचान और निदान विषय पर कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता गन्ना शोध परिषद मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पादप रोग विज्ञानी डॉ० अवधेश कुमार डागर थे जिन्होंने रेट रोग के बारे में विस्तार से मौके पर लाये गये रेडरों से प्रभावित गन्नी के माध्यम से उपस्थित कृषको को इस रोग की पहचान और इस समय इसके निदान के लिये कर सकते हैं तथा आगामी बुवाई पर हमारी फसल खराद बीमारी से प्रभावित न हो इसके लिये क्या करना चाहए के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इसके साथ ही साथ कृषकों द्वारा पूछे गये सवालों का भी जबाव देकर संतुष्ट किया गया।कृषक गोष्ठ में उपस्थित गन्ना विकास परिषद चन्दनपुर के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक देवेन्द्र कुमार तिवारी ने गन्ना विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में और रेवरोंट से सावधान रहने के विषय में अवगत कराया।साथ ही कृषकों को बताया कि उपज बढ़ोत्तरी के आवेदन की एवं नये सदस्यों की सदस्यता रसीद कटने की आज अन्तिम है अतः समय रहते अपनी रसीद कटवा लें। गोष्ठी के शुरू में चीनी मिल के वरिष्ठ प्रबन्धक (गन्ना) प्रमोद कुमार ने रेडरोट के भयंकर परिणाम एवं कई साल तक इससे होने वाली आर्थिक क्षति पर चर्चा की महाप्रबन्धक सहरावत के द्वारा कृषकों से अनुरोध किया कि रेडरॉट बीमारी के प्रति सचेत रहे और बताये जा रहे उपायों को करें साथ ही साथ कृषकों को यह भी सलाह दी कि खड़े गन्ने की पत्ती न उतारे इससे पैदावार में कमी आती ही है साथ ही फसल में रोग व कीटों का प्रकोप भी अधिक बढ़ जाता है। इस रेडरोट कार्यशाला-पहचान और निदान में लगभग 120 कृषकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संचालन चीनी मिल के उप महाप्रबन्धक (गन्ना) श्री एके तिवारी जी के द्वारा किया गया और बताया गया कि चीनी मिल द्वारा रेडरॉट की रोकथाम के लिये बीज शोधन दवायें 75 प्रतिशत भूमि शोधन दवायें 50 प्रतिशत और ब्लीचिंग पाउडर 100 प्रतिशत छूट पर किसानों को मुहैया कराया जा रहा है।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

अगले बरस तू जल्दी आ के उद्घोषों के साथ निकली बप्पा की सवारी

प्रात : किरण संवाददाता

मसवासी= अनंत चतुर्दशी के मौके पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक 10 दिन तक लगातार मंदिरों एवं घरों पर स्थापित गणेश प्रतिमाओं की पूजा अर्चना की गई इसके बाद गणेश मूर्तियो का विसर्जन सुल्तानपुर पट्टी स्थित कोसी नदी में किया गया इस मौके पर काफी संख्या में महिलाएं भी जुलूस में शामिल रही तथा मुख्य बाजारों से रंग अबीर गुलाल लगाकर गणेश भजनों की धुनो पर महिलाएं तथा पुरुषों ने जमकर नृत्य किया तथा नगर के मोहल्ला भूबरा चाऊपूरा एवं मसवासी के मुख्य बाजारों से होता हुआ जुलूस सुल्तानपुर पट्टी स्थित कोसी नदी में गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया इसके अलावा ग्राम बिजारखाता शिव मंदिर से भी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कोसी नदी में किया गया ।

निर्विरोध राशन डीलर चुनी गईं चंचल कुमारी, ग्रामीणों ने किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

गंगेश्वरी।सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से राशन कार्ड धारको को राशन वितरण करने के लिए विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ईटा गरगज में राशन डीलर को चुनने के लिए एडीओ समाज कल्याण प्रमोद कुमार एवं ग्राम विकास अधिकारी दिनेश सैनी तथा ग्राम प्रधान जयपाल सिंह की निगरानी में चुनाव कराया गया। चुनाव के दौरान 27 वर्षीय चंचल कुमारी को निर्विरोध राशन डीलर चुना गया। चंचल कुमारी को निर्विरोध राशन डीलर चुने जाने के बाद ग्राम वासियो ने उनका स्वागत किया और उनको बधाई दी।राशन डीलर चुने जाने के बाद चंचल कुमारी ने ग्राम वासियो से कहा कि प्रत्येक माह समय अनुसार राशन कार्ड धारको को पूरा राशन वितरण किया जाएगा। ग्राम वासियो ने भी नव नियुक्त राशन डीलर पर समय से पूर्ण राशन मिलने का भरोसा जताया है।इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार,राम सिंह सैनी, गिरीश पाल, जय करण सिंह, विनोद, उमेश, गणेश, रज्जू, दुष्यंत कुमार, योगेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह,पवन कुमार, गौरव कुमार, सौरभ कुमार, सोमपाल, समरपाल,भोकन सिंह, मनोज कुमार, चमन सिंह, प्रमोद कुमार, सतवीर सिंह, सुमित कुमार, अमित कुमार, विनोद कुमार, सतपाल सिंह, बलबीर सिंह, ऋषिपाल सिंह, मीनाक्षी सागर, संतरेश, पूनम देवी, पिकासो, सर्वेश, जगवती,रेखा,कुसुम, रजनी, सोमवती, रामवती, गुड्डी नरेश देवी, प्रवेश, सुशीला आदि मौजूद रहे।

दसलक्षण पर्व के समापन पर जैन समाज ने निकाली भव्य रथयात्रा

- पारस प्यारा, एवं प्रभु रथ पर हुए सवार मधुर गीतों ने वातावरण किया भक्तिमय

प्रात : किरण संवाददाता

मसवासी। नगर में पर्यूषण पर्व के अवसर पर दसलक्षण पर्व के समापन पर जैन समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसने सभी का मन मुग्ध कर दिया रथ यात्रा में अनेक रथ और झांकियां, मिकी माउस भी आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे बाजार को बैनर और झंडो से सजाया गया था रथ यात्रा मुख्य बाजारों से होती हुई काशीपुर बाजपुर मार्ग स्थित नगर पंचायत कार्यालय के सामने जैन समाज की भूमि पर पहुंची रथ यात्रा में रथ पर महावीर भगवान के साथ अतुल जैन तथा चार इंद्र सवार थे रथ यात्रा के पहुंचने पर श्री जी का 1008 का कलशो से मस्तकाभिषेक किया गया तथा नृत्य एवं प्रतियोगिता भी आयोजित की गई तथा पुरस्कार वितरण भी किए गए। तथा नगर पंचायत अध्यक्ष दिनेश गोयल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।इस मौके पर जैन समाज के अध्यक्ष सर्वेश जैन मंत्री नितिन जैन सार्थक जैन तरुण जैन विनय जैन विपिन जैन राजीव जैन अजय जैन अरनव जैन सुमेर जैन रविंद्र जैन नेहा जैन रुचि जैन अमिता जैन श्वेता जैन खुशबू जैन अंकुर जैन प्रीति जैन धर्मेंद्र जैन ऋषभ जैन हर्षित जैन आदि रहे भगवान महावीर जी के रथ यात्रा के साथ पुलिस चौकी मसवासी इंचार्ज हरेंद्र कुमार भी मय पुलिस फोर्स के सुरक्षा की दृष्टि से साथ रहे ।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरुक

लखीमपुर खीरी, एजेंसी

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के निकट पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत महिलाओं/बालिकाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अपराधों एवं उनके उत्पीड़न की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद खीरी के समस्त थानों की महिला बीट आरक्षियों एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों/कस्बों/बस अड्डा/सार्वजनिक स्थानों/प्रमुख चौराहों/प्रमुख बाजारों/मन्दिर/शिवालयों/शापिंग मॉल आदि के आस-पास गश्त/चेकिंग करते हुए महिलाओं व बालिकाओं को आत्मसुरक्षा के लिये जागरुक किया जा रहा है तथा उनकी सुरक्षा के सम्बंध में वार्ता कर संदिग्धों की चेकिंग कर आवश्यक हिदायत जा रही है। साथ ही समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांव, कस्बों एवं सार्वजनिक स्थानों, मिशन शक्ति कक्ष पर बालिकाओं/महिलाओं की गोष्ठी करके उच्चाधिकारियों के नम्बर व नारी सुरक्षा/मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न हेल्प लाइन नम्बर वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 व साइबर हेलपलाइन 1930 तथा थानों के सीयूजी नम्बर आदि के बारें में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर बिना कारण घूमने वाले लड़कों/शोहदों की चेकिंग की जा रही है तथा सख्त हिदायत दी जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 29.09.2023 को थाना नीमगाँव, थाना गौरीफंटा, महिला थाना खीरी, थाना शारदानगर, थाना खमरिया, थाना मितौली व थाना फूलबेहड़ सहित विभिन्न थानों द्वारा क्षेत्र में महिलाओं/बालिकाओं की गोष्ठी करके उन्हें राज्य सरकार द्वारा निर्गत मिशन शक्ति अभियान से संबंधित आदेश-निर्देश से अवगत कराया गया तथा साइबर क्राइम के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबर्स एवं जरूरी सूचनाओं, कल्याणकारी योजनाओं एवं सुरक्षा संबंधी जानकारियों सहित बुकलेट/पम्पलेट भी वितरित किया गया।

जिलाधिकारी ने कौशल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

मथुरा, एजेंसी

जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी ने भौगोलिक स्थिति के अनुरूप योजना बनाए जाने के साथ ही युवाओं को विशेषकर लाभ देने के निर्देश दिए। स्किल डेवलपमेंट के तहत ऐसे विभागों को चिह्नित किया जाए, जिससे युवा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। जिलाधिकारी ने प्रभावी व योजनाबद्ध बिंदुओं को शामिल करते हुए प्रगति मुख्य विकास अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी योजनाएं बनाएं, जिससे युवाओं को लाभ मिले, साथ ही योजना बनाते समय जनपद की भौगोलिक परिस्थितियों का भी ध्यान रखें। कौशल विकास योजना को स्पष्ट खाका तैयार किए जाने पर जोर दिया। सभी प्रशिक्षण केंद्र जनपद में स्थापित उद्योगों के अंतर्गत युवक व युवतियों को प्रशिक्षण दें, जिससे जनपद में ही रोजगार उपलब्ध कराएं जा सकें और सरकार की मंशा के अनुरूप रोजगार सर्जन कराने में जिला प्रशासन उद्योगपतियों के साथ अहम भूमिका निभा सके। सभी प्रशिक्षण केंद्र बच्चों की अटेंडेंस, पंजीकरण तथा सेवा योजन कार्यालय में पंजीकरण कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, उपायुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक भास्कर मिश्रा सहित सभी प्रशिक्षण केन्द्रों के संचालक मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

महाविद्यालय प्रवेशद्वार का कुलपति ने फीता काट किया शिलान्यास

भागलपुर। टीएमबीयू परिक्षेत्र स्थित मारवाड़ी महाविद्यालय प्रांगण प्रवेशद्वार निर्माण को लेकर कुलपति डॉ. जवाहर लाल के द्वारा फीता काटकर विधिवत रूप से नए गेट का शिलान्यास किया गया। वही कॉलेज प्रांगण में प्रवेश हेतू नए गेट का निर्माण उद्योगपति शंभू दयाल खेतान के द्वारा 11 लाख की लागत से किया जा रहा है। मारवाड़ी कॉलेज प्रांगण प्रवेश द्वार हेतू संबंधित गेट द्वार पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसको लेकर कॉलेज के प्राचार्य के द्वारा उद्योगपति से आग्रह किया गया था, जिसके बाद उन्होंने मुख्य द्वार निर्माण कार्य शुरू किये जाने को लेकर आवंटित राशि दी। जिसके लिए विधिवत रूप से भूमि पूजन के साथ शीला पठ का कुलपति द्वारा उद्घाटन किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य के अलावा दर्जनों शिक्षाविदित कर्मियों सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

बिजली चोरी में पांच लोगों पर लगा जुर्माना

गंगटा (मुंगेर)।प्रातः किरण संवाददाता। खड़गपुर थाना क्षेत्र एवं गंगटा थाना क्षेत्र में विद्युत विभाग कनीय अभियंता राजीव कुमार के द्वारा जांच अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान में पांच लोगों के ऊपर जुमार्ना के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया गया। बता दे की पश्चिमी रमणकाबाद का मुखिया छोटेलाल तुरी के ऊपर बिजली चोरी के आरोप में 1लाख 74 हजार 7 सौ 59 रुपए का जुमार्ना किया गया है। इसके अलावा ग्राम छोटकी हथिया निवासी रामचंद्र यादव के ऊपर 46हजार 676 रुपये तथा गंगटा थाना क्षेत्र के गंगटी निवासी प्रमोद शाह के ऊपर 31090 एवं ग्राम परमानंदपुर निवासी सत्यदेव मरांडी के ऊपर 24 हजार 610 एवं वासुदेवपुर निवासी महेश तांती के ऊपर 410213 रुपए का जुमार्ना किया गया।

जीविका द्वारा लगेगा रोजगार सह मार्गदर्शन मेला

संग्रामपुर (मुंगेर)।30 सितंबर शनिवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित अंबेडकर भवन में प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई जीविका संग्रामपुर के द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत ग्रामीण बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए रोजगार सह मार्गदर्शन मेला लगेगा। जिसको लेकर जीविका के द्वारा युद्ध स्तर पर उसकी तैयारी की जा रही है। युवक एवं युवतियों के प्रशिक्षण के लिए दो कंपनी और रोजगार के लिए कुल दस लिमिटेड कंपनी रोजगार सह मार्गदर्शन मेला में भाग लेंगी। इस रोजगार मेला में पांचवी कक्षा से उच्च कक्षा तक के 18 से 50 वर्ष के अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। रोजगार मेला के माध्यम से गैर सरकारी कंपनियों के द्वारा सीधी भर्ती, प्रशिक्षण व रोजगार के अंतर्गत निबंधन कर बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक रहेगी। उक्त बातों की जानकारी प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका निर्भय कुमार ने दी।

ठाकुरों पर किये गये व्यंग्य पर लोजपा नेता ने जताया कड़ा विरोध

पूर्णिया। राष्ट्रीय लोजपा के वरिष्ठ नेता माधव सिंह ने राज्यसभा सांसद मनोज झा द्वारा राज्यसभा में कविता के जरिए ठाकुरों पर व्यंग्य करने का कड़ा विरोध किया है। रालोजपा नेता माधव सिंह ने इसे कुंठित मानसिकता का परिचायक बताया है। उन्होंने कहा कि किसी जाति समाज विशेष जिसमें क्षत्रियों पर जिसको ठाकुर कहा जाता है, जिस समाज ने इस भारत भूमि की रक्षा के लिए, धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया उस ठाकुर पर व्यंग्यात्मक लहजे में संसद में बात रखना दुर्भाग्यपूर्ण है। माधव सिंह ने कहा कि राजद की शुरू से ही राणनीति समाज को बांटने की रही है। राजद सासंद मनोज झा को ठाकुरों को लेकर बयान अपमानजनक और समाज के लिए विभाजनकारी बताया। उन्होंने कहा कि मनोज झा के बयान को राजपूत समाज किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा।

महासचिव के थैला में चल रहा है विधिज्ञ संघ का कार्यालय : श्री सिन्हा

मुंगेर (प्रातः किरण ब्यूरो)। विधिज्ञ संघ खड़गपुर के आंतरिक विवाद के चलते अब तक वर्तमान अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष को प्रभार नहीं मिला है। इस कारण विधिज्ञ संघ खड़गपुर की प्रशासनिक काम काज समय पर निष्पादन नहीं हो पा रहा है। इसकी जानकारी वर्तमान अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने एक भेंट वार्ता में विधिज्ञ संघ कार्यालय परिसर में दिया। उन्होंने कहा कि विधिज्ञ संघ खड़गपुर की द्वार्षिक आम चुनाव करीब 06 माह पूर्व ही हो चुका है। लेकिन तत्कालीन अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष के द्वारा वर्तमान के अध्यक्ष और कोष अध्यक्ष को अपना प्रभार नहीं सौंप हैं। इस वजह से संघ के प्रशासनिक काम काज का निपटारा समय पर नहीं होने से सभी आधिवक्ता को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान अध्यक्ष ने यह भी बात बताया कि पूर्व के संघ कमिटी अब तक घर और थैला में ही चल रहा है, जो पूर्व के अध्यक्ष, महासचिव और कोष अध्यक्ष के घर से संचालित हो रहा है।

गुप्त सूचना के तहत कपड़ा दुकान पर पुलिस ने दी दबिश : एसपी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला एसपी को मिली गुप्त जानकारी के आलोक में एलटीएफ व नवगछिया पुलिस की संयुक्त टीम ने स्थानीय तेतरी दुर्गा मंदिर के समीप एक कपड़े के दुकान से पाँच पुड़िया स्मैक, पाँच पुड़िया गांजा व शराब की बरामदगी की है। पुलिस टीम ने मौके पर नशे के कारोबारी व दुकानदार रोहित कुमार मण्डल को गिरफ्तार कर लिया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि एसपी को उनके दूरभाष पर गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कपड़े के व्यवसाय की आड़ में नशे का गोरखधंधा फल फूल रहा है। उक्त सूचना मिलने के बाद एसपी ने त्वरित एक छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम में नवगछिया थानांध्यक्ष इंस्पेक्टर भारत भूषण, एलटीएफ के जयप्रकाश पंडित सहित जवानों को मामले की सत्यता जांच के साथ आवश्यक कार्रवाई हेतू निर्देश दिये। वही उक्त सूचना के आलोक में तेतरी दुर्गा मंदिर के प्रांगण में चल रहे कपड़ा दुकान पर दबिश दे कर पुलिस टीम ने स्वांस मादक पदार्थ गांजा, स्मैक व शराब की बरामदगी की। वही मामले को लेकर तेतरी इलाके के ग्रामीणों ने बताया कि रोहित मण्डल द्वारा अपने कपड़ा दुकान की आड़ में नशे के गोरखधंधा चला रहा था, वही नशे के कारोबार को लेकर काफी समय से शराब, स्वांस मादक पदार्थों (गांजा) के अलावा स्मैक के कारोबार व तस्करी कर रहा था। वह अपने चार पहिये की गाड़ी से शराब झारखंड से लाकर उसका सप्लाई करता था। यह धंधा काफी दिनों से चल रहा था। उत्तर बिहार के शक्ति पीठ कहे जाने वाले तेतरी दुर्गा मंदिर के समीप कपड़े की दुकान में नशे के कारोबार के चलने से लोगो में काफी रोष दिख रहा था। वही लोगो ने कहा कि नशे के समान की बरामदगी के बाद भी संध्या के समय तक दुकान को सील नही किया गया है, जो पुलिस की लापरवाही दशार्ता है। एसपी को इस पर तत्काल एक्शन लेना चाहिए। वही नवगछिया थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर भारत भूषण ने कहा कि कपड़े के दुकान से पाँच पुड़िया स्मैक, पाँच पुड़िया गांजा व शराब की खेप की बरामदगी हुई है, साथ ही नशे के कारोबारी को भी मौके से गिरफ्तार किया गया है। वही संबंधित पुलिस टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई प्रक्रिया के साथ बरामद सामानो की जप्ती सूची तैयारी के साथ गिरफ्तार युवक के विरुद्ध मामला दर्ज कर मेडिकल जांच के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

तीन दिनों की हुई बारिश ने सड़कों के निर्माण की ब पोल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। दक्षिणी क्षेत्र के विकास मार्ग में वर्षो से सड़कों की हालत में सुधार नहीं हो सका है, इस क्षेत्र इलाके में स्थित सड़क की हालत किसी से छुपी नहीं है। सरकार के द्वारा कई बार सड़कों के निर्माण कार्य में करोड़ों रुपये के खर्च कर रही हैं।

लेकिन उसकी वास्तविक गुणवत्ता की हकीकत बारिस के साथ ही लोगों के सामने दिखाई देती नजर आती हैं। वही क्षेत्र इलाके के सड़को पर नाले से निकलने वाली गंदगी भरी पानी का बहाव हो या फिर मौसम के बदलाव के साथ हुई बारिश में सड़क की गुणवत्ता वास्तविक हकीकत की पॉल खोल कर रख दी है। वही वर्तमान समय में हो रही लगातार बारिश ने एक बड़ी साजिश का भी खुलासा कर दिया है। अगर बात करें तो भागलपुर जिले के स्मार्ट सिटी को जोड़ने वाली सड़क मार्ग की है। शहरी क्षेत्र के आबादी के बीच दक्षिणी इलाके के लोगों का दर्द देखने लायक होता है। जिसमें भोलानाथ रेल पूल, बौंसी रेल पुल और मुख्य सड़क मार्ग पर सालो पानी भरा हुआ दिखाई देता है, साथ ही बायपास सड़क, एनएच 80 की भी हालत की बात करें तो लागातर बारिश ने संबंधित विभाग के कार्यशैली की पोल खोल कर रख दी है। वही कहलगांव से पीरपैंती व मिजाचौकी तक की सड़क पर आम लोगों का चलना दूभर हो गया है। भागलपुर जिला के एनएच 80 ही एक मात्र सड़क मार्ग है जो पूर्वी क्षेत्र भाग यातायात व्यवस्था का मार्ग है, लेकिन जब भी एनएच 80 मार्ग पर सड़क बनता है तो कुछ समय के बाद ही सड़क टूट कर गड्ढों में तब्दील हो जाता है। वही इस सड़क मार्ग को फ्लड प्रोन जोन और ओवर लोडिंग स्टोन चिप्स वाली ट्रक व वसूली ने सड़क का बंटाधार कर दिया है। निर्माण एजेंसी मेंटेनेंस से ज्यादा अंडर टेबुल ट्रीटमेंट के जुगाड़ में रहती है। वही इस सड़क मार्ग पर यातायात करने से लोग कतराते नजर आते हैं।

अपनी अस्मिता बचाव को ले शांति समिति सदस्यों की बैठक हुई सम्पन्न

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले में दुर्गा पूजा काली पूजा मोहर्रम, ईद, बकरीद जैसे कई पर्व होते हैं जिसमें हजारों की संख्या में लोग झांकी लेकर सड़कों पर उतरे रहते हैं, त्योहारों को शांति व सोहार्द के बीच मने इसके लिए पुलिस प्रशासन तो लगी ही रहती है, लेकिन इसमें अहम भूमिका शांति समिति सदस्यों की भी रहती है। जिला के शांति समिति के लोगों को प्रशासन द्वारा पर्व त्यौहार में अपना योगदान देने की बात करते हैं, और उन्हें आदर पूर्वक बुलाया भी जाता है, और उनकी बातों को सुना भी जाता है। वही अगर शांति समिति के लोग अपने किसी भी व्यक्तिगत कार्य को लेकर जाते हैं, या फिर समाज की बातों को लेकर जाते हैं, तो पुलिस प्रशासन उसे अनसुना कर अनदेखा कर देती है। इस बात से शांति समिति के लोगों में काफी रोस है, इसी बात को लेकर ततारपुर क्षेत्र के काजवलीचक स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान में परिसर में शांति समिति कार्यकताओं की अहम बैठक संपन्न हुई, वही बैठक के क्रम में कई बिंदुओं पर वार्ता हुई, साथ ही प्रशासन के इस रवैया से उदासीन लोगों ने जमकर प्रशासन को कोसा कहा जब हमारी जरूरत रहती है तब प्रशासन हम लोगों की सहायता लेती है, और हम लोगों की बात अगर प्रशासन को कही जाती है तो वह नहीं मानते यह कहीं से सही नहीं है। वही बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन के द्वारा राजनीति व्यवहार किये जाने की कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस दौरान जिला शांति समिति सदस्यों के सोनू घोष, प्रकाश चंद्र गुप्ता, कमल जयसवाल, प्रो. डॉ. फारुख अली सहिय अन्य सदस्यों की मौजूदगी दर्ज रही थी।

पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जयंती पर ए मोहम्मदी जुलूस का हुआ भव्य आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जयंती के अवसर पर मस्जिदों को रंगबिरंगी रोशनी के लाइट बत्ती व फूलों से सजाया गया है। इस मौके पर सुबह से ही लोग मौलानाचक, हबीबपुर, चमेली चक, शाहजंगी सहित कई मोहल्ले से हजरत मोहम्मद साहब के जयंती को लेकर जुलूस तैयारी में जुटे हुए थे। वही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ ए मोहम्मदी जुलूस निकाल कर शहर के कई इलाके में परिभ्रमण किया। वही जुलूस के दौरान कई तरह की झांकियां भी लोगों ने निकाली और देश के तिरंगे झंडे के साथ लोग जुलूस में शामिल थे। वहीं शहरी क्षेत्र मार्ग से होकर जुलूस मौलाना चक स्थित मस्जिद प्रांगण में पहुंच कर कार्यक्रम का समापन्न किया। वही मस्जिद प्रांगण में सलाम और दुआ का कार्यक्रम भी आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुस्तक इंतजाम किए गए थे।

दो दिवसीय सम्मेलन का होगा आयोजन : अध्यक्षा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इंडियन मेनोपॉज समिति की ओर से भागलपुर में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन होना है। इस आशय को लेकर इंडिया मेनोपॉज समिति के जिलाध्यक्षा डॉ. प्रतिभा सिंह ने कहा कि ईस्ट जोन का इस साल पहला सम्मेलन भागलपुर जिले में होने जा रहा है, जो दो दिवसीय तक चलेगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के साथ साथ विदेश से भी कुछ चिकित्सा क्षेत्र के प्रख्यात महिला रोग विशेषज्ञ शिरकत करेंगे।

वही कार्यक्रम में विशेष रूप से महिलाओं के शारीरिक तौर पर होने वाली समस्या और घरेलू तौर पर होने वाले परेशानियों पर विस्तृत चर्चा के साथ साथ रोग विकारों व प्रकारों पर व्याख्यान देने के साथ साथ उनके रोग समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की होगी। कार्यक्रम के क्रम में संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा महिलाओं के बीच होने वाली शारीरिक रोग संबंधित समस्याओं के अलावा घरेलू समस्या से होने वाले रोग समस्या व उनके परेशानियों पर भी बाहर से आए विशेषज्ञ बातचीत कर जानेंगे और उन्हें समस्या समाधान व इलाज परामर्श की सलाह दी जाएगी। कार्यक्रम आयोजन को लेकर मेनोपॉज समिति की जिलाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह, मेयर डॉ. वसुंधरा लाल व डॉ. अर्चना झा सहित समिति से जुड़ी अन्य सदस्यों ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी।

विवेक राज बने भाजयुमो के जिला महामंत्री, बधाईयों का लगा तांता

भाजयुमो को जन-जन और गांव गांव तक पहुंचाने की जतायी प्रतिबद्धता

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । भारतीय जनता युवा मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक शहर के राजेन्द्र नगर मधुबनी स्थित भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने किया। बैठक में भाजयुमो प्रदेश द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एवं संगठन विस्तार कर जिला पदाधिकारियों के साथ - साथ विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों का चयन किया गया।

जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने बताया कि संगठन के विचारधारा को आत्मसात कर विचारों के प्रति प्रतिबद्धता रखने वाले कार्यकताओं को संगठन की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि विवेक राज को जिला महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है। वहीं इस मनोनयन के बाद भाजयुमो के जिला महामंत्री विवेक राज ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश संगठन ने मुझपर जिला महामंत्री के रुप में विश्वास जताया है, मेरा पूरा प्रयास रहेगा अपने दायित्व पर खड़ा उतरने का और भारतीय जनता युवा मोर्चा को गांव गांव और जन-जन तक और भी मजबूत बनाने का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जनमानस के लिए किए गए विकास कार्यों को सभी के बीच रखेंगे और 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर एक बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश कुमार एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष रवि गुप्ता को भी बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने जिला महामंत्री बनाकर उन्हें संगठन में काम करने का मौका दिया है। इस मनोनयन पर हर्ष प्रकट करते हुए भाजपा की महिला जिला उपाध्यक्ष अर्चना शाह

ने कहा कि विवेक राज एक कर्मठ और लगनशील युवा हैं। अपनी अथक प्रयास और लगनशीलता के बदौलत युवा पीढियों में उनकी काफी अच्छी पकड़ है।

वे हमेशा समाज की विभिन्न तरह की समस्याओं को लेकर संघर्ष करने में खुद को पीछे नहीं रखते हैं। उनके अंदर एक असीम ऊर्जा का संचार हमेशा बना रहता है। निश्चित तौर पर विवेक के भाजयुमो के जिला महामंत्री के रुप में मनोनयन से संगठन की मजबूती का मार्ग और ज्यादा प्रशस्त होगा और संगठन में एक अद्भुत ऊर्जा का भी संचार होगा। वहीं जिला मंत्री अनुपम झा ने कहा कि जिला महामंत्री विवेक राज एक सौम्यता और व्यवहारिक इंसान हैं। अपनी आदर्शवादी सोच के बदौलत समाज के हर वर्ग के प्रति उनकी सहानुभूति देखने को मिलती है। समाजसेवा संबंधी कार्यों की ओर उनका हमेशा एक अलग ही आकर्षण दिखता है। उन्होंने कहा कि विवेक जैसे प्रतिभावान युवा के संगठन के साथ जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलनी तय है। वहीं भाजपा नेता राजेश कुमार यादव एवं भाजपा महामंत्री अरुण कुमार पुलक ने संयुक्त रुप से कहा कि आज देश हो या फिर विदेश हर तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जयजयकार हो रहा है। यह पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व और विकासरुपी कार्यों का परिणाम है। आज जब विवेक राज जैसे प्रतिभावान युवा संगठन के जिला महामंत्री के रुप में मनोनीत हुए हैं तो उन्हें पूरा विश्वास है कि उनके द्वारा मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व और विकासरुपी कार्यों का न सिर्फ तेज गति से प्रसार होगा बल्कि संगठन को भी काफी मजबूती मिलेगी। भाजयुमो के जिला महामंत्री विवेक राज को बधाई देने वालों में पूर्णिया सदर विधायक विजय खेमका, बनमनखी विधायक कृष्ण कुमार ऋषि, कसबा पूर्व विधायक प्रदीप कुमार दास, भाजपा जिला महामंत्री संजीव सिंह, संजय कुमार मिर्धा, भाजयुमो जिला प्रभारी राकेश गुप्ता, अजीत कुमार साह, ज्ञानेंदु शेखर आदि शामिल है।

एमडीए अभियान को नेटवर्क सदस्यों का मिल रहा सार्थक सहयोग

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान जारी है। कार्यक्रम के दौरान कसबा, के.नगर, पूर्णिया पूर्व प्रखंड नेटवर्क सदस्यों की उपस्थिति में लोगों को दवा खिलाई जा रही है। वहीं दवा खाने से इनकार करने वालों को नेटवर्क सदस्य के समझाने के बाद आशा कार्यकर्ता के सहयोग से दवा खिलायी जा रही है। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में फाइलेरिया को जड़ से मिटाने में शत- प्रतिशत सफलता हासिल करने के लिए पदाधिकारियों के द्वारा लगातार अनुश्रवण किया जा रहा है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों द्वारा पूरी तन्मयता से एमडीए की गोली खिलाई जा रही है। सभी स्वास्थ्यकर्मी एकजुट होकर लगे हुए हैं ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति हो। सिविल सर्जन ने बताया कि 27 सितंबर तक जिले में 12 लाख 80 हजार लोगों को एमडीए की दवाई खिलाई गई है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ आर पी मंडल ने बताया कि भारत सरकार एवं बिहार सरकार लिम्फेटिक फाइलेरिया (हाथीपांव) के उन्मूलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। क्योंकि हाथीपांव एवं हाइड्रोसील फाइलेरिया के संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभाव हैं। इस तरह के व्यक्तियों को भी साल में एक बार ही भारत सरकार के गाइडलाइन के आधार पर फाइलेरियारोधी दवाओं अल्बेंडाजोल, डीईसी और आइवर मैकटिन या अल्बेंडाजोल और डीईसी का सेवन करना पर्याप्त है। विगत 20 सितंबर से जारी एमडीए अभियान के तहत आशा कार्यकताओं के साथ-साथ के नगर, कसबा एवं पूर्णिया पूर्व प्रखंड के नेटवर्क सदस्यों द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करने और दवा खाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पूर्णिया पूर्व प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शरद कुमार ने बताया कि स्थानीय प्रखंड अंतर्गत बेलौरी पंचायत के आग टोला गांव के लाभुकों ने फाइलेरियारोधी दवाओं के सेवन करने से इंकार कर दिया था, लेकिन भ्रमणशील टीम में शामिल आशा कार्यकर्ता पंचों देवी एवं आगा टोलाफाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप (पीएसजी) के सदस्य नरेश उरांव के सहयोग से लाभुकों को प्रेरित कर दवा खिलाई गई। जब तक दवा खिलाई नहीं गई तब तक नेटवर्क सदस्य नरेश उरांव, इंकार कर रहे लाभार्थियों को प्रेरित करने में जुटे रहे। दवा का सेवन कराने के दौरान वे स्थानीय लोगों की भीड़ में फाइलेरियारोधी दवाओं का लाभ एवं नहीं खाने के कारण होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते रहे।

एमडीए कार्यक्रम में कस्बा प्रखंड के बीसीएम उमेश पंडित ने बताया कि इस बार एमडीए अभियान में फाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों का भरपूर सहयोग मिला है। पूर्व के दिनों में जब वो क्षेत्र में दवा खिलाने के लिए जाते थे, तब कई लोग दवा खाने से मना कर देते थे। काफी समझाने के बावजूद भी ग्रामीण दवा खाने के लिए राजी नहीं होते थे। लेकिन इस बार एमडीए अभियान में पीएसजी सदस्यों का साथ अभियान की सफलता का मुख्य कारण रहा है। जहां पर भी लोग दवा खाने में आनाकानी कर रहे थे वहां पीएसजी के सदस्यों द्वारा किसी तरह प्रेरित कर फाइलेरिया की जानकारी देने के साथ ही ग्रामीणों को दवाओं का सेवन कराया गया है।

जिले के के नगर प्रखंड के स्थानीय नेटवर्क सदस्य छोटू पासवान ने बताया कि फाइलेरिया बीमारी से ग्रसित लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि जब भी मौसम में बदलाव होता, उस दौरान उनकी परेशानी काफी बढ़ जाती है। यदि, उन्हें शुरूआती दौर में ही फाइलेरिया की जानकारी होती तो शायद आज उन्हें इस परेशानियों से जूझना नहीं पड़ता। एक बार जब फाइलेरिया बीमारी के कारण हाथीपांव या हाइड्रोसील में सूजन हो जाती, तब उसका कोई मुकम्मल इलाज नहीं है। लेकिन हां, नियमित दवाओं के सेवन और साफ सफाई मात्र से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। उन्होंने लाभुकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी को फाइलेरियारोधी दवाओं का सेवन अनिवार्य रूप से करना चाहिए। ताकि माइक्रो फाइलेरिया के परिजीवी होने से उनको नष्ट किया जा सकता है।

श्रीश्री 108 जयसिंह सुरमा मेला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न, लोगों का जमकर किया मनोरंजन

प्रात : किरण संवाददाता

रूपौली(पूर्णिया) । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र के कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत के डुमरी गांव में श्री श्री 108 जय सिंह सुरमा मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। वहीं श्री श्री 108 बाबा जयसिंह सुरमा के मेला कर्मा धर्मा के शुभ अवसर पर लगाया जाता हैं जिसमें कि मुख्य अतिथि के रूप में रूपौली विधानसभा क्षेत्र के पुर्व विधायक सह कटिहार जिला प्रभारी शंकर सिंह, कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत के सरपंच शिव कुमार यादव, पंचायत समिति सदस्य जीवछ पासवान, वार्ड सदस्य विकास कुमार ने फीता काट कर मेले का शुभारंभ किया और आयोजकों को इस सुंदर आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

वहीं नाव रेश को पूर्व प्रमुख प्रतिनिधित्व मिथिलेश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। साथ ही नौका दौर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने वाले को पुर्व प्रमुख प्रतिनिधित्व मिथिलेश सिंह, सरपंच शिव कुमार यादव एवं द्वितीय स्थान लाने वाले को पंचायत समिति सदस्य जीवछ पासवान, वार्ड सदस्य विकास कुमार, आर्मी धर्मेंद्र कुमार ने प्रोत्साहित किया गया। मेले में रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। मेले में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय टीकापट्टी थाना पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद थी। बता दे की श्री श्री 108 बाबा जयसिंह सुरमा मेला को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए स्थानीय सीओ राजेश कुमार और थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी की अध्यक्षता में पुलिस पदाधिकारी और दर्जनों की संख्या में पुरुष पुलिस बल की प्रतिरक्षा में जयसिंह सुरमा मेला को संपन्न कराया गया।

यह मेला मंगलवार तथा बुधवार की रात में रंगारंग कार्यक्रम चलता रहा। मेले में रंगारंग कार्यक्रम के अलावा मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले उपलब्ध थें। बाबा जयसिंह सुरमा की मेला को लेकर प्रशासन के द्वारा हर चौक चौराहे पर पुलिस के टीम मुस्तैद रही। यह मेला इस बार 26 एवं 27 सितम्बर तक चला, जिसमें शासन-प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहा। साथ ही मेले को सकुशल सम्पन्न कराने में कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत के सरपंच शिव कुमार यादव, राष्ट्रीय सहारा पत्रकार पांडु कुमार, उपमुखिया पिंकी देवी, गोड़ियर पट्टी श्रीमाता पंचायत के उपमुखिया सह वार्ड सदस्य संघ जिलाध्यक्ष सुमन कुमार, सोनू सिंह, पैक्स अध्यक्ष कैलाश भारती, मेला कमिटी अध्यक्ष दिनेश कुमार चौधरी, सचिव अरविंद सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू यादव उर्फ अरुण कुमार यादव, सिकेन्द्र सिंह, शिक्षक निरंजन कुमार यादव, उपमुखिया प्रतिनिधि विनोद कुमार यादव, बासुकी यादव, अजय कुमार सिंह, पूर्व उपसरपंच परमानंद ठाकुर, आदि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का विशेष योगदान रहा।

उच्च न्यायालय के अधिवक्ता के निधन पर शोक संवेदनाओं का लगा तांता

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं जेपी आंदोलन के प्रमुख सेनानी राजीव राय का निधन पटना में ब्रेन हेमरेज के कारण हो गया है। उनके निधन पर अधिवक्ता विचार मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता दिलीप कुमार दीपक ने शोक व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने उनके साथ बिताए गए क्षणों को याद करते हुए कहा वे कि वे मार्क्सवादी विचारधारा से काफी प्रभावित थे। जबकि मैं जनसंघ से जुड़ा हुआ था, उच्च न्यायालय के एक जज के पास मुझे मिलाने ले गए और उनके समक्ष मेरी प्रशंसा के पूल बांधने लगे। इसी क्रम में राजीव राय के मुख से यह निकल गया कि दीपक जी जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं, तथा इन्हें मैं अपना गुरुदेव मानता हूं। जज साहब ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा की ऐसा उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता है। श्री दीपक ने बताया की 1974 जेपी आंदोलन के समय पूर्णिया के भ्रष्ट जिला पदाधिकारी बी.के सिंह को पुलिस लाइन में झंडा नहीं फहराने देने का निश्चय छात्र संघर्ष समिति द्वारा किया गया था। जिसकी रूपरेखा जेल में उसे वक्त बंद साहित्यकार और आंदोलन के अग्रणी नेता फणीश्वर नाथ रेणु ने तैयार की गई थी। उन्होंने दीपक एवं बाल गोपाल प्रसाद ज्ञानंद राय को यह कह कर इजाजत नहीं दिए कि तुम लोगों को जिला का एक-एक पदाधिकारी पहचानता है, इसलिए नए युवक पर झंडा फहराने का दायित्व दो। राजीव भारती आंदोलन में नए-नए आए थे उन पर झंडा फहराने का दायित्व इन्हें सौंपा गया था। इसके साथ ही एक अन्य नवयुवक नरेंद्र चौधरी को भी इनके साथ लगाया गया था। राजीव राय ने निर्धारित समय पर झंडोत्तोलन कर दिया और पकड़े गए उनके साथ-साथ साथ अन्य लोगों को भी मीशा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया। लगभग ढाई महीने के पश्चात हम सभी जेल से बाहर निकले थे।

जदयू नेताओं के द्वारा निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी, शांति व समृद्धि की किया दुआ

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ धमदाहा । धमदाहा अनुमंडल मुख्यालय में कुकरौन अमारी में शानदार जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। लोकप्रिय समाजसेवी व प्रदेश उपाध्यक्ष जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ बिहार मो वसीम कमाली एवं जानेमाने शिक्षाविद् मौलाना प्रो मो शब्बीर आलम के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। जुलूस ए मोहम्मदी के साथ अनुमंडल पदाधिकारी धमदाहा राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धमदाहा संदीप गोल्डी, थाना अध्यक्ष कुमार अभिनभव, अपर थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार, धमदाहा सर्किल इनिस्पेक्टर मेराज हुसैन, प्रखंड विकास पदाधिकारी धमदाहा प्रकाश कुमार, अंचल पदाधिकारी धमदाहा रवि प्रकाश पासवान, प्रखंड राजस्व पदाधिकारी धमदाहा कमलाकान्त सिंह साथ चल रहें थे। खनुआ गांव से मुखिया पति साजिद अंजुम, हाफिज मो सादिक हुसैन, खनुआ मस्जिद के

बतौर प्रोड्यूसर नई शुरुआत करने जा रहीं तापसी पन्नू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू फिल्म धक धक से बतौर प्रोड्यूसर नया सफर शुरू करने जा रही हैं। इस फिल्म को तापसी पन्नू वायाकॉम 18 के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। तरुण दुदेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख, दीया मिर्जा, रत्ना पाठक शाह और संजना सांघी की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म अपने जीवन के विभिन्न चरणों में चार महिलाओं की दिल छू लेने वाली कहानी है, जो बाइक पर दुनिया के सबसे ऊंचे मोटर योग्य दर्रे तक जीवन बदलने वाली यात्रा करती हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए धक धक की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। पोस्टर में फातिमा सना शेख, रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा और संजना सांघी नजर आ रही हैं। चारों बाइक पर सवार हैं। पोस्टर शेयर करते हुए तापसी ने लिखा, मेरी चार हीरोज आपको एक ऐसे सफर पर आपको ले जाने के लिए तैयार हैं, जो आपको जिंदगी भर याद रहेगा। फिल्म धक धक 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें तरुण डुडेजा द्वारा निर्देशित धक धक को तापसी पन्नू, आयुष माहेश्वरी और प्रांजल खंडडिया ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी पारिजात जोशी ने लिखी है। धक धक का ट्रेलर 3 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा।

9 साल बाद फिर परदे पर आएंगे

टाइगर और कृति सेनन टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की फिल्म गणपथ-ए हीरो इज बॉर्न का दर्शकों को काफी इंतजार है। इस फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने कहा है जो दर्शकों को क्वीन, लुटेरा और सुपर-30 सरीखी फिल्में दे चुके हैं। इस फिल्म का टीजर बुधवार को जारी होने वाले था, लेकिन फिल्म मेकर्स ने रिलीज से पहले अनाउंस किया है कि टीजर रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म मेकर्स ने इस बात की जानकारी 'गणपथ' के नए पोस्टर के साथ टीजर की नई रिलीज डेट दी है। फिल्म के लीड एक्टर टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए टीजर की नई डेट अनाउंस किया है। टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की ये फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर बताई जा रही है, जिसमें बॉलीवुड के बिग बी अमिताभ बच्चन भी नजर आएंगे। टाइगर और कृति सेनन बड़े पर्दे पर इस फिल्म से लंबे समय के बाद एक साथ कमबैक कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई नई पोस्टर में टाइगर और कृति सेनन रग्ड लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में नौ साल के बाद एक बार फिर एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ और नेशनल अवॉर्ड विनर कृति सेनन की जोड़ी नजर आएगी। आखिरी बार इन दोनों कि जोड़ी को फिल्म हीरोपंती में देखा गया था, जो इन दोनों की पहली डेब्यू फिल्म थी।

विजय देवरकोंडा ने की एनिमल के टीजर की तारीफ

साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा पिछले काफी समय से सामंथा रुथ प्रभु के साथ अपनी फिल्म कुशी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी इस फिल्म को लोगों का भरपूर प्यार मिला, लेकिन इसके साथ ही अभिनेता की निजी जिंदगी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। विजय का नाम अक्सर किसी न किसी वजह से रश्मिका मंदाना से जुड़ता रहता है। कथित तौर पर दोनों एक-दूसरे के साथ रिश्ते में हैं और फैंस उनकी हर खबर पर नजरें गड़ाए रहते हैं। हाल ही में विजय देवरकोंडा ने रश्मिका मंदाना की तारीफ की है, जिसने दोनों के अफेयर की खबरों को हवा दे दी हैं। रणबीर कपूर के जन्मदिन के मौके पर एनिमल के मेकर्स ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। सामने आए ट्रेलर को दर्शकों का खूब प्यार मिला और सभी कलाकारों की जमकर तारीफ हो रही है। फैंस द्वारा मिल रही तारीफों के बीच विजय देवरकोंडा ने भी टीजर और रश्मिका मंदाना के किरदार को लेकर अपने विचार साझा किए। रश्मिका के कथित बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा ने भी टीजर की प्रशंसा करने के लिए अपने एक्स अकाउंट का सहारा लिया। विजय देवरकोंडा ने जहां एनिमल के टीजर की तारीफ की और सभी को शुभकामनाएं दी, वहीं रश्मिका मंदाना ने तुरंत अभिनेता को शुक्रिया कहा। विजय देवरकोंडा के ट्वीट करने के तुरंत बाद, रश्मिका ने अभिनेता के शब्दों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और जवाब दिया, धन्यवाद विजय देवरकोंडा.. आप सबसे अच्छे हो! दिलचस्प बात यह है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की डेटिंग की खबरों सुर्खियां बटोर रही हैं।

टाइगर के किरदार को लार्जर दैन लाइफ बनाना चाहता था

यशराज फिल्म्स ने 27 सितंबर को टाइगर का मैसेज जारी किया। जारी होने के साथ ही यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दर्शकों ने इसे बेइंतहा पसन्द किया। अपने संदेश में टाइगर ने बताया कि वो देशभक्त है, लेकिन उसे गद्दार साबित किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है, जो इससे पहले यशराज फिल्म्स के लिए बैंड बाजा बारात और फैन का निर्देशन कर चुके हैं। फैन में उन्होंने शाहरुख खान को बेहतरीन दोहरी भूमिका में दिखाया था, लेकिन अफसोस फिल्म असफल साबित हो गई थी। टाइगर-3 के टीजर को देखने के बाद कहा जा रहा है कि मनीष सफल निर्देशकों की सूची में शामिल होंगे। टाइगर का मैसेज जारी होने के बाद हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में मनीष ने कहा, पिछले एक दशक में टाइगर का किरदार सबसे लोकप्रिय बन गया है। टाइगर की कहानी को आगे बढ़ाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं टाइगर को लोगों के सामने ऐसे दिखाना चाहता था, जैसे मैंने खुद उसे एक सिनेमा लवर की तरह देखा था। मैं इसे लार्जर देन लाइफ बनाना चाहता था।

इस बार आत्म सम्मान की जंग लड़ेगा टाइगर

27 सितंबर को रिलीज हुए टाइगर के मैसेज में बताया कि सलमान खान यानी रॉ का एजेंट टाइगर खतरे में है। उसके ऊपर देशद्रोह का आरोप लगा है। वो इन आरोपों को खत्म करना चाहता है। अपने आप को निर्दोष साबित करने के लिए वो एक जानलेवा मिशन पर निकलता है। टाइगर अपने देश, अपने परिवार के लिए अपने नाम पर लगे धब्बे को हटाना चाहता है। इस संबंध में बात करते हुए मनीष कहते हैं, 'इस बार, यह केवल भारत को बचाने के बारे में नहीं है, बल्कि अपने और अपने परिवार के लिए खड़े होने के बारे में है। भारत का नंबर एक एजेंट इस बार भारत का दुश्मन नंबर एक है और मुझे लगता है कि लोगों को इस एक्शन एंटरटेनर को देखने में मजा आएगा। टाइगर का मैसेज के अंत में सलमान को यह कहते हुए दिखाया गया है कि जब तक टाइगर मरा नहीं, तब तक टाइगर हारा नहीं।' मनीष ने खुलासा किया कि इसकी संकल्पना आदित्य चोपड़ा द्वारा की गई थी और उन्होंने ही यह डायलॉग लिखा था। यह उनका मास्टरस्ट्रोक है।

विजय सेतुपति को इस फिल्म के लिए मिल रही थी धमकी!

साउथ की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 800 में पहले विजय सेतुपति को साइन किया गया था लेकिन उन्होंने अपने पैर पीछे खींच लिए। इस पर श्रीलंकाई क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि उन्हें राजनेताओं ने धमकी दी, इसलिए वो पीछे हट गए। फिल्म उन्हीं पर बेस्ड थी। साउथ एक्टर विजय सेतुपति शुरुआत में स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 800 के लिए लीड एक्टर के रोल में चुने गए थे, जो कि श्रीलंकाई क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन पर आधारित एक बायोपिक है। हालांकि, बाद में अज्ञात कारणों के चलते एक्टर ने फिल्म से किनारा कर लिया।

एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की तैयारी में हैं ऋषभ शेट्टी

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा को खास तौर पर पसंद आई थी। कम बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी कहानी के दम पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और ब्लॉकबस्टर साबित हुई। फिल्म के हिट होने के बाद ही ऋषभ ने इसके अगले भाग की घोषणा कर दी थी, जो वास्तव में इस फिल्म का प्रीक्वल होगा। ऋषभ फिल्म के प्रीक्वल के लिए काफी तैयारियां कर रहे हैं। वहीं अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारियां सामने आई हैं। कांतारा का प्रीक्वल इन दिनों चर्चा में है। बताया गया है कि इसका बजट 100 करोड़ रुपये है, जो एक एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की तैयारी में है। कंतारा में बड़े पैमाने पर दिव्य देवताओं पंजुरली और गुलिगा और क्षेत्र के राजा के स्वामित्व वाली भूमि से उनके संबंध को दर्शाया गया है। चूंकि प्रीक्वल को लगभग एक सहस्राब्दी पहले का माना जाता है, इसलिए अटकलें हैं कि फिल्म में देवताओं की संभावित उत्पत्ति का पता लगाया जा सकता है।

रणबीर कपूर के बर्थडे पर आलिया भट्ट ने खास अंदाज में दी बधाई

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर 28 सितंबर को अपना 41वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस मौके पर रणबीर को फैंस और सेलेब्स की तरफ से बधाईयां मिल रही है। आलिया भट्ट ने भी अपने पति रणबीर को बर्थडे की बधाई देते हुए उनका एक सीक्रेट रिवील किया है। आलिया भट्ट ने रणबीर के साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। पहली तस्वीर में आलिया पति को किस करती नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में कपल स्टेडियम में बॉलीबाल मैच का लुफ्त लेता नजर आ रहा है। एक तस्वीर में आलिया को नंबर 8 के साथ पोज देते देखा जा सकता है। इसके बाद आलिया ने अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की है। वहीं, लास्ट तस्वीर रणबीर के फेस की क्लोज-अप है। इन तस्वीरों के साथ आलिया ने प्यारा सा कैप्शन लिखकर रणबीर को बर्थडे की बधाई दी है। एक्ट्रेस ने लिखा, मेरा प्यार.. मेरा सबसे अच्छा दोस्त.. मेरा बेस्ट हैप्पी प्लेस। आलिया ने लिखा, जैसे ही आप मेरे ठीक बगल में बैठकर अपने सीक्रेट अकाउंट से यह कैप्शन पढ़ रहे हैं.. मैं बस इतना ही कहना चाहूंगी..कि जन्मदिन मुबारक हो बेबी... आप इसे जादुई बना देते हैं।आलिया की पोस्ट से साफ है कि इंस्टाग्राम पर रणबीर कपूर का सीक्रेट अकाउंट है। हालांकि इंस्टा पर रणबीर का ऑफिशियल अकाउंट नहीं है। रणबीर कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म एनिमल में नजर आने वाले हैं। एक्टर के बर्थडे के दिन इस फिल्म का धमाकेदार टीजर भी रिलीज हुआ है। फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

मुंबई डायरीज़ सीजन 2 फिर तहलका मचाने आ रहे मोहित रैना

मोहित रैना स्टारर वेब सीरीज मुंबई डायरीज 2 बहुत जल्द ओटीटी पर तहलका मचाने आ रही है। अक्टूबर के शुरुआत में ही प्राइम वीडियो पर 8 एपसोड की ये सीरीज आ रही है जिसमें कोंकणा सेन शर्मा से लेकर मोहित रैना, टीना देसाई जैसे कई कलाकार हैं। मोहित रैना स्टारर वेब सीरीज मुंबई डायरीज मेकर्स ने इस सीरीज के दूसरे पार्ट को लेकर नई अपडेट दी है। प्राइम वीडियो ने मज़ेदार मेडिकल ड्रामा मुंबई डायरीज़ के दूसरे सीज़न के प्रीमियर की घोषणा की, जो अगले महीने के शुरुआत में 6 अक्टूबर से शुरू होगा! प्राइम वीडियो के पॉप्युलर सीरीज में से एक मेडिकल ड्रामा मुंबई डायरीज दूसरे सीज़न के प्रीमियर की की घोषणा कर दी। 6 अक्टूबर को शुरू होने वाला यह्य दूसरा सीज़न बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल के डॉक्टरों, ट्रेनिंग लेने वालों और कर्मचारियों के साथ आतंकवादी हमलों से पैदा हुए हालातों और उसके बाद उनके खुद के संघर्षों से निपटने के साथ-साथ मुंबई में आई बाढ़ से हुई तबाही की मिलीजुली मजेदार कहानी है। सीरीज की कहानी बड़ी बारीक़ी से रची गई है, अलग-अलग हालातों का सामना करते हुए इंसानी जज़्बातों और डटे रहने की एक मनोरंजक कहानी है ये।

हरफ़नमौला कलाकारों को फिर से शामिल किया गया है

निखिल आडवाणी द्वारा प्रड्यूस और निर्देशित और एमए एंटरटेनमेंट की मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी द्वारा प्रड्यूस की गई है। इस मेडिकल ड्रामा सीरीज़ में पिछले सीज़न के बेहद हरफ़नमौला कलाकारों को फिर से शामिल किया गया है, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा, मोहित रैना, टीना देसाई, श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलावाड़ी शामिल हैं।

बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल की मेडिकल टीम की कहानी

प्राइम वीडियो इंडिया के हिंदी ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, मुंबई डायरीज़ का दूसरा सीज़न, बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल की मेडिकल टीम की कहानी को वास्तविक और तूफ़ान जैसे हालातों के बीच रखकर आगे बढ़ाता है। मुझे यकीन है कि मुंबई डायरीज़ का यह नया सीज़न अपनी वास्तविकता के साथ न केवल देश के भीतर, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों के बीच गहरी पकड़ बनाएगी।

मेडिकल समुदाय के जांबाज़ों के इम्तिहानों और जीत की कहानी

निर्माता और निर्देशक निखिल आडवाणी ने कहा, मुंबई डायरीज़ एक बारीक़ी से लिखा गया मेडिकल ड्रामा है जो हमारे सबसे आगे रहकर काम करने वाले कर्मचारियों और मेडिकल समुदाय के जांबाज़ों के इम्तिहानों और जीतों की दुनिया से हमें रूबरू कराता है। मुंबई डायरीज़ 26/11 को मिले ज़बरदस्त स्नेह और तारीफ के बाद, हमने इस सीज़न में अपने मुख्य नायकों के लिए काम और भी मुश्किल कर दिया है क्योंकि उन्हें उन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा जो उन्हें सभी तरह के हालातों में परखेंगी।

मोहित रैना के अलावा कोंकणा सेन शर्मा, टीना देसाई जैसे कलाकार बता दें कि आठ-एपिसोड की इस सीरीज़ में मोहित रैना के अलावा कोंकणा सेन शर्मा, टीना देसाई, श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलवाड़ी सहित कई जाने-माने कलाकार शामिल हैं।

एलोफ्रूट जूस बनाएगी एफएमसीजी दिग्गज इमामी, आयुर्वेद कंपनी के साथ की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी कंपनी इमामी लिमिटेड ने एक्सिओम आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड में 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। अधिग्रहण की यह प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही इमामी ने यह भी घोषणा की है कि एलोफ्रूट के साथ जूस कैटेगरी में प्रवेश करेगी। आपको बता दें कि एक्सिओम की बेवरेज है। यह डील मार्केट में इमामी की स्थिति को मजबूत करेगी। बता दें कि इमामी आने वाले वर्षों में अपने पर्सनल केयर और हेल्थ केयर व्यवसायों से अच्छी वृद्धि की उम्मीद कर रही है। कंपनी को उम्मीद है कि 2027 तक 27.9 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ बढ़ेगी। मुद्रास्फीति में नरमी के कारण इमामी अपने मार्जिन में उछाल की उम्मीद भी कर रही है। कंपनी का टारगेट मॉडर्न बिजनेस, ई-कॉमर्स और सामान्य व्यापार सहित अलग-अलग चैनलों के माध्यम से नए ब्रांड बनाने, अपने मुख्य ब्रांडों की इक्विटी को मजबूत करना है। एक्सिओम आयुर्वेद के साथ नई डील से इसकी स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है 14 नवंबर, 2019 को हरियाणा में एक्सिओम आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड हुई थी। इसकी भारतीय बाजार में उपस्थिति है। यह एक बेवरेज कंपनी है जिसमें फलों के मिश्रण के साथ एलोवेरा आदि का मिश्रण होता है। इस कंपनी के फाउंडर ऋषभ गुप्ता और अलीशा गुप्ता हैं। पिछले महीने इमामी ने जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 86.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 137.72 करोड़ रुपये पर रहा। कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि में 73.83 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। वहीं, तिमाही आधार पर प्रॉफिट 144.43 करोड़ रुपये से 4.6 प्रतिशत कम था। बता दें कि गुरुवार को इमामी के शेयर 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ 515.00 रुपये पर बंद हुए।

आईपीओ से दोगुनी हो गई सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर की कीमत, 2021 में हुई थी लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2021 में कई ऐसे आईपीओ आए थे जिन्होंने निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही मालामाल कर दिया था। ऐसा ही एक आईपीओ सीई इंफो सिस्टम्स का था। मैपमाईइंडिया ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी सीई इंफो सिस्टम्स के शेयरों में गुरुवार को 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। गुरुवार को ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 2,108.95 रुपये पर पहुंच गई। यह आईपीओ के इश्यू प्राइस 1,033 रुपये से दोगुनी है। यह सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर में तेजी का चौथा दिन है। इस सप्ताह अब तक शेयर में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर 2021 में कंपनी की लिस्टिंग के बाद से यह स्टॉक के लिए सबसे अच्छा सप्ताह साबित हो रहा है। कंपनी के शेयरों में जो उछाल देखा गया है, उससे इसका मार्केट कैप भी पांच अंकों के क्लब में पहुंच गया है। कंपनी का मार्केट कैप बुधवार को 10,000 करोड़ रुपये को पार कर गया था और आज के कारोबारी सत्र में 11,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। 4 अगस्त को कंपनी ने जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। यह कंपनी के अब तक का सबसे अधिक तिमाही मुनाफा है। जून तिमाही में मुनाफा 32 करोड़ रुपये रहा। इस अवधि के लिए राजस्व भी साल-दर-साल लगभग 40 प्रतिशत बढ़कर 89.4 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 65 करोड़ था। बता दें कि दिसंबर 2021 में मैपमाईइंडिया की पैरेंट कंपनी सीई इन्फो सिस्टम्स शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी। इससे पहले कंपनी का आईपीओ आया था। इस आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस 1,000-1,033 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

सीई इन्फो सिस्टम्स डिजिटल मैप की बड़ी कंपनी है। यह भारत में सरकारी एजेंसियों और राष्ट्रीय खाद्य भंडारण कंपनियों को भी सर्विस देती है।

घर बनाने वालों को बड़ा झटका, 1 अक्तूबर से सीमेंट मिलेगा महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप घर बनाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपको झटकना देने वाली है। दरअसल, सीमेंट कंपनियां मांग कम होने के बावजूद कार्टेल बनाकर एक बार फिर एक अक्टूबर से 15 रुपए प्रति बोरी की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। कंपनियों ने डीलरों को इसकी सूचना दे दी है। सीमेंट कंपनियों का कहना है कि उत्पादन लागत बढ़ जाने के कारण कीमत बढ़ाने जा रहे हैं। अगस्त तक 310 से 320 रुपये बोरी बिकने वाली सीमेंट की कीमत एक सितंबर को एक साथ 50 रुपये बढ़ा देने के बाद रिटेल में प्रति बोरी 360 रुपये पहुंच गई है। अब कंपनियों द्वारा एक बार फिर बढ़ोतरी से यह बाजार में रिटेल में 400 रुपये बोरी तक पहुंच जाएगी। इसका असर निर्माण कार्यों पर पड़ना निश्चित है। बता दें कि सीमेंट के उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख राज्यों में शामिल है। देश की कुल जरूरत का लगभग 20 प्रतिशत सीमेंट का उत्पादन यहां होता है। यहां सीमेंट कंपनियों के 14 प्लांट संचालित हैं, जिनकी वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 260 लाख टन है। आंध्र प्रदेश देशभर में सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक राज्य है। राजस्थान दूसरा, कर्नाटक तीसरा, मध्य प्रदेश चौथा सबसे ज्यादा सीमेंट उत्पादक राज्य है। एक अक्टूबर से दाम बढ़ सकते हैं जिस कारण निर्माण कार्यों पर असर पड़ेगा। वर्तमान में खुले बाजार में सरिया 59 हजार रुपये प्रति टन और फैक्ट्रियों में 56 हजार 500 रुपये प्रति टन बिक रहा है। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में सरिया की कीमतों में और गिरावट आ सकती है।

प्रेरक आशा : कैंसर सर्वाइवर साहस और विश्वास का संदेश फैलाने के लिए अपने गृह राज्य वापस आ गया है

भोपाल। सितंबर बचपन के कैंसर जागरूकता माह है। यह जागरूकता पैदा करने का समय है कि बहुत अधिक जीवित रहने की दर के साथ कैंसर का इलाज संभव है और यह कैंसर से लड़ने वाले बच्चों की बहादुरी और साहस का सम्मान करता है! मध्य प्रदेश के 19 वर्षीय अतुल राठौड़, जो बचपन में कैंसर से बचे थे, साहस और विश्वास का संदेश फैलाने के लिए भोपाल में 10 कैंसर से बचे लोगों की एक टीम का नेतृत्व करते हैं। अतुल सिर्फ 3 साल का था जब उसे रेटिनोब्लास्टोमा (नेत्र कैंसर) का पता चला। उसकी माँ बहुत दुखी हो गई थी, लेकिन उसने उम्मीद नहीं छोड़ी। वह उसे सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों और अस्पताल में ले गईं और अतुल की कई सर्जरी और कीमोथेरेपी सत्र हुए।

तेल के दाम में आया तेज उबाल, 10 प्रतिशत तक चढ़ गए ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑयल प्रॉडक्शन और एक्सप्लोरेशन के कारोबार से जुड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को तगड़ा उछाल आया है। कंपनियों के शेयर गुरुवार को 10 पर्सेंट तक चढ़ गए हैं। कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें एक साल से ज्यादा के हाई पर पहुंचने की वजह से इन कंपनियों के शेयरों में तेज उछाल आया है। यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट फ्यूचर्स के दाम गुरुवार को 95.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं। यह अगस्त 2022 के बाद ऑयल का हाइएस्ट लेवल है।

10 प्रतिशत चढ़े हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन के शेयर: हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन के शेयर गुरुवार को 10 पर्सेंट की तेजी के साथ 170.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 155.25 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 258 रुपये है। वहीं, हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 115.90 रुपये है। स्मॉलकैप कंपनी का मार्केट कैप 2258 करोड़ रुपये है।

भारत को 30 फीसदी महंगा कच्चा तेल बेच रहा है रूस

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रूस भारत को महंगा तेल बेच रहा है। इस समय यह पश्चिमी देशों को 60 डॉलर प्रति बैरल पर बेच रहा है जबकि भारत को 30 प्रतिशत महंगे यानी 80 डॉलर प्रति बैरल पर बेच रहा है। कारोबारियों के मुताबिक, वैश्विक तेल बाजार में आपूर्ति कम होने व कीमतें बढ़ने से रूस निर्यात का फायदा उठा रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक, यही स्थिति रही तो देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। यह लंबे समय से स्थिर बनी हुई हैं। जब भारत सस्ते में रूस से तेल खरीद रहा था, तब भी खुदरा बाजारों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 100 रुपये के आस-पास थीं, और अब जब कच्चा तेल महंगा हो गया है, तब भी यह उसी भाव पर स्थिर है।

कार्गो की लोडिंग 80 डॉलर प्रति बैरल पर: कारोबारियों का कहना है कि अक्तूबर की जो तेल की इस समय कार्गो लोडिंग हो रही है, वह 80 डॉलर प्रति बैरल पर हो रही है। रूस में कच्चे तेल का भंडार कम हो गया है। उत्पादन में भी कटौती की गई है। सूत्रों के मुताबिक, कटौती से भारतीय बंदरगाहों पर यूराल के लिए छूट कम होकर 4-5 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

ऑयल इंडिया के शेयरों में 6 प्रतिशत की तेजी: सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया के शेयरों में भी तेज उछाल आया है। कंपनी के शेयर 6 पर्सेंट की तेजी के साथ गुरुवार को 305 रुपये पर पहुंच गए हैं। ऑयल इंडिया के शेयर बुधवार को 287.70 रुपये पर बंद हुए थे। ऑयल इंडिया के शेयरों ने गुरुवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 168.30 रुपये है। ऑयल इंडिया का मार्केट कैप 31715 करोड़ रुपये के करीब है।

1 लाख रुपये लगाने वाले 4 साल में बने करोड़पति, 19000 प्रतिशत चढ़ा मल्टीबैगर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी के शेयरों ने पिछले 4 साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह कंपनी ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर है। कंपनी के शेयर पिछले 4 साल में 19000 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर इस अवधि में 2 रुपये से बढ़कर 400 रुपये के पार पहुंच गए हैं। ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों ने 4 साल में लखपति निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

1 लाख रुपये के बनाए 1.9 करोड़ रुपये : ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 13 सितंबर 2019 को 2.13 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 सितंबर 2023 को 402.20 रुपये पर बंद हुए हैं। ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों ने पिछले 4 साल में 19800 पर्सेंट रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 13 सितंबर 2019 को ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 4 साल पहले खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 1.98 करोड़ रुपये होती।

3 साल में शेयरों में 3300 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल: ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में पिछले 3 साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर 11 सितंबर 2020 को 11.54 रुपये पर थे। ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयर 28 सितंबर 2023 को 402.20 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले 3 साल में 3385 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 11 सितंबर 2020 को ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 34.85 लाख रुपये होती। ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 580 रुपये है।

नहीं रहे एशियन पेंट्स के को-फाउंडर अश्विन दानी, 81 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित पेंट ब्रांड एशियन पेंट्स के को-फाउंडर अश्विन सूर्यकांत दानी का गुरुवार को 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह एशियन पेंट्स लिमिटेड के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष थे। वह दिसंबर 1998 से मार्च 2009 तक कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रहे। बता दें कि एशियन पेंट्स 16 देशों में परिचालन वाली भारत की सबसे बड़ी पेंट कंपनी है।

बता दें कि अरबपति अश्विन दानी को एशियन पेंट्स की विरासत पिता सूर्यकांत से मिली थी। साल 1942 में दानी के पिता सूर्यकांत और तीन अन्य लोगों ने इसकी शुरुआत की थी। अश्विन दानी की पढ़ाई की बात करें तो 1966 में मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी की। इसके बाद, वह एक्रोन विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए।

कब जुड़े कंपनी से : दानी ने अपनी पहली नौकरी में डेट्रॉइट में एक केमिस्ट के रूप में काम किया। इसके बाद में साल 1968 में वह अपने पारिवारिक व्यवसाय, एशियन पेंट्स में शामिल हो गए। साल 1997 में एशियन पेंट्स के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बन गए। दानी के नेतृत्व में एशियन पेंट्स ने विश्व स्तर पर अपने परिचालन का विस्तार किया और दुनिया की अग्रणी पेंट कंपनियों में से एक बन गई। अनुसंधान एवं विकास निदेशक के तौर पर दानी ने रिसर्च में भारी निवेश किया, जिसने कंपनी की प्रगति में अहम भूमिका निभाई। आज, एशियन पेंट्स भारत में सबसे बड़ी पेंट कंपनी है। वहीं, एशिया में तीसरी बड़ी और वैश्विक स्तर पर नौवीं सबसे बड़ी कंपनी है।

कितनी है दौलत: अश्विन दानी ने इना से शादी की और उनके तीन बच्चे हैं। दानी के बेटे मालव भी कंपनी के बोर्ड के सदस्य हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक दानी की दौलत 7 बिलियन डॉलर से ज्यादा है।

भारत के टॉप 75 ब्रांड का कुल मूल्य 4 फीसद गिरकर 379 अरब डॉलर पर आया, टीसीएस का दबदबद बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टॉप 75 मूल्यवान ब्रांड का संयुक्त मूल्य वर्ष 2022 की तुलना में इस साल चार प्रतिशत गिरकर 379 अरब डॉलर रह गया है। मार्केटिंग डेटा एवं एनालिटिक्स फर्म कांतार की एक ब्रांड रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। कांतार ब्रांड्ज की टॉप 75 मूल्यवान भारतीय ब्रांड रिपोर्ट कहती है कि इन ब्रांड के मूल्यांकन में यह गिरावट आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों, ब्याज दरों में तेजी और बाजार की अनिश्चितता के कारण हाल में कारोबार और उपभोक्ताओं पर पैदा हुए तनाव को दर्शाती है।

आर्थिक उठापटक को देखते हुए यह गिरावट मामूली: हालांकि, वैश्विक स्तर के टॉप 100 मूल्यवान ब्रांड के कुल मूल्यांकन में इस दौरान 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि मौजूदा आर्थिक उठापटक को देखते हुए यह गिरावट मामूली ही है। कांतार के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ग्राहक अधिकारी (दक्षिण एशिया-अंतर्दृष्टि खंड) सौम्य मोहंती ने कहा, वैश्विक

ब्रांड्स की तुलना में भारत के टॉप ब्रांड्स के कुल मूल्यांकन में आई कम गिरावट इनके और भारतीय अर्थव्यवस्था के जुझारूपन को दर्शाती है। अगर हम निर्यात पर निर्भर बी2बी या प्रौद्योगिकी ब्रांड को हटा दें तो भारतीय ब्रांड का मूल्यांकन अधिक स्थिर और आंशिक रूप से बढ़ा ही नजर आता है।

मोहंती ने कहा कि असल में कई क्षेत्रों के मूल्य में वृद्धि हुई है और वाहन, दूरसंचार, वित्तीय सेवाएं एवं एफएमसीजी ब्रांड काफी स्थिर हैं। उन्होंने कहा, यदि आप इसकी तुलना 2019 से करते हैं तो हम अब भी कहीं ऊंचे स्तर पर हैं। कोविड गतिरोध से उबरने के बाद टॉप ब्रांड ने अपना मूल्य बरकरार रखा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड: रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 43 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड बना हुआ है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, जियो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक का स्थान है। कांतार ब्रांड्ज दुनियाभर में सबसे मूल्यवान ब्रांड की रैंकिंग करता है। इसके लिए लाखों उपभोक्ताओं से साक्षात्कार लिया जाता है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की' जनव्याख्यान माला 'को सम्बोधित करेंगे प्रोफ़ेसर अविजीत पाठक

भोपाल । अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'जन व्याख्यान माला' के तहत 29 सितम्बर को शाम 4.30 से 6.00 बजे ईपीसीओ- ई-5, पर्यावरण परिसर, अरेराकॉलोनी, भोपाल में प्रसिद्ध विद्वानऔर शिक्षा विद्प्रोफ़ेसर अविजीत पाठक का व्याख्यान होगा। प्रोफ़ेसर पाठक के व्याख्यान का विषय है' आज के दौर में शिक्षक होने का अर्थ'। वे शिक्षा के क्षेत्र मेंबढ़ती चुनौतियों के बीच कक्षा में समालोचनात्मक शिक्षण, बहसों और चर्चाओं को प्रोत्साहित करने की ज़रूरत पर बातचीत करेंगे।प्रोफ़ेसर पाठक पिछलेतीन दशकों सेअधिक समय से जवाहरलालनेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाते रहे हैं।उनकी पुस्तकों और लेखों का संसार बेहद समृद्ध है। उन्होंने शिक्षा, समाजशास्त्र और सामाजिक प्रणालियों पर व्यापक विमर्श कोगढ़नेमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 629 अरब डॉलर के पार, आरबीआई ने जारी किए जून के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी कर्ज जून 2023 के आखिर में मामूली रूप से बढ़कर 629.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, हालांकि कर्ज-जीडीपी अनुपात में गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई। आंकड़ों के अनुसार, कर्ज में 4.7 अरब अमेरिकी डॉलर का इजाफा हुआ है। मार्च के आखिर में यह 624.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।

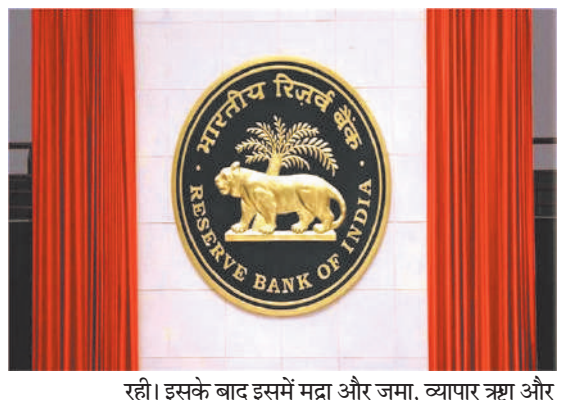

सरकार का सामान्य बकाया कर्ज घटा: आरबीआई ने कहा कि जून 2023 के आखिर में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात घटकर 18.6 प्रतिशत हो गया, जो मार्च 2023 के आखिर में 18.8 प्रतिशत था। आरबीआई ने कहा कि सरकार का सामान्य बकाया कर्ज कम हुआ, जबकि गैर-सरकारी कर्ज जून 2023 के आखिर में बढ़ गया। इसके अलावा, विदेशी कर्ज में 32.9 प्रतिशत की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी कर्ज की रही। इसके बाद इसमें मुद्रा और जमा, व्यापार ऋण और एडवांस और ऋण प्रतिभूतियों का योगदान रहा।

इससे पहले भारत का विदेशी कर्ज मार्च, 2023 के आखिर में मामूली रूप से बढ़कर 624.7 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था। दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले देशों में जापान का नाम शुमार है। अमेरिका भी कर्ज लेने के मामले में भारत से आगे है।

पीएम गति शक्तिः 52,000 करोड़ रुपए की छह ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम गति शक्ति पहल के तहत 52,000 करोड़ रुपये की सड़क और रेलवे की छह बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, इससे पीएम गति शक्ति को शुरू करने के बाद से नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) द्वारा मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की कुल संख्या 112 हो गई है, जिनकी कुल लागत करीब 11.53 लाख करोड़ रुपये है।

इन छह परियोजनाओं का मूल्यांकन 27 सितंबर को 56वीं एनपीजी की बैठक में किया गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, '' पीएम गति शक्ति के तहत समूह की बैठक में छह परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की चार परियोजनाएं और रेल मंत्रालय की दो परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल परियोजना लागत करीब 52,000 करोड़ रुपये है।

अंतर-मंत्रालयी एनपीजी हर पखवाड़े बैठक करता है। इस दौरान वह क्रियान्वयन संबंधी प्रयासों तथा परियोजना स्थल के आसपास व्यापक विकास सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन करता है।

एशियाई खेल 2023

पलक को स्वर्ण, ईशा को रजत

हांगझोउ (एजेंसी)। पलक गूलिया और ईशा सिंह ने एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। दोनों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती देते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए। 17 वर्ष की पलक ने स्वर्ण और ईशा ने रजत पदक जीता। भारत ने इस एशियाई खेलों में निशानेबाजी में 6 स्वर्ण समेत 17 पदक जीत लिए हैं। पाकिस्तान की तलत किश्माला को कांस्य पदक मिला।

पलक का यह अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में पहला व्यक्तिगत पदक है। उसने फाइनल में 242.1 स्कोर किया जो एशियाई खेलों में रिकॉर्ड है। बुधवार को 25 मीटर पिस्टल में व्यक्तिगत रजत जीतने वाली ईशा 10 मीटर एयर पिस्टल रजत जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थी। ईशा ने व्यक्तिगत फाइनल में 239.7 स्कोर किया।

पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में भारत ने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (591), स्वप्निल कुसाले (591) और अखिल श्योराण (587) टीम में थे जिन्होंने चीनी चुनौती से पार पाते हुए 1769 स्कोर किया। चीन 1763 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया को कांस्य पदक मिला। ऐश्वर्य और स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में पहले और दूसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया।

अखिल पांचवें स्थान पर रहते हुए भी फाइनल में जगह नहीं बना सके क्योंकि आठ टीमों के फाइनल में एक देश से दो ही प्रतियोगी भाग ले सकते हैं। अगले साल पेरिस ओलंपिक में पदक उम्मीद स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए 591 स्कोर किया। ऐश्वर्य का भी यही स्कोर था लेकिन इनर 10 ज्यादा मारने के कारण स्वप्निल शीर्ष रहे।

निशानेबाजों ने पदकों की बौछार की

शूटिंग टीम ने रच दिया इतिहास, गोल्ड और सिल्वर पर कब्जा

एशियन गेम्स में भारत ने शूटिंग में नया इतिहास रच दि?या है। भारत ने अब तक के एशियाड में शूटिग कैटगरी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। युवा निशानेबाजी ईशा सिंह की अगुवाई में भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने एशियाई खेलों में रजत पदक जीता।18 वर्ष की ईशा (579), पलक (577) और दिव्या टीएस (575) का कुल स्कोर 1731 रहा। चीन ने 1736 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता जो एशियाई खेलों का रिकॉर्ड भी है। चीनी ताइपै को कांस्य पदक मिला। ईशा और पलक क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहकर व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी पहुंच गए । दिव्या दसवें स्थान पर रहकर आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना सकी । ईशा ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत भी जीता है ।वहीं ईशा, मनु भाकर और रिदम सांगवान ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था । वहीं, भारतीय पुरूष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस टीम ने एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीता। ऐश्वर्या, स्वप्निल और अखिल की तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3पी (शूटिंग) में गोल्ड मेडल पर कब्जा किया. भारत के लिए निशानेबाजी में 15वां पदक है।

स्क्वाश में भारतीय महिला टीम ने जीता कांस्य पदक

भारतीय महिला स्क्वाश टीम ने एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में हांगकांग से हारने के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। जोशना चिनप्पा, अनहत सिंह और तन्वी खन्ना की तिकड़ी को हांगकांग ने 1.2 से हराया। जोशना अकेली भारतीय थी जिसने जीत दर्ज की। उसने दुनिया की 24वें नंबर की खिलाड़ी जे लोक हो को 7.11, 11.7, 9.11, 11.6, 77.8 से हराया। तन्वी को पहले मैच में सिन युक चान ने 3.0 से मात दी। वहीं अनहम को ली का यि ने 11.8, 11.7, 12.10 से हराया।

एक-दो नहीं 15 बड़े खिलाड़ी है क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 से पहले जख्मी

नईदिल्ली (एजेंसी)। एकदिवसीय विश्व कप की शुरूआत 5 अक्टूबर से अहमदाबाद में हो रही है लेकिन अंतिम समय तक सभी टीमें अपने प्रमुख प्लेयरों की चोटों से जूझती दिखी। टीम की फाइनल लिस्ट जारी करने की लिस्ट 28 सितंबर थी जिस दिन भारत और ऑस्ट्रेलिया ने बदली हुई टीम विश्व कप प्रबंधन को सौंपी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे जैसे खिलाड़ी पूरी तरह से विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जबकि अन्य खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं या फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

नसीम शाह

पाकिस्तान का यह तेज गेंदबाज कंधे की गंभीर चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गया है जिसके लिए सर्जरी की जरूरत होगी। दाहिने हाथ का तेज कई महीनों के लिए दरकिनार कर दिया गया है और अगले साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए वापसी कर सकता है।

ट्रैविस हेड

उंगली में फ्रैक्चर के कारण विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज की भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है, जिससे वह टूर्नामेंट के शुरुआती चरण से बाहर हो गए हैं।

जोफ्रा आर्चर

इंग्लैंड का तेज गेंदबाज इंग्लैंड टीम के साथ है। जोफ्रा दाहिनी कोहनी में फ्रैक्चर के करण परेशान थे। उनका विश्व कप में खेलना आसान नहीं है।

वानिंदु हसरंगा

श्रीलंका के लेग स्पिनिंग ऑलराउंडर जांघ में खिंचाव के कारण लंका प्रीमियर लीग फाइनल और एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। पुनर्वसन के दौरान ग्रेड तीन हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट के कारण भारत में मुख्य कार्यक्रम से बाहर हो गए।

टिम साउदी

अनुभवी कीवी सीमर ने अपने टूटे हुए अंगूठे की सर्जरी कराई है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के जो रूट की गेंद पर कैच लेने के दौरान उन्हें चोट लग गई। उनका नाम विश्व कप टीम में है। लेकिन वह खेल पाएंगे या नहीं इस पर अभी भी असमंजस है।

केन विलियमसन

पिछले अप्रैल में घुटने की गंभीर चोट का शिकार हुए केन विलियमसन अभी अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के कप्तान के तौर पर विश्व कप टीम में चुना गया है लेकिन उनकी फिटनेस अभी भी 100 फीसदी नहीं है।

इबादोत हुसैन

घुटने की सर्जरी के बाद बांग्लादेश का यह तेज गेंदबाज विश्व कप में नहीं खेल पाएगा। उनके 8 महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहने की उम्मीद है।

दुष्मंथा चमीरा

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज कंधे की चोट के कारण एशिया कप टूर्नामेंट में नहीं खेल सके और उनके विश्व कप के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है।

एनरिक नॉर्टजे

दक्षिण अफ्रीका का यह तेज गेंदबाज लगातार दूसरा क्रिकेट विश्व कप नहीं खेल पाएगा। टूटे हुए दाहिने अंगूठे ने उन्हें इंग्लैंड में 2019 टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था और अब पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह 2023 संस्करण में भी नहीं खेल पाएंगे।

हारिस रऊफ

दाएं हाथ का तेज गेंदबाज साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप में खेल नहीं पाया था लेकिन उसे विश्व कप के लिए चुना गया है। उन्होंने प्रशिक्षण में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि वह मैच खेलेगा।

महेश थीक्षणा

श्रीलंकाई स्पिनर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण भारत के खिलाफ हाल ही में एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। हालाँकि, टीम प्रबंधन को भरोसा है कि वह 50 ओवर के आयोजन के लिए समय पर फिटनेस हासिल कर लेंगे।

मिचेल स्टार्क

बाएं हाथ का ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज इंग्लैंड में एशेज सीरीज के दौरान लगी कमर की चोट से उबर रहा है। भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में स्टार्क ने जरूर वापसी कि लेकिन वह फिट नहीं दिखे।

ग्लेन मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टखने की चोट से उबरने के बाद भारत में टीम में शामिल हुए। जुलाई के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में ज्यादा स्कोर नहीं बना पाए थे।

अक्षर पटेल

बाएं हाथ के भारतीय स्पिनर बाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। वह अंत समय तक फिट नहीं हो पाए जिसके चलते बीसीसीआई ने उनकी जगह पर रविचंद्रन अश्विन को टीम में चुन लिया।

एश्टन एगर

ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एश्टन एगर चोट के कारण क्रिकेट विश्व कप से बाहर हो गए। प्रमुख ऑलराऊंडर की जगह पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रबंधन ने मार्नेस लाबुछेन को टीम में शामिल किया।

मीराबाई की नजरें एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक पर, स्नैच में 90 किग्रा भार उठाने का दबाव

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत की अनुभवी भारोत्तोलक मीराबाई चानू एशियाई खेलों में शनिवार से यहां शुरू हो रही भारोत्तोलन प्रतियोगिता में जब चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगी तो उन पर स्नैच वर्ग में 90 किग्रा का भार उठाने का दबाव होगा।

मणिपुर की इस खिलाड़ी के लिए हालांकि इन खेलों में पोडियम स्थान हासिल करना आसान नहीं होगा। भारोत्तोलन में चीन, उत्तर कोरिया और थाईलैंड जैसे देशों का दबदबा रहा है। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता चानू 49 किग्रा भार वर्ग में दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही है। वह हालांकि स्नैच वर्ग में 90 किग्रा का भार उठाने में संघर्ष कर रही है।

क्लीन एवं जर्क में वह 119 किग्रा के साथ अब भी दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में है लेकिन स्नैच में खराब प्रदर्शन से उनका कुल भार प्रभावित हो रहा है। स्नैच में चानू का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88 किग्रा है। उनके भारवर्ग में सात खिलाड़ियों ने 90 किग्रा या उससे ज्यादा का भार उठाया है। इसमें से चीन की दो बार की विश्व चैंपियन जियांग हुइहुआ, उत्तर कोरिया की री सोंग गम और थाईलैंड की थान्याथोन सुकचारोएन एवं सुरोडचाना खंबाओ एशियाई खेलों में चुनौती पेश करेंगी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने मीडिया से कहा, 'हमारा लक्ष्य एशियाई खेलों में 90 किग्रा (स्नैच में) का आंकड़ा पार करना है। काफी समय हो गया है जब से हम उस बाधा को पार करने का प्रयास कर रहे हैं। भारोत्तोलन में बिंदियारानी देवी महिलाओं की 55 किग्रा स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी।

2011 विश्व कप के दौरान सचिन ने दी थी टीम को सलाह

युवराज सिंह ने 12 साल बाद किया खुलासा

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2011 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में झटका ग्रुप स्टेज के दौरान लगा जब भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से हुआ। जो एक सीधी जीत होनी चाहिए थी, उसमें भारत ने खुद को परिणाम के गलत पक्ष में पाया, जिससे मीडिया में हंगामा मच गया। यह ऐसा क्षण था जिससे टीम का ध्यान टूट सकता था। इस मीडिया तूफान के बीच लिटिल मास्टर सचिन तेंदुलकर ने खुद अपनी उल्लेखनीय बल्लेबाजी क्षमता से परे नेतृत्व की भूमिका निभाई। युवराज ने तेंदुलकर द्वारा टीम को दी गई बुद्धिमान सलाह को याद किया।

युवराज ने कहा, हम खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे थे और

विश्व कप में हम दक्षिण अफ्रीका से हार गए - एक ऐसा खेल जिसे हमें जीतना चाहिए था। मीडिया पागल हो गया। सचिन टीम के साथ बैठे और कहा, हमें इसकी जरूरत है टेलीविजन देखना बंद करो, अखबार पढ़ना बंद करो। जब हम हवाई अड्डों पर भीड़ से गुजर रहे हों तो अपने हेडफोन का उपयोग करें। सिर्फ विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करें। टीम सहमत थी, हमने बस उसका पालन किया और यह वास्तव में काम कर गया। उन्होंने कहा, भारत के साथ समस्या यह है कि लोग सोचते हैं कि केवल भारतीय टीम ही जीतेगी। यह एक बड़ा विश्व कप है, वहां बहुत सारी अच्छी टीमें हैं और हमें वास्तव में अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारत की विश्व कप टीम पर बोले युवराज सिंह

लेग स्पिनर के रूप में चहल बेहतर विकल्प होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा कि युजवेंद्र चहल को भारत की एकदिवसीय विश्व कप टीम से बाहर किया जाना उनके लिए आश्चर्य की बात थी और टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें लेग स्पिनर के रूप में चुनना चाहिए था। चहल को प्रारंभिक 15-सदस्यीय रोस्टर से बाहर रखा गया था और यहां तक ??कि जब अक्षर पटेल को चोट लगने के कारण बाहर कर दिया गया था तब भी उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया था, टीम प्रबंधन ने ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को प्राथमिकता दी थी।

युवराज ने 2011 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था, ने कहा कि भारत के पास एक बेहतरीन संतुलित टीम है और उन्होंने भारतीय परिस्थितियों में चहल जैसे लेग स्पिनर की आवश्यकता पर जोर दिया। युवराज ने कहा, च्हमारी टीम का संतुलन अच्छा है। मुझे लगा कि युजवेंद्र चहल को वहां होना चाहिए था क्योंकि हम भारत में खेल रहे हैं और अक्सर (यहां की पिचों पर) स्पिन होती है। अन्यथा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छी संतुलित टीम है।

उन्होंने भारत की विश्व कप टीम से इस लेग स्पिनर को बाहर किए जाने पर निराशा व्यक्त की। चहल की अनुपस्थिति पर अफसोस जताते हुए युवराज ने कहा कि लेग स्पिनर एक बेहतर विकल्प था क्योंकि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपनी टीम के लिए मैच जीत सकता है। उन्होंने कहा, च्यह थोड़ा आश्चर्य की बात थी, जैसा कि मैंने कहा था कि लेग स्पिनर के रूप में युजवेंद्र चहल बेहतर विकल्प होते। स्पिनर वह व्यक्ति है जो आपको मैच जिता सकता है। मुझे लगा कि वाशिंगटन सुंदर एक युवा लड़का है और बल्लेबाजी भी कर सकता है। लेकिन दिन के अंत में कप्तान और कोच को सर्वश्रेष्ठ फॉर्म देखना होगा।

वनडे विश्व कप के लिए टीम सौंपने के आखिरी दिन भारत ने चोटिल ऑलराउंडर पटेल की जगह अनुभवी स्पिनर अश्विन को टीम में शामिल किया। मेन इन ब्लू अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

राजकोट में रोहित शर्मा का आईफोन हुआ चोरी

राजकोट (एजेंसी)। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हाल ही में समाप्त हुई भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला के तीसरे वनडे मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने अपना आईफोन खो दिया था। विशेष रूप से हिटमैन का फोन तब गायब हो गया जब अनुभवी सलामी बल्लेबाज तीसरे वनडे से पहले नेट्स में अभ्यास कर रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक रोहित का फोन गायब होने की खबर तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो गई। हालांकि, इस विषय ने कप्तान को ज्यादा परेशान नहीं किया क्योंकि उन्होंने अंतिम वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी क्लास का प्रदर्शन किया।

रोहित सीरीज के पहले दो वनडे में नहीं खेल पाए थे लेकिन राजकोट में आखिरी वनडे के लिए लौटे और मुकाबले में सनसनीखेज प्रदर्शन किया। भारत के मैच हारने के बावजूद रोहित ने अपना प्रभाव जाहिर करना सुनिश्चित किया। 353 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ने केवल 286 रन बनाए रोहित 57 गेंदों में 81 रनों के स्कोर के साथ भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाए। हालांकि यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने 66 रनों से खेल जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवरों की श्रृंखला समाप्त करने के बाद टीम इंडिया आगामी वनडे विश्व कप 2023 के लिए कमर कस रही है। पहली बार पूरी तरह से इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन की मेजबानी करते हुए टीम के पास बेजोड़ घरेलू समर्थन होगा। गौर करने वाली बात यह भी है कि वनडे विश्व कप की शुरुआत से पहले भारत क्रमशः 30 सितंबर और 3 अक्टूबर को इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ दो अभ्यास मैचों में प्रतिस्पर्धा करेगा। इसके अलावा 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे।

एशिया कप

हांगकांग के बल्लेबाज ने 12 गेंदों में बनाए नाबाद 40 रन, 5.5 ओवर में जीता मैच

हांगझोउ (एजेंसी)। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज खेले गए क्रिकेट टी20 पुरुष मुकाबले में हांगकांग ने निजाकत खान और बाबर हयात की तूफानी पारी की बदौलत कोलंबिया को नौ विकेट से हरा दिया है।

हांगकांग ने टॉस जीतने के बाद क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और उसने पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलंबिया की टीम को शानदार गेंदबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 70 रन पर समेट दिया। कोलंबिया टीक के ओपनर उदय हथिंजड़ को शुक्ला ने पहले ही ओवर में अकबर खान के हाथों शून्य पर आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। दूसरे ओपनर राम शरण ने 34 गेंदों में सर्वाधिक (27) रन बनाए। उन्हें नसरुल्ला राणा ने पगबाधा आउट किया।

हांगकांग के गेंदबाज नसरुल्ला राणा ने लक्षित गुप्ता (4) लुक़मान बट्ट (17) और ऐली एवंस (शून्य) पर बोल्ड आउट किया। कोलंबिया के दो खिलाड़ियों को छोड़ कोई भी खिलाड़ी दहाई अंक आंकड़ा छू नहीं सका। टीम के पांच खिलाड़ी शून्य पर आउट हुये। कोलंबिया की टीम 11 रन अतिरिक्त के रूप में प्राप्त हुए। हांगकांग की ओर से नसरुल्ला राणा ने सात रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। मोहम्मद ग़ज़नफ़र और अनस ख़ान ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। आयुष शुक्ला और एहसान ख़ान को एक-एक विकेट मिला।

71 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग टीम के ओपनर कप्तान निजाकत खान 21 गेंदा में 34 रन और एक विकेट के आउट होने के बाद खेलने आए बाबर हयात ने 12 गेंदों में 40 रन की नाबाद तूफानी पारी की बदौलत हांगकांग को 5.5 ओवर में 75 रन बनाकर जीत दिला दी। हांगकांग की ओर से एक मात्र विकेट मुहम्मद ख़ान के रूप में गिरा उन्हें शून्य के स्कोर पर कुरैशी ने पगबाधा आउट किया। कोलंबिया की ओर से एक मात्र विकेट मंसूर कुरैशी को मिला।

एशियन गेम्स में अपने फेवरेट एथलीट नीरज चौपड़ा से मिले रिंकू सिंह

हांगझू (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के क्रिकेटर रिंकू सिंह ने एशियन गेम्स के लिए हांगझू की यात्रा की। इस दौरान एयरपोर्ट पर उन्होंने अपने फेवरेट एथलीट नीरज चोपड़ा से मुलाकात की। रिंकू पहले दिए एक इंटरव्यू में रिंकू से मिलने की बेताबी जाहिर कर चुके थे। रिंकू एशियाई गेम्स में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अध्यक्षता में गई टीम इंडिया के सदस्य हैं। इस दौरान एयरपोर्ट पर पूरी टीम इंडिया ने नीरज चोपड़ा के साथ मुलाकात की और यादगारी फोटोज शेयर कीं। नीरज अपने गोल्ड का बचाव करने के लिए हांगझू पहुंचे हैं। नीरज ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों की भाला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड जीते थे।

एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट स्पर्धा की बात करें तो इसमें नेपाल, हांगकांग, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मालदीव समेत कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारतीयों ने एशियाई खेलों में अपनी बी टीम भेजी है लेकिन उसमें अभी भी आसानी से स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता है। भारत को श्रीलंका या पाकिस्तान टक्कर दे सकती है। भारतीय टीम में तिलक वर्मा, राहुल त्रिपाठी और यशस्वी जयसवाल के रूप में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मौजूद हैं। इसके अलावा शाहबाज अहमद, शिवम दुबे के साथ वाशिंगटन सुंदर को भी टीम में रखा गया है। जितेश शर्मा और प्रभसिमरन सिंह दो विकेटकीपिंग विकल्प हैं। टीम में एकमात्र लेग स्पिनर रवि बिश्नोई होंगे। अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, अवेश खान और आकाश दीप तेज गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व करेंगे।

नीरज की बात करें तो वह डायमंड लीग ट्रॉफी का बचाव करने में नाकाम रहने के कारण एशियाई खेलों की प्रतियोगिता में उतर रहे हैं। एशियाई खेलों में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उतरते ही नीरज के 2 लक्ष्य होंगे। एक गोल्ड जीतना। दूसरा- 90 मीटर का आंकड़ा पार करना। नीरज भारतीय एथलेटिक्स में एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक स्वर्ण, एशियाई खेलों का स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण, विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण और डायमंड लीग ट्रॉफी भी जीती है। नीरज 4 अक्टूबर को एक्शन में होंगे जबकि भारतीय टीम 3 अक्टूबर को सीधे क्वार्टर फाइनल खेलेगी। नीरज और भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम दोनों स्वर्ण पदक के दावेदार हैं। इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

एचपीएससी में पर्चा और खर्चा यानि खर्चा करो और पर्चा आउट कराओ का खेल कर रहे : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, एजेंसी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने एचसीएस अलाइड सर्विस की मुख्य परीक्षा में 100 पदों के लिए सिर्फ 61 उम्मीदवारों को ही पास किए जाने पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया बड़े और सुनियोजित भर्ती घोटाले की ओर इशारा कर रही है।

क्योंकि प्रदेश की बीजेपी-जेजेपी सरकार हरियाणवी युवाओं को भर्ती लिस्ट से बाहर कर ज्यादातर भर्ती दूसरे राज्य के लोगों की करने पर जोर लगा रही है। उन्होंने कहा कि पर्ची और खर्ची की बात करने वाले अब भर्तियों में 'पर्चा और खर्चा' यानी

खर्चा करो और पर्चा आउट कराओ का खेल कर रहे हैं। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि इस बार हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा में पिछले साल की परीक्षा के प्रश्न पत्र से 38 सवाल कॉपी-पेस्ट कर दोहराए गए हैं। कई प्रश्न क्रम भी वही थे, जो पिछले साल थे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि अपने चहेतों को एचसीएस बनाने के लिए जानबूझकर कम लोगों को पास किया गया। ऐसा पहली बार हुआ है कि भर्ती परीक्षा में कुल पदों से भी कम अभ्यर्थी पास किए गये। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि पारदर्शिता के नाम पर सुनियोजित ढंग से पेपर लीक करवाकर बड़ा भर्ती घोटाला अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने मांग करी कि भ्रष्टाचार, कदाचार का पर्याय बन चुके एचपीएससी को तुरंत भंग किया जाए और इस पूरे भर्ती घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। हरियाणा के जो युवा यूपीएससी जैसे एग्ज़ाम पास करके देश की सेवा कर रहे हैं क्या वो एचसीएस परीक्षा पास नहीं कर पाएंगे! एचपीएससी के इन नतीजों से हरियाणा के लाखों युवाओं के सपने चकनाचूर हो गये हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी-जेजेपी सरकार हरियाणा के युवाओं की प्रतिभा पर जानबूझकर सवालिया निशान लगाकर, प्रदेश के युवाओं को अयोग्य घोषित कर बड़े पदों पर अन्य राज्यों के लोगों को भर्ती करने की नीति पर चल रही है।

1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू करने के लिए तैयार है। सीबीआईसी के चेयरमैन संजय अग्रवाल ने गुरुवार को ये बात कही। सीबीआईसी के चेयरमैन ने मीडियाकर्मियों से कहा, हम इसे 1 अक्टूबर से लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, संबंधित अधिसूचनाएं प्रक्रियाधीन हैं।यह कदम सभी राज्यों की सर्वसम्मति से उठाया गया है और हाल ही में लोकसभा में जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया गया।अग्रवाल ने कहा, 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लागू करने के लिए सभी राज्यों को इसे अपनी विधानसभाओं में पारित करना होगा या 30 सितंबर तक अध्यादेश जारी करना होगा।ऑनलाइन गेमिंग के मामले में लगाए गए दांव, कैसीनो के मामले में खरीदे गए चिप्स के अंकित मूल्य और घुड़दौड़ के मामले में सट्टेबाज/टोटलाइज़र के साथ लगाए गए दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। वर्तमान में लगने वाले 18 प्रतिशत के बजाय 28 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है।11 अगस्त को, लोकसभा ने मानसून सत्र के अपने अंतिम सत्र के दौरान ध्वनि मत से दो जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित

किया। ये संशोधन एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 से संबंधित हैं, जिसका मकसद ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ के लिए 28 प्रतिशत जीएसटी लागू करना है।

हिमालय के तापमान में तेजी से बदलाव, ग्लेशियरों पर भी बुरा असर: एक्सपर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। हिमालय का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इक्कीसवीं सदी में इसके गरम होने की रफ्तार दोगुनी हो गई है। निचले इलाकों की तुलना में उच्च हिमालयी क्षेत्र ज्यादा तेजी से गरम हो रहा है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट बताती है कि यदि यही स्थिति रही तो इस सदी के समाप्त होने तक हिमालय के तापमान में 2.6 से 4.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

इससे बड़ी संख्या में ग्लेशियर और नदियों के प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाएगा। पुणे स्थित संस्थान ने हिमालय के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे वैज्ञानिक अध्ययनों से मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया है। सौ से ज्यादा वर्षों के आंकड़ों के अध्ययन से पता चला कि हिमालय का तापमान बीसवीं सदी की शुरुआत से धीरे-धीरे बढ़ने लगा था।

बीच के कुछ वर्षों में हालात सुधरे भी पर 1970 के बाद बिगड़ी स्थिति फिर काबू नहीं हो पाई। 21वीं सदी शुरू होने के साथ ये और विकराल हो गई है। बीसवीं सदी के किसी भी एक दशक में औसत तापमान .16 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा। 21वीं सदी की शुरुआत के दशकों में ये वृद्धि .32 डिग्री सेल्सियस पहुंच गई है।

हिमालय का औसत तापमान वर्ष 1901 से 1940 तक धीरे-धीरे बढ़ा। वर्ष 1940 से 1970 के बीच तापमान में भी गिरावट देखने को मिली, पर वर्ष 1970 के बाद तापमान काफी तेजी से बढ़ने लगा। बीच के 30 सालों में तापमान गिरने की क्या वजह रही, इस पर भी अध्ययन किया जा रहा है।

चार हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई पर हिमालय का तापमान और तेजी से बढ़ रहा है। 10 वर्षों में इन स्थानों पर 0.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भविष्य में तापमान बढ़ने की रफ्तार और बढ़ेगी। माना जा रहा है कि 21वीं सदी के अंत तक तापमान में 2.6 से 4.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। जो कि एक चिंता का विषय है। इससे पेड़ पौधों और लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। हिमालय का बढ़ रहा तापमान ग्लेशियरों को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। तापमान बढ़ने और शीतकाल में बर्फबारी कम होने से हिमालय के ग्लेशियर पिघल रहे हैं। पिछले 40 वर्षों में हिमालय के ग्लेशियरों में 13 प्रतिशत की कमी देखी गई है। पूर्वी हिमालय के ग्लेशियरों में सबसे अधिक नुकसान देखने को मिल रहा है। हिमालय के तापमान बढ़ने की रफ्तार चिंताजनक है। कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करना होगा ताकि ग्लोबल वार्मिंग का खतरा कम हो सके। हिमालय, भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों को आर्थिक और सांस्कृतिक ताकत देता है। इसे रोका नहीं गया तो समाज की पूरी सूरत बदल सकती है।

ग्रेटर नोएडा में बनेंगे 2 नए अंतरराज्यीय बस अड्डे, मास्टर प्लान 2041 में होंगे प्रावधान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में मास्टर प्लान-2041 में ग्रेटर नोएडा को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों के लिए 'पहले पड़ाव' के रूप में देखा गया है। यही कारण है कि मास्टर प्लान में आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को प्राथमिकता पर रखा गया है। इसी के तहत ग्रेटर नोएडा में दो अंतरराज्यीय बस अड्डे विकसित किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा की 40 लाख की आबादी को समायोजित करने में मास्टर प्लान 2041 सक्षम होगा। नए मास्टर प्लान के हिसाब से अब ग्रेटर नोएडा 71327.63 हेक्टेयर का हो जाएगा। इसमें से 53,350 हेक्टेयर शहरीकरण के आरक्षित होगा। मास्टर प्लान को लेकर आमजन अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। सारी प्रक्रिया को पूरी करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इसे प्रदेश सरकार को भेजेगा। प्रदेश सरकार की मुहर के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन 2024 में शुरू हो जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मास्टर प्लान बनाते समय एयरपोर्ट को अपने केंद्र में रखा है। मास्टर प्लान में बताया गया है कि यमुना

एक्सप्रेसवे के आसपास के क्षेत्र को विकसित होने में अभी कुछ साल लगेंगे, इसलिए ग्रेटर नोएडा जेवर एयरपोर्ट से दिल्ली एवं उत्तरी भारत की ओर आने वाले यात्रियों और कार्गो के लिए पहला पड़ाव होगा। इस क्षेत्र की लोकेशन के हिसाब से ग्रेटर नोएडा का महत्व, भूमि की तत्काल उपलब्धता और तैयार बुनियादी ढांचा निवेश के लिए बहुत ही बेहतर है। यह विदेशी पूंजी को भी आकर्षित करेगा। सावर्जनिक परिवहन को दुरुस्त किया जाएगा। मेट्रो विस्तार, सिटी बस पर जोर दिया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया गया है। इसमें इलेक्ट्रिक रिक्शा योजना भी शामिल है। योजना में पांच हेक्टेयर क्षेत्र में दो स्थानों पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल की स्थापना की जाएगी। तीन स्थानों पर ट्रांसपोर्ट नगर प्रस्तावित किए गए हैं। मास्टर प्लान में बताया गया है कि ग्रेटर नोएडा विकास की ओर और तेजी से अग्रसर होगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पर्यावरण को संरक्षित करने पर जोर दिया जाएगा ताकि देश-विदेश के लोग जब ग्रेटर नोएडा से होकर जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचें तो उन्हें बेहतर अहसास हो। हरित भवनों और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पिछले मास्टर प्लान की तुलना में हरित क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा के दक्षिण में यमुना प्राधिकरण और जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क के साथ 674 हेक्टेयर क्षेत्र प्रस्तावित है।

गुरुग्राम-फरीदाबाद के मौसम का मिलेगा पल-पल का अपडेट, जल्द बनेंगे 8 वेदर स्टेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के दो प्रमुख स्मार्ट सिटी गुरुग्राम और फरीदाबाद जिले में पर्यावरण और जलवायु की स्थिति पर नजर रखने के लिए जल्द ही वेदर स्टेशन (मौसम केंद्र) स्थापित किए जाएंगे। भारतीय मौसम विभाग और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा संचालित इस सहयोगात्मक पहल में, गुरुग्राम में 5 और फरीदाबाद में तीन वेदर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

इसका उद्देश्य गुरुग्राम और फरीदाबाद जिलों में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन से (एडब्ल्यू) और वायु शुद्धता की जांच स्थापित करना है। साथ ही मौसम विभाग और जीएमडीए द्वारा संयुक्त रूप से हाई रिजोल्यूशन वेदर और चेतावनी सेवाएं विकसित करना है। इस नेटवर्क का उपयोग स्थानीय स्तर पर पर्यावरण और जलवायु परिस्थितियों की निगरानी के लिए इस नेटवर्क का उपयोग क्षेत्र/ब्लॉक स्तर पर भी किया जाएगा। इसके बाद सभी जिलों में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

आईसीसीसी से जोड़ा जाएगा गुरुग्राम और फरीदाबाद में स्थापित इन वेदर स्टेशनों का वास्तविक समय डेटा जीएमडीए के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और भारतीय मौसम विभाग के साथ साझा किया जाएगा। यदि प्रदूषण स्तर या पर्यावरणीय खतरों से संबंधित किसी भी चिंता के कारण का पता चलता है तो संबंधित अधिकारियों और विभागों द्वारा उपयुक्त कार्रवाई की जा सकती है। निगरानी प्रणालियां तीन मापदंडों को मापने में सक्षम होंगी, अर्थात् मौसम विज्ञान जिसमें हवा की दिशा, हवा की गति, परिवेश का तापमान, वर्षा, सापेक्ष आर्द्रता, सौर विकिरण और वायुमंडलीय दबाव का आंकलन शामिल होगा। दूसरे, सिस्टम के माध्यम से वायु गुणवत्ता मापदंडों की भी निगरानी की जाएगी जो पर्यावरण में नाइट्रोजन, अमोनिया, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी विभिन्न हानिकारक गैसों की उपस्थिति का पता लगाएगी।

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में दुकानों से चोरियां व लूटपाट, सालाना 72 हजार करोड़ की चपत

मेलबर्न, एजेंसी। बेकाबू होती महंगाई से कई देशों में आम लोगों की कमर टूट रही है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में तो लोगों को रोजाना की जरूरतों में कटौती करनी पड़ी रही है। महंगाई के चलते अपराध भी बढ़ने लगा है। किराना और खाने-पीने की सामग्री बेचने वाले स्टोर्स में चोरियां बढ़ गई हैं। कुछ इलाकों में तो इसने संगठित अपराध का रूप ले लिया है। कुल मिलाकर हालात अराजक होते जा रहे हैं। खुदरा कारोबारी संगठनों के मुताबिक दोनों देशों में एक साल में लूटपाट, संगठित अपराधियों की सेंधमारी से 72 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी ग्रॉसरी चैन नॉर्थ आइलैंड को फूडस्टफ्स ने अगस्त में फुटेज जारी किए थे। इसमें लोग बगैर शर्म के चोरियाँ करते दिखे। विशेषज्ञों का कहना है कि ये घटनाएं लोगों की बढ़ती महंगाई के कारण हताशा भी उजागर करती हैं। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के सर्वे के अनुसार, करीब 30त्न लोगों को आय से गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी

अमेरिका में संचालित क्राइम इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ऑरर के सह संस्थापक और सीईओ फिल थॉमसन का कहना है कि स्टोर्स में ग्राहकों की संख्या की घटने के साथ संगठित अपराधियों को खाद्य सामान और अन्य घरेलू चीजों की चोरी के मौके बढ़े हैं। सितंबर में पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, न्यूजीलैंड में दुकान और रिटेल स्टोर्स में 2021 की तुलना में 2022 में चोरियां 45प्रतिशत वह गई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स में जून में रिटेल स्टोर्स से चोरी की दर बीते साल से 47.5प्रतिशत अधिक थी। अंजाम दिया है। वहां सेंटर सिटी में मंगलवार शाम गैंग ने कई दुकानों में दंगों के वक्त होने वाली लूटपाट की तरह वारदात को साथ ही फुट लॉकर पर सुरक्षा गार्ड्स के साथ मारपीट की लूटपाट के शिकार स्टोर में एपल स्टोर भी शामिल है। घटना से जुड़ा बीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवा नकाबपोश पुरुष और महिलाएं जबरन दुकानों में घुसते दिखीं। उनके हाथ जो कुछ भी लगा, वह लूटकर ले गए। ऑस्ट्रेलिया में सेल्फ चेकआउट बंद किया जा रहा है। स्टोर्स स्वचालित गेट, फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजी का सहारा ले रहे है, ताकि पूर्व में चोरी कर चुके व्यक्ति का स्टोर में घुसते ही पता लग जाए।

ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में दाल फेंकने के आरोप में 2 भाजपा विधायकों को किया निलंबित

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मलिक ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में अध्यक्ष के आसन पर दाल फेंकने के आरोप में भाजपा के मुख्य सचेतक मोहन चरण माझी और विधायक मुकेश महालिंग को निलंबित कर दिया।दोनों नेताओं को 4 अक्टूबर तक शेष मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है।बीजद विधायक अतनु सब्यसाची नायक ने कहा, हम इस व्यवहार की कड़ी निंदा कर रहे हैं। अध्यक्ष की कुर्सी की एक गरिमा होती है और हम अध्यक्ष की कुर्सी की गरिमा को धूमिल करने के प्रयासों की निंदा करते हैं।मानसून सत्र के चौथे दिन विधानसभा में हंगामा हुआ, क्योंकि भाजपा सदस्यों ने विपक्ष के नेता जय नारायण मिश्रा के खिलाफ बीजद नेता और नयागढ़ विधायक अरुण साहू द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।साहू ने पहले कहा था कि मिश्रा और अन्य विपक्षी नेता मानसिक विकार से पीड़ित हैं। उन्होंने सभी से अच्छी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति के साथ सदन में आने का आग्रह किया।नयागढ़ विधायक एलओपी मिश्रा और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता, नरसिंह मिश्रा का मुकाबला कर रहे थे, जिन्होंने राज्य के विभिन्न स्थानों पर 5टी सचिव के हेलीकॉप्टर की सवारी और 190 स्थानों पर शिकायत बैठकों के संचालन का मुद्दा उठाकर सत्तारूढ़ दल को घेरने की कोशिश की थी।बाद में भाजपा नेताओं ने अध्यक्ष से साहू की विशेष टिप्पणियों को उनके बयान से निकालने की मांग की। हालांकि, मलिक ने इस मामले को बाद में देखने का आश्वासन देकर मांग को टाल दिया।गुस्साए बीजेपी नेताओं ने स्पीकर के पोडियम पर दाल फेंक दी. बाद में स्पीकर ने माझी और महालिंग को इस कृत्य के लिए निलंबित कर दिया।माझी ने बाद में कहा, स्पीकर पर दाल फेंकने के आरोप झूठे हैं। मुझे आश्चर्य है कि अध्यक्ष महोदया ने बिना दृश्य देखे निर्णय कैसे ले लिया। मैंने स्पीकर मैडम को न तो दाल फेंकी है और न ही गिफ्ट की है। बिना किसी गलती के निलंबित किए जाने से मैं दुखी हूं।

अमेरिका में 2 दिन बाद शटडाउन! खरबों का कर्ज नहीं चुका पा रहे बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। यदि अमेरिका की बाइडन सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष के लिए धन उपलब्ध कराने में विफल रहती है, तो अमेरिकी सरकारी सेवाएं बाधित हो जाएंगी और लाखों कर्मचारियों के वेतन के लाले पड़ जाएंगे। या तो इन कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी दे दी जाएगी या फिर आवश्यक समझे जाने वाले कर्मचारी काम पर बने रहेंगे, लेकिन वो भी बिना वेतन के। कई सरकारी एजेंसियों और सेवाओं पर भी बड़ा असर हो सकता है। अरबों-खबरों के कर्ज में दबी अमेरिकी सरकार के किस विभाग के बंद होने का खतरा ज्यादा है? जानते हैं अगर ऐसा हुआ तो क्या खुला और क्या बंद रहेगा?

रिपब्लिकन यूएस हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने बुधवार को सीनेट में आगे बढ़ने वाले स्टॉपगैप फंडिंग बिल को खारिज कर दिया। जिससे वाशिंगटन एक दशक में अमेरिकी सरकार के चौथे शटडाउन के करीब पहुंच गया है। जिसमें सिर्फ तीन दिन बचे हैं। इस शटडाउन से सैकड़ों-हजारों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी से छुट्टी हो जाएगी। आवश्यक पड़ने पर गिने-चुने कर्मियों को बिना वेतन रखा जाएगा। ऐसा तब तक है जब तक कि कांग्रेस एक फंडिंग बिल पारित करने में सफल नहीं हो जाती, जिस पर राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर होंगे। 30 सितंबर से पहले फंड का आवंटन जरूरी अमेरिका के फेडरल सरकार में हर वित्तीय वर्ष 30 सितंबर का होता है। यहां कांग्रेस को इससे पहले 438 सरकारी एजेंसियों के लिए फंडिंग का आवंटन करना होता है। अगर सांसद वित्त वर्ष शुरू होने पर ये बिल पास नहीं करते हैं तो सरकारी एजेंसियों के पास काम करने के लिए पैसा नहीं रहेगा और उनको बंद होना पड़ेगा। अभी सांसदों और रिपब्लिक नेताओं के बीच विवाद की वजह से फंडिंग के प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पा रही है। 1981 के बाद से अबतक यूएस में 14 बार शटडाउन हो चुका है, हालांकि, इनमें से कुछ एक या दो दिनों के लिए भी रहे हैं। इसके पहले दिसंबर, 2018 और जनवरी, 2019 के बीच 34 दिनों तक शटडाउन चला था, जोकि सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर हुआ था। अकसर ऐसा भी होता है कि सांसद एजेंसियों का मौजूदा फंड बढ़ाकर डेडलाइन खिसका देते हैं, ताकि मोल-भाव चलता रहे। 2 मिलियन अमेरिकी सैन्यकर्मी अपने पदों पर बने रहेंगे, लेकिन अगर शटडाउन होता है तो पेंटागन के 800000 नागरिक कर्मचारियों में से लगभग आधे को छुट्टी दे दी जाएगी। पेंटागन राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक आपूर्ति या सेवाओं के लिए नए ऑर्डर दे सकता है। नवीनीकरण या विस्तार सहित अन्य नए अनुबंध नहीं दिए जाएंगे। ऊर्जा विभाग का राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन परमाणु हथियारों का रखरखाव जारी रखेगा। एफबीआई, ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) और अन्य संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के एजेंट काम पर बने रहेंगे। वहीं, जेल कर्मचारी भी अपना काम करना जारी रखेंगे। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ दो संघीय मामलों सहित आपराधिक मुकदमा जारी रहेगा। अधिकांश नागरिक मुकदमे स्थगित कर दिये जायेंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सरकार के ऐतिहासिक गूगल एंटीट्रस्ट मुकदमे को बाधित किया जाएगा।

ओमान में करता था काम, कंपनी ने जब्त कर लिया पासपोर्ट तो नाव से वापस आ गया भारतीय शख्स

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात में देवभूमि द्वारका जिले के ओखा शहर से ईरान के तीन नागरिकों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से सैटेलाइट फोन और 10 ग्राम हेरोइन कथित रूप से बरामद की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात को निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज के पास ओखा तट पर एक नौका पहुंची जिसपर ईरान के तीन मछुआरे और अशोक कुमार अयप्पन (37) नाम का एक भारतीय सवार था जबकि तट पर उन्हें लेने के लिए अशोक का छोटा भाई आनंद कुमार अयप्पन आया हुआ था। पुलिस अधीक्षक नितेश पांड्य ने बताया कि तमिलनाडु का रहने वाला अशोक ओमान में काम करता था जहां उसकी स्पॉन्सर कंपनी ने उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया था। इसके बाद अशोक ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की योजना बनाई। भारत लौटने की कोशिश में अशोक सबसे पहले मस्कट से ईरान गए। वहां उनकी ओखा यात्रा के लिए तीन ईरानियों के एक दल और एक नाव की व्यवस्था की गई थी। एक अन्य आरोपी आनंद, तमिलनाडु का एक भारतीय नागरिक, अपने भाई अशोक को द्वारका तट से लेने के लिए हवाई मार्ग से राजकोट में उतरा। उसने गुजरात के तट तक पहुंचने के लिए ईरानी मछुआरों की मदद ली थी। उन्होंने कहा कि तीन ईरानी मछुआरों की पहचान मुस्तफा बलूची, जशीम बलूची और आमिर हुसैन बलूची के तौर पर हुई है और तीनों बंदर अब्बास के रहने वाले हैं।

नासा ने अंतरिक्ष में दिखाई पकौड़े जैसी चीज, देखकर लोगों ने समझा एलियंस का जहाज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है जिसमें एक खगोलीय पिंड और पकौड़ी बनावट में अनोखी वस्तुएं अंतरिक्ष में दिख रही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने लोगों से पूछा कि वे इस तस्वीर को देखकर क्या समझे? लोगों ने इस सवाल पर मजेदार जवाब दिए। कई लोगों ने तो इसे एलियंस का यान तक कह डाला। इसके बाद नासा ने खुद ही सस्पेंस दूर कर दिया कि आखिर वो चीज है क्या?

नासा ने पकौड़े जैसे आकार की इन वस्तुओं का राज खोलते हुए तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि यह

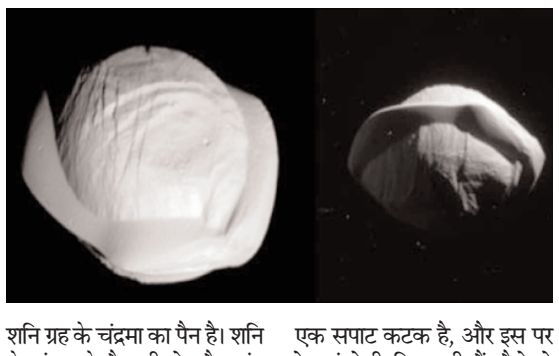

शनि ग्रह के चंद्रमा का पैन है। शनि के चंद्रमा के पैन की दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें। दोनों तस्वीरें अलग-अलग कोण से ली गई हैं। बाईं ओर की तस्वीर चंद्रमा के ऊपर से ली गई है, जबकि दाईं ओर की तस्वीर उसके नीचे से ली गई है। चंद्रमा के मध्यबिंदु के चारों ओर एक सपाट कटक है, और इस पर रेखाएं ऐसी दिख रही हैं जैसे वे इसकी सतह पर खुरची हुई हों।

कैप्शन में नासा आगे लिखता है कि यह 83,000 मील (134,000 किमी) की ऊंचाई पर हर 13.8 घंटे में एक कक्षा पूरी करता है। पैन के भूमध्य रेखा के चारों ओर का कटक शनि के चंद्रमा एटलस के समान है और चंद्रमा को विशिष्ट डंपलिंग (पकौड़ी जैसा) आकार देता है।

नासा ने कहा कि शनि के चंद्रमा की खोज पहली बार 1990 में वोयाजर 2 अंतरिक्ष यान द्वारा की की गई थी। पैन की ये हालिया तस्वीर चंद्रमा के 15,300 मील (24,600 किमी) के भीतर से गुजरते समय कैसिनी अंतरिक्ष यान द्वारा ली गई है। नासा की इस पोस्ट को 2.3 लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। इस पर लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने मजाक में कहा, एक मैकरॉन दिख रहा है, जिसमें से क्रीम निकल रही है।

2024 के चुनाव से ठीक पहले एलन मस्क ने किया बड़ा बदलाव, इलेक्शन टीम को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। साल 2024 में अमेरिका और भारत समेत कई देशों में चुनाव होने वाले हैं। लेकिन इन चुनावों से पहले ही एक्स (पूर्व में ट्विटर) के बॉस एलन मस्क ने एक सख्त कदम उठाया है। मस्क ने एक्स की इलेक्शन इंटीग्रिटी टीम को हटा दिया है। खुद मस्क ने ट्विटर पर एक यूजर को जवाब देते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह पुष्टि मस्क एक पोस्ट के जवाब में की है, जिसमें इलेक्शन टीम के लोगों की संख्या आधी करने की बात कही गई थी। आपका मतलब है कि 'इलेक्शन इंटीग्रिटी टीम'। वही टीम न जो चुनावों में शुचिता पर नजर रखती थी। हां, अब उन्हें हटा दिया गया है। गार्डियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डबलिन कार्यालय से बाहर काम करने वाले कई स्टाफ सदस्यों, जिनमें चुनाव सूचना टीम के सह-प्रमुख हारून रोडरिक्स भी शामिल हैं, ने कंपनी छोड़ दी है। चुनाव कर्मचारियों को जिस तरह अचानक बर्खास्त किया गया, उससे पता चलता है कि इंप्लॉयीज को मस्क के इस कदम का आइडिया नहीं था। पिछले महीने, रोडरिक ने लिंक्डइन पर एक भर्ती रिक्रूटमेंट ऐड पोस्ट किया था। इसमें कहा गया कि 2024 में दुनिया भर में 70 से अधिक चुनाव होने वाले हैं। रोडरिक ने लिखा था कि इस चुनाव से पहले वह आठ कर्मचारियों को नियुक्त करना चाहते हैं। इसके आगे उन्होंने लिखा था कि अगर आपके पास चुनावों और नागरिक घटनाओं की शुचिता की रक्षा करने का जुनून है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129